इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई, नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2019/78560

दैनिक विनय उजाला

आलीराजपुर
शनिवार, 18 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-04
वर्ष : 07 | अंक : 231
कुल पृष्ठ : 12

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

लॉर्ड्स में आखिरी बार खेलते दिखेंगे रोहित? ...10

फर्स्ट कॉलम

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी में अब मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान गिरफ्तार

ज्योतिर्मठ, एजेंसी। बदरीनाथ चढ़ावा चोरी मामले में एक और गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने पिछले महीने 30 जून को सेवानिवृत हुए मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान को गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि थाना प्रभारी बदरीनाथ महादेव उनियाल ने की है। इससे पहले बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष के वैयक्तिक सचिव प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार किया गया था।बदरीनाथ थाना प्रभारी महादेव उनियाल ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को बदरीनाथ थाने में लाया गया है और आवश्यक पूछताछ की जा रही है। जोशीमठ पुलिस अधिकारी मदन सिंह बिष्ट ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

राममंदिर चढ़ावा चोरी में टिन्नू-मनीष यादव 39 घंटे रिमांड पर रहेंगे

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और उसके भतीजे मनीष यादव की पुलिस को रिमांड मिल गई है। शुक्रवार दोपहर फैजाबाद कोर्ट ने 39 घंटे की रिमांड मंजूर की। हालांकि, पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी। टिन्नू पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने टिन्नू के घर से 1 लाख रुपए और मनीष के घर से 2 लाख रुपए बरामद किए थे। इधर, चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट ने प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू कराया है। शुक्रवार सुबह 11 बजे से राम मंदिर परिसर में भगवान से क्षमा-याचना के लिए विशेष पूजा-पाठ शुरू हुआ।

राहुल ने दिवंगत कांग्रेस कार्यकर्ता मेहता के परिजनों से की मुलाकात

देहरादून, (हि.स.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को देहरादून में दिवंगत कांग्रेस कार्यकर्ता अमर मेहता के आवास पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। राहुल गांधी ने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाते हुए दिवंगत अमर मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को देहरादून के बन्नू स्कूल मैदान में राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान टेंट का लोहे का हिस्सा गिरने से कांग्रेस कार्यकर्ता अमर मेहता गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

आंध्रप्रदेश में कोविड के 12 नए केस आने से फिर बढ़ी लोगों की चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक बार फिर से कोरोना अपने पैर पसार रहा है। अब आंध्रप्रदेश के कुछ हिस्सों में कोविड के नए केस सामने आए हैं। इसके बाद से स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। बीते कुछ हफ्तों (26 जून से 16 जुलाई के बीच) में राज्य में कोरोना के 12 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। राहत और सावधानी के बीच, स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाकों में सुरक्षात्मक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। राज्य में सबसे ज्यादा मामले कडप्पा जिले से सामने आए हैं, जहाँ 7 लोग संक्रमित पाए गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कदम उठाए हैं और कडप्पा के रिम्स अस्पताल में एक विशेष कोविड आइसोलेशन वार्ड तैयार कर दिया है, ताकि संक्रमितों का सही तरीके से इलाज किया जा सके।

Cartoon Corner

देश की सबसे लंबी 'जल सुरंग' तैयार | सीएम मोहन यादव ने किया स्लीमनाबाद टनल का निरीक्षण

किसान कल्याण वर्ष में पानी की कमी दूर : डॉ. मोहन यादव

कटनी, मैहर, सतना, रीवा, पन्ना और जबलपुर के गांवों को मिलेगा फायदा

विनय उजाला

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को कटनी जिले में लगभग तैयार हो चुकी स्लीमनाबाद टनल का निरीक्षण किया। करीब 12 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को प्रदेश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग उपलब्धियों में माना जा रहा है।

इसके पूरा होने से कटनी, मैहर, सतना, रीवा, पन्ना और जबलपुर के करीब 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई की सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि टनल का निर्माण कई कठिन चुनौतियों के बीच पूरा हुआ। वर्ष 2016 में जर्मनी से लाई गई आधुनिक मशीनों की मदद से खुदाई का काम तेज किया गया। बीच में ठेकेदार के काम छोड़ने और मशीनों के पुराने होने जैसी दिक्कतें भी आईं, लेकिन सरकार ने परियोजना को पूरा करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह टनल नर्मदा का पानी गुरुत्वाकर्षण (ग्रेविटी) के सहारे सोन नदी क्षेत्र तक पहुंचाएगी और विंध्य-महाकौशल के कई जिलों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। मुख्यमंत्री ने इसे विज्ञान और इंजीनियरिंग का चमत्कार बताते हुए कहा कि यह परियोजना आने वाले समय में इंजीनियरिंग की केस स्टडी बनेगी।

100 साल तक सुरक्षित रहेगी टनल, भूकंप का भीअसर नहीं पड़ेगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि टनल का निर्माण इस तरह किया गया है कि यह 100 साल तक सुरक्षित रहेगी और बड़े भूकंप का भी इस पर असर नहीं पड़ेगा। कई जगह इसकी गहराई जमीन से 120 फीट तक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि करीब 1,600 करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने लगभग 275 करोड़ रुपये की सहायता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में यह परियोजना किसानों के लिए बड़ी सौगात है। अगले तीन महीने में रबी की फसल के लिए 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी जमीन किसी भी कीमत पर न बेचें, क्योंकि यह क्षेत्र भविष्य में कृषि के मामले में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ सकता है।

इंजीनियरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा

सीएम ने कहा कि करीब 11.952 किलोमीटर लंबी इस टनल के निर्माण के दौरान इंजीनियरों को बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। खुदाई के दौरान मार्बल, लाइमस्टोन, डोलोमाइट की कठोर चट्टानें, भूमिगत गुफाएं और हर मिनट लगभग 25 हजार लीटर पानी का रिसाव जैसी बड़ी चुनौतियां सामने आईं। इस दौरान इस्तेमाल की गई अमेरिकी मशीन भी खराब हो गई, जिसके बाद जर्मनी की आधुनिक हेरेनकनेक्ट मशीन और विशेष ग्राउटिंग तकनीक से काम पूरा किया गया। इस परियोजना के शुरू होने के बाद कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना सहित कई जिलों की करीब 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार के रोडमैप के अनुसार, दिसंबर 2027 तक चरणबद्ध तरीके से 1.54 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की व्यवस्था पूरी कर दी जाएगी। जल संसाधन विभाग की अन्य परियोजनाओं को भी इस टनल से पानीदिया जाएगा।

बुंदेलखंड और बघेलखंड के लिए बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में टनल परियोजना किसानों के लिए बड़ी सौगात है। आगामी तीन माह में रबी की फसल के लिए किसानों को 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा। इस टनल परियोजना में एक ओर जहां नीचे नर्मदा नदी बहेगी, तो दूसरी ओर ऊपर से कटनी नदी प्रवाहित होगी। यह टनल परियोजना बुंदेलखंड और बघेलखंड के लिए बड़ी सौगात है, जो जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति करेगी। चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में सिंचाई विभाग ने सराहनीय कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के अपील की है कि वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन न बेचें। यह क्षेत्र भविष्य में पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेगा। इस क्षेत्र से पलायन रुकेगा और आर्थिक रूप से समृद्धि आएगी। हमारी सरकार किसान कल्याण वर्ष में बड़े-बड़े संकल्प पूरा करते हुए आगे बढ़ रही है।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटाए गए वोटरों का मामला

चुनाव आयोग तय नहीं कर सकता नागरिकता : सुप्रीम कोर्ट

आयोग, पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव आयोग, पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग से एक याचिका पर जवाब मांगा है। इस याचिका में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटाए गए वोटरों की ओर से दायर दावों और आपत्तियों का विधानसभा क्षेत्र-वार डेटा सार्वजनिक करने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एसआईआर कमेटी के चेयरमैन प्रसेनजीत बोस ने दायर की थी। इस याचिका पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सुनवाई की। वकील नेहा राठी की दायर याचिका में पश्चिम बंगाल स्पेशल इंटेंसिव रिविजन प्रक्रिया से जुड़ा विधानसभा क्षेत्र-वार डेटा मांगा। इसमें फॉर्म 6 और 7 की संख्या (दायर, स्वीकार और खारिज) और अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने अपील के लंबित रहने और उनके निपटारे की जानकारी शामिल थी।बोस की ओर से पेश सीनियर वकील गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि हटाए गए वोटरों के दावों और

आपत्तियों को देखने के लिए बनाए गए 18 ट्रिब्यूनल जिस तरह से काम कर रहे हैं, उससे व्यावहारिक स्तर पर गड़बड़ियां और देरी हो रही है।

वोटर लिस्ट पर नियंत्रण और देखरेख का अधिकार : बेंच ने बिहार एसआईआर मामले में दिए गए फैसले का जिक्र करते हुए कहा, 'चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि जब कोई ट्रिब्यूनल यह कहे कि कोई व्यक्ति एसआईआर लिस्ट में नहीं हो सकता, तो आयोग को नागरिकता अधिनियम के तहत नागरिकता तय करने के लिए मामले को केंद्रीय मंत्रालय को भेजना होगा।' बेंच ने आगे कहा, 'चुनाव आयोग नागरिकता तय करने के मामले में संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। कानून में कोई भ्रम नहीं है। चुनाव आयोग का वोटर लिस्ट पर नियंत्रण और देखरेख का अधिकार है।'

33.5 लाख अपीलें अभी भी लंबित

सीनियर वकील ने कहा कि 33.5 लाख अपीलें अभी भी लंबित हैं और जिन मामलों का निपटारा हुआ है, उनमें 70 प्रतिशत दावे स्वीकार किए गए हैं। वकील ने कहा, 'इसलिए, जब तक इन पर फैसला होता है, तब तक उन्हें योजनाओं से बाहर रखा जाता है।' बेंच ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका समेत लंबित याचिकाओं के साथ इस नई याचिका पर भी 25 अगस्त को सुनवाई करने पर सहमति जताई।

याचिका में इन अधिकारों को लागू करने की मांग

याचिका में संविधान के आर्टिकल 14, 19 और 21 के तहत अधिकारों को लागू करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में स्क्षप्रक्रिया के दौरान गिनती के चरण में 58 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए गए। साथ ही, दावे और आपत्तियों के चरण में नाम जोड़ने के लिए 9.64 लाख आवेदन (फॉर्म 6 और 6ए) और नाम हटाने के लिए 99,000 से ज्यादा आवेदन (फॉर्म 7) मिले, लेकिन 28 फरवरी को जारी अंतिम वोटर लिस्ट में सिर्फ 1.82 लाख नाम ही जोड़े गए।

नया नाम, नई व्यवस्था

एनडीए संसदीय दल की बैठकों का नाम अब 'मंगल मिलन'

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसदीय दल की बैठकों को अब 'मंगल मिलन' के नाम से जाना जाएगा। सूत्रों के अनुसार, चूंकि ये बैठकें आमतौर पर मंगलवार को होती हैं, इसलिए इन्हें यह नया नाम दिया गया है।

नई व्यवस्था के तहत पहली 'मंगल मिलन' बैठक 21 जुलाई को संसद भवन परिसर में होगी। यह बैठक संसद के मानसून सत्र शुरू होने के एक दिन बाद आयोजित की जाएगी। एक सूत्र ने कहा, '21 जुलाई की बैठक से एनडीए संसदीय दल की बैठक को अब 'मंगल मिलन' के नाम से जाना जाएगा। सूत्रों के मुताबिक,

इस नाम परिवर्तन पर केंद्रीय मंत्रिमंडल की पिछली बैठक में भी चर्चा हुई थी। बैठक के दौरान मंत्रियों को अनौपचारिक रूप से इस बदलाव की जानकारी दी गई थी। इस बीच, संसद के मानसून सत्र से पहले सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि यदि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राष्ट्रीय सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) को औपचारिक मान्यता दे देते हैं, तो उसके फ्लोर नेताओं को भी सर्वदलीय बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए लोकसभा सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और काकोली घोष दस्तीदार क्रमशः पार्टी के फ्लोर लीडर और मुख्य सचेतक हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल के इन दोनों सांसदों ने पिछले महीने 18 अन्य सांसदों के साथ टीएमसी नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी और बाद में एनसीपीआई में शामिल होने की घोषणा की थी। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की थी।

गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच आतंकवादी गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने गुजरात के विभिन्न जिलों में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है। गुजरात एटीएसने जिन पाकिस्तान आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े पांच संबंधित आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनका संबंध पिछले माह पकड़े गए देश के आठ आतंकियों के साथ बताए जा रहे हैं। गुजरात में आतंकी संगठन के स्लीपर सेल तैयार करने के लिए जैश ऐ मोहम्मद लंबे समय से प्रयास कर रहा था।

इलाज से बीमा क्लेम तक में होंगे सुधार

संसदीय समिति कसेगी नकेल; कंपनियों पर भी होगी सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

इलाज के बढ़ते खर्च से जूझ रहे करोड़ों मरीजों को राहत देने की दिशा में संसद की स्वास्थ्य संबंधी स्थायी समिति ने गहन मंथन किया है। दो दिनों तक समिति ने विशेषज्ञों से पूछा कि गरीबों को कैंसर, किडनी, लीवर, डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज कम खर्च में कैसे उपलब्ध कराया जाए? साथ ही आयुष्मान भारत, सीजीएचएस और जन औषधि जैसी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने व सरकारी अस्पतालों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। समिति सदस्यों ने कहा कि लाखों लोग हर साल प्रीमियम भरते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कई कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर क्लेम खारिज कर देतीं या भुगतान में महीनों देरी करती हैं। इससे

मरीजों और उनके परिवारों पर इलाज का भारी आर्थिक बोझ पड़ता है। इस मुद्दे पर आईआरडीएआई से जवाब मांगा गया।नियामक ने समिति को भरोसा दिलाया कि क्लेम निपटान की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध व जवाबदेह बनाने के लिए नए सुधार लागू किए जा रहे, ताकि पॉलिसीधारकों से अन्याय नहीं हो।

देश का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 आज होगा लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का प्राइवेट स्पेस सेक्टर ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ा है। हैदराबाद की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस 18 जुलाई को अपने पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का प्रक्षेपण करने जा रही है। यह पहली बार होगा जब किसी भारतीय निजी कंपनी की ओर से पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित ऑर्बिटल कैटेगरी का रॉकेट अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन का नाम 'आगमन' रखा गया है, जो भारत के निजी अंतरिक्ष कार्यक्रम के नए युग की शुरुआत का प्रतीक माना जा रहा है।

सिंधु जल संधि पर भारत का सख्त रुख बरकरार

हेग के फैसले को फिर किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े विवाद पर अपना रुख दोहराते हुए 15 मई, 2026 को हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन द्वारा जारी फैसले को अमान्य करार दिया है।

यह फैसला पश्चिमी नदियों पर भारत की जलविद्युत परियोजनाओं में जल भंडारण की अनुमति से जुड़ा था। भारत का कहना है कि यह न्यायाधिकरण संधि के प्रावधानों के अनुरूप गठित नहीं किया गया और इसलिए उसका निर्णय भारत पर बाध्यकारी नहीं है। भारत ने 23 अप्रैल, 2025 को सिंधु जल संधि के सहयोगात्मक प्रावधानों को स्थगित करने की घोषणा की थी। यह फैसला जम्मू-कश्मीर के

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद लिया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष भी हुआ। भारत का कहना है कि संधि से जुड़े सहयोगात्मक प्रावधान तब तक निलंबित रहेंगे, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और स्थायी रूप से समर्थन देना बंद नहीं करता।

इंदौर एवं मध्यप्रदेश के लाखों असंगठित श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों तथा गिग एवं प्लेटफ़ॉर्म कर्मियों को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रतिनिधित्व

सांसद शंकर लालवानी राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के सदस्य मनोनीत

विनय उजाला

इंदौर। इंदौर के सांसद श्री शंकर लालवानी को राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के अंतर्गत गठित यह केंद्र सरकार का एक महत्वपूर्ण वैधानिक बोर्ड है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा उपाध्यक्ष भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार सचिव करते हैं।

राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड देश के करोड़ों असंगठित श्रमिकों, गिग एवं प्लेटफ़ॉर्म कर्मियों तथा

स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, श्रमिक कल्याण एवं अन्य नीतिगत विषयों पर केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करता है। देश की कार्यशील आबादी का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण यह बोर्ड नीति निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री शंकर लालवानी का इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय बोर्ड में मनोनयन इंदौर एवं मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इससे प्रदेश के लाखों असंगठित श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडर्स, ऑटो एवं टैक्सी चालकों, निर्माण श्रमिकों, घरेलू कामगारों, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स तथा ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं से जुड़े कर्मियों के हितों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी आवाज़ मिलेगी।

इंदौर के उद्योग, व्यापार और श्रमिक संगठनों को मिलेगा लाभ

इंदौर देश का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्र है। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में प्रतिनिधित्व मिलने से उद्योग, व्यापार, श्रमिक संगठन तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ अपने सुझाव और समस्याएँ प्रभावी रूप से केंद्र सरकार तक पहुँचा सकेंगी। इससे स्थानीय आवश्यकताओं को राष्ट्रीय नीतियों में उचित स्थान मिलने की संभावना और मजबूत होगी।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मिलेगी नई दिशा

राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड समय-समय पर पेंशन, जीवन एवं दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ, श्रमिक पंजीकरण, कौशल विकास, बच्चों की शिक्षा तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए केंद्र सरकार को अनुशंसाएँ देता है। इन सुझावों के आधार पर श्रमिक हितों से जुड़ी योजनाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जाता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ ऑनलाइन डिलीवरी, कैब सेवा, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स तथा ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े कर्मियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उनके सामाजिक सुरक्षा अधिकारों, बीमा, पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में यह बोर्ड महत्वपूर्ण नीतिगत भूमिका निभाता है।

सांसद ने जताया आभार

सांसद श्री शंकर लालवानी ने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री मनसुख मंडविया जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे इंदौर एवं मध्यप्रदेश के असंगठित श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों तथा गिग एवं प्लेटफ़ॉर्म कर्मियों के हितों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह दायित्व श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लक्ष्य को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

संक्षिप्त समाचार

रचनाकार त्रिवेणी ने आयोजित किया नवरस अभिव्यक्ति का अनूठा नवाचार

इंदौर (विनय उजाला)। हिंदी काव्यशास्त्र में वर्णित मानव स्वभाव के नौ रसों की मनोहारी प्रस्तुतियाँ रचनाकार त्रिवेणी की सदस्यों ने दीं। अहिल्या लाइब्रेरी में अभिरस समूह द्वारा आयोजित कार्यक्रम नवरस अभिव्यक्ति में प्रत्येक रस को

नौ रसों की की विभिन्न भाव-भंगिमाओं से रचनाकारों ने रोचक प्रस्तुतियाँ दीं

सरसता के साथ दर्शाया गया। जहां श्रृंगार रस में प्रेम और सौंदर्य की खूबसूरती कविता और गीत से बताई, वहीं करुण और अद्भुत रस में भावनाओं का संवेग था। हास्य और रौद्र रसों के अद्भुत तालमेल ने मन मोह लिया। वीभत्स और शांत रस का सृजन अत्यंत उल्लेखनीय रहा। अन्य रसों को भी विविध विधाओं में अभिव्यक्त किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष मीनाक्षी पुराणिक ने कहा रचनाकारों का स्व सृजन साहित्य, कला, संस्कृति में नए आयाम पेश कर रहा है। सचिव तृप्ति भूतड़ा ने सदस्यों की सहभागिता की भावभीनी प्रशंसा की। अभिरस का विशेष संयोजन अभिरस समूह की ओर से निशा चतुर्वेदी, अचला गुप्ता, वंदना दुबे, नवनीत जैन, सुनीता अग्रवाल, प्रीति धीरज जैन, श्वेता त्रिवेदी, निरुपमा शर्मा ने विशेष संयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन शोभारानी तिवारी ने किया, आभार हिमांशु जैन ने माना।

आईआईटी दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स इंडिया यूथ कॉन्फ्रेंस-2026 के रिसर्च डायरेक्टर बने डॉ. एस. एम. अनस इक़बाल

इंदौर (विनय उजाला)। वरिष्ठ शिक्षाविद् डॉ. एस. एम. अनस इक़बाल को ब्रिक्स इंडिया यूथ कॉन्फ्रेंस-2026 का डायरेक्टर (रिसर्च) नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 14 सितंबर 2026 को आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली में आयोजित होगा। सम्मेलन का विषय 'From Strength to Strength: Youth Shaping the Future of BRICS' रखा गया है। इसमें भारत सहित ब्रिक्स देशों के युवा प्रतिनिधि, राजनयिक, नीति-निर्माता, शिक्षाविद्, रक्षा विशेषज्ञ, शोधकर्ता एवं उद्यमी वैश्विक सहयोग, युवा कूटनीति तथा भविष्य की नीतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। डॉ. इक़बाल सम्मेलन के शोध एवं अकादमिक कार्यों का नेतृत्व करेंगे। उनकी जिम्मेदारियों में सम्मेलन के शोध ढांचे का निर्माण, रिसर्च टीम का मार्गदर्शन, नीति-पत्र एवं बैकग्राउंड पेपर तैयार कराना, तकनीकी सत्रों की अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा सम्मेलन की अंतिम रिपोर्ट एवं अनुशंसाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना शामिल है। भारतीय मंथनम् रिसर्च विभाग के चीफ ऑफ स्टाफ मानव त्रिपाठी ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए कहा कि डॉ. इक़बाल का व्यापक शैक्षणिक एवं शोध अनुभव सम्मेलन की अकादमिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। डॉ. अनस इक़बाल की इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नियुक्ति पर शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक संगठनों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे इंदौर एवं मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।

टीआई एम जी रोड विजय सिसोदिया के द्वारा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया गया जागरूक

इंदौर (विनय उजाला/मनोहर राजपूत)। इंदौर के एमजी रोड थाना क्षेत्र स्थित शासकीय नूतन हायर सेकेंडरी स्कूल में एमजी रोड थाना पुलिस द्वारा 'नशे से दूरी है जरूरी' जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शराब, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट, नशीली दवाओं एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही यह अपराध, सड़क दुर्घटनाओं, पारिवारिक कलह और आर्थिक समस्याओं का प्रमुख कारण बन सकता है। एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिसोदिया ने विद्यार्थियों को सरल एवं सहज भाषा में नशा मुक्ति के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि नशे से दूर रहेगी, तभी एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं आमजन से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें, अपने मित्रों और परिवारजनों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें।

महापौर एवं विधायक ने मधु मिलन से छावनी तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का किया निरीक्षण

जनप्रतिनिधि एवं रहवासियों के सहयोग से आदर्श रोड का होगा निर्माण : महापौर

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। जनकार्य प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर के यातायात को सुगम एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे मास्टर प्लान सड़क निर्माण कार्यों के तहत आज महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक श्री गोलू शुक्ला ने मधु मिलन चौराहा से छावनी चौराहा तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर, पार्षद श्रीमती पंखुड़ी जैन, अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री पी.एस. कुशवाह, सहायक यंत्री श्री नरेश जायसवाल, महापौर प्रतिनिधि श्री भावेश दवे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि जब इस सड़क के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया था, तब कई लोगों को यह आशंका थी कि वर्षा ऋतु से पहले निर्माण शुरू होने के कारण नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आज निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से संवाद करने पर यह स्पष्ट हुआ कि नगर निगम द्वारा जिस गति और बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है, उससे नागरिक संतुष्ट हैं और उन्होंने निगम की कार्यशैली की सराहना करते हुए धन्यवाद भी व्यक्त किया।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने सड़क निर्माण की प्रगति का जायजा लिया तथा अधिकारियों से निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण कार्य को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्षाकाल को देखते हुए निर्माण स्थल पर नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए पर्याप्त बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आवागमन करने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महापौर ने बताया कि निर्माणाधीन मार्ग पर अब तक 500 मीटर से अधिक लंबाई में सड़क लेन का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष कार्य भी तेज गति से जारी है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ-साथ स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज लाइन, ड्रेनेज नेटवर्क एवं पेयजल पाइपलाइन जैसे महत्वपूर्ण आधारभूत कार्य भी समानांतर रूप से किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में सड़क को बार-बार खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और नागरिकों को बेहतर एवं स्थायी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद मधु मिलन से छावनी तक का मार्ग आधुनिक, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित स्वरूप में विकसित होगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों के साथ-साथ पूरे शहर के लोगों को तेज, सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

महापौर ने की टीम सराहना

नगर निगम के इंजीनियरों एवं निर्माण कार्य में लगे अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि पूरी टीम ने कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट कार्य किया है। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के विधायक श्री गोलू शुक्ला, पार्षद श्रीमती पंखुड़ी जैन तथा स्थानीय रहवासियों द्वारा दिए गए सहयोग की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और नागरिकों के समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलती है और यह परियोजना इंदौर में जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी।

श्रीमती उषा गीते ने अपने जन्मदिन की समाज सेवा से शुरुआत करी

इंदौर (विनय उजाला)। आप सरल, सहज, कर्मठ, मेहनती, धार्मिक मिलनसार, समाज सेवी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष पर विनय उजाला वेलफेयर सोसायटी के माध्यम से समाज सेवा कर जन्मदिन मनाया। इस पुनीत कार्य के लिए श्री वीरेंद्र जी मिश्रा, श्री अर्जुनसिंह चौहान, श्री विकासचंद्र जी जोशी, श्री योगेंद्र गीते, श्री पियूष गीते, श्रीमतीसृष्टि गीते श्री आरभ्य गीते, श्री राजेंद्र बिल्लोरे, श्रीमती भारती बिल्लोरे डॉ. अनमोल बिल्लोरे, डॉ. अपर्णा बिल्लोरे हृदया बिल्लोरे श्री अनंत बिल्लोरे, श्री सोमप्रकाश सोहनी, श्रीमती संध्या सोहनी, अविनाश सोहनी, श्रीमती ऋतू सोहनी, श्री आद्विक सोहनी, सुजल जाधव, नंदनी जाधव आदि ने जन्मदिन की बधाई दी एवं दीर्घायु होने की कामना की।

मध्य प्रदेश में बनेगी नई दिव्यांग नीति

पर्पल फेयर इंदौर-2026 में सांसद ने दिव्यांग प्रतिभाओं का किया सम्मान

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) सीहोर तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रवींद्र नाट्य गृह में 'पर्पल फेयर इंदौर-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया तथा उन्हें अपनी प्रेरक जीवन यात्रा साझा करने का अवसर मिला। दिव्यांग बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थितजनों का मन मोह लिया।

सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि इंदौर दिव्यांगजनों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और यहां राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाले अनेक एनजीओ सक्रिय हैं। सांसद श्री लालवानी ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) के इंदौर में सैटेलाइट सेंटर स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे इंदौर सहित संभाग के अन्य जिलों के भी दिव्यांगजन और संस्थाएं लाभान्वित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की नई दिव्यांग नीति तैयार करते समय इंदौर के अनुभवी स्वयंसेवी संगठनों से भी सुझाव लिए जाएं ताकि नीति अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बन सके। उन्होंने इंदौर की कई प्रेरणादायी दिव्यांग प्रतिभाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इंदौर में अनेक युवाओं ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से नई पहचान बनाई है। उन्होंने इन सफलताओं का श्रेय सेवा भाव से कार्य कर रहे स्वयंसेवी संगठनों और समाज के सहयोग को दिया। कार्यक्रम में विधायक श्री गोलू शुक्ला भी शामिल हुए और दिव्यांग बच्चों से संवाद करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। निशक्तजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए नई समावेशी दिव्यांग नीति तैयार की जा रही है। इस नीति के निर्माण में विशेषज्ञों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सभी संबंधित पक्षों के सुझाव शामिल किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों की मदद के लिए 32 करोड़ रुपये की दिव्यांग निधि स्थापित की है।

इस निधि से प्रतिभावान दिव्यांगजनों को खेल, उच्च शिक्षा, कला, संस्कृति आदि क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। साथ ही दिव्यांगजनों को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी मदद दी जाएगी। युवाओं को रियायती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। स्टार्टअप में भी मदद की जाएगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान (एनआईएमएचआर) सीहोर के डायरेक्टर श्री अखिलेश कुमार शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पर्पल फेयर के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इंदौर आबकारी विभाग द्वारा नशे के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

इंदौर (विनय उजाला)। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के द्वारा दिये निर्देशानुसार इंदौर जिले में अवैध मदिरा के विरूद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई जारी है। वृत महू (ब) प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री पवन टिकेकर एवं उनके दल द्वारा गत दिवस गश्त के दौरान शंका के आधार पर महू पीथमपुर रोड पर बिना नंबर का दो पहिया वाहन हीरो स्प्लेंडर को रोक कर तलाशी लेने पर देशी प्लेन मदिरा के 50 पाव बरामद किये गये, जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाये जा रही थी। उक्त मदिरा तथा वाहन को विधिवत् रूप से जप्त कर कब्जे में लिया गया। आरोपी हरिओम पिता पुरुषोत्तम रजक निवासी पीथमपुर के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, इंदौर में 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' के तहत जन-जागरूकता सेमिनार आयोजित

मनोहर राजपूत

इंदौर (विनय उजाला)। पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी), इंदौर में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह के निर्देशन में नशा मुक्ति जन-जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री रजत नागदा, राज्यस्तरीय नशा मुक्ति प्रशिक्षक (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग) तथा श्री राजीव तिवारी, संचालक, शुद्धि नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र एवं राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर, विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणरत नव आरक्षक प्रशिक्षुओं को नशे की समस्या, भारत एवं मध्यप्रदेश में नशे की वर्तमान स्थिति, इसके प्रमुख कारण, दुष्परिणाम एवं सामाजिक प्रभाव, पुनर्वास एवं काउंसलिंग की प्रक्रिया तथा नशा मुक्ति केंद्रों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही पुनर्वास प्राप्त व्यक्तियों के अनुभव साझा कर नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती शैलजा पटवा, 275 नव आरक्षक प्रशिक्षु तथा पीटीसी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय कलेक्टर (खनि-शाखा) जिला-खरगोन (म.प्र.)

क्रमांक/827/खनिज/26 खरगोन, दिनांक : 14/07/2026

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए, द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि **आवेदक श्री वसीम खान, निवासी - ग्राम बालसमुद तहसील कसरावद, जिला खरगोन (म.प्र.)** द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 03/06/2026 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 474 दिनांक 10.06.2026 से प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 30/07/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

:: आवेदन का संक्षिप्त विवरण ::

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
खरगोन	कसरावद	बालसमुद	232 (एस)	4.000 हे.	शासकीय भूमि	पत्थर गिट्टी तथा एम-सेण्ड का उत्खनिपट्टा	-

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौंण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौंण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होते है, तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनि-शाखा
जिला-खरगोन (म.प्र.)

जी-15774/26

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग इंदौर (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक-07/निविदा/इंदौर/2026-27 इंदौर, दिनांक : 10.07.2026

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रू. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_PWDRB_520533_1	खरगोन	वार्षिक मरम्मत कार्य।	खरगोन जिले के अंतर्गत आने वाले मौजूदा पुलों और उनके संपर्क मार्गों के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	19.83	केवल ऑन-लाईन
2	2026_PWDRB_520534_1	बड़वानी	वार्षिक मरम्मत कार्य।	बड़वानी जिले के अंतर्गत आने वाले मौजूदा पुलों और उनके संपर्क मार्गों के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	19.7	केवल ऑन-लाईन
3	2026_PWDRB_520535_1	आलीराजपुर	वार्षिक मरम्मत कार्य।	आलीराजपुर जिले के अंतर्गत आने वाले मौजूदा पुलों और उनके संपर्क मार्गों के वार्षिक मरम्मत का कार्य।	18.24	केवल ऑन-लाईन

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक 30.07.2026 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
सेतु निर्माण संभाग, इंदौर

जी-15766/26

"बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

'अनहद 26-क्षमताओं का उत्सव' : समावेशन और जागरूकता का संदेश देता एक विशेष आयोजन

अरुणाभ के विशेष बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। अनहद केवल एक आयोजन नहीं है,यह समावेशन का उत्सव है।जहाँ विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति और मुख्यधारा के पेशेवर एक ही मंच, एक ही दर्शक और एक ही उद्देश्य के साथ साथ आते हैं।

अरुणाभ के फ़ाउंडर आशीष कट्टी,प्रचार प्रमुख शैलेंद्र महाजन ने बताया की शाम की शुरुआत 'बाप रे बाप' से होती है,जो एक मनोरंजक हास्य नाटक है, जिसमें पेशेवर थिएटर कलाकारों के साथ अरुणाभ के कलाकार भी मंच साझा करते हैं और यह साबित करते हैं कि हँसी की कोई सीमा नहीं होती।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डी.आई.जी (एस.ए.एफ़) इंदौर अमित सिंह, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद डॉ स्वप्निल कोठारी, समाजसेवी अनुराग सोनी,दीप्ति हाण्डा,डॉ पुनीत द्विवेदी ने द्वीप प्रज्वलन कर विशेष बच्चॉ को प्रमाण पत्र वितरित किए।

अथिति स्वागत ज्योति पारखी,विजय जैन,अर्पण जैन ने किया।

इसके बाद लगभग 50 विशेष बच्चों द्वारा प्रस्तुत एक सशक्त नृत्य-नाटिका 'इंद्रधनुष', संगीत, गति और भावनाओं के माध्यम से यह उनके संसार की एक झलक प्रस्तुत करता है,उनके सपने, संघर्ष, आशाएँ और संवेदनाएँ।

वही संस्था विशेष बच्चों द्वारा लाइव बैंड पर अपनी सुरीली आवाज़ में कार्तिक मेहता ने हमे यू छोड़कर न जाइए...आपको हमारी क़सम लोट आइए...

आशुतोष मिश्रा ने प्यार हमे किस मोड़ पर ले आया...

सूर्यांश मुदलियार ने चाँद तारे तोड़ लाऊ...बस इतना सा ख़्वाब है...सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

उत्सव की अगली कड़ी में 'कृष्ण संसार लाइव', जो अनहद - द अरुणाभ बैंड और प्रसिद्ध कृष्ण संसार समूह के बीच एक प्रेरणादायक संगीतमय सहयोग है। साथ मिलकर वे एक आत्मीय और ऊर्जावान भक्ति संगीत अनुभव रचते हैं, जो समावेशन की भावना को सुंदर रूप से अभिव्यक्त करता है। समावेशन की यह कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। इसके बाद दृष्टिबाधित संगीतकार भी मंच पर शामिल होते हैं और ह।ष्ठ समूह के साथ लाइव प्रस्तुति देते हैं, यह दर्शाते हुए कि प्रतिभा किसी भी सीमा से परे होती है।

अनहद क्षमताओं का उत्सव एक समावेशी समाज का जीवंत उदाहरण है, जहाँ क्षमताओं का सम्मान किया जाता है, बाधाओं को तोड़ा जाता है, और हर व्यक्ति को चमकने का अवसर दिया जाता है। यही संदेश अनहद गर्व के साथ दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है।आभार वेंकटेश कट्टी ने माना।

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई, नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

दैनिक विनय उजाला

शनिवार, 18 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-04

सपा-कांग्रेस में खींचतान ...05

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

फर्स्ट कॉलम

क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर गैरी सोबर्स का निधन, 89 की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर और इतिहास के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर माने जाने वाले सर गारफील्ड सोबर्स का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके निधन की पुष्टि की. उन्होंने अपने करियर में 93 टेस्ट में 8032 रन, 235 विकेट और 109 कैच लेकर क्रिकेट इतिहास में अमिट छाप छोड़ी।

बलूचिस्तान में 40 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने 1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों में 48 हमले किए। संगठन के मुताबिक इन समन्वित अभियानों में 40 से अधिक पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हुए। बीएलए का कहना है कि उसके निशाने पर सैन्य काफिले, सुरक्षा चौकियां, पुल और सेना की रसद आपूर्ति से जुड़े मार्ग रहे। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच की ओर से जारी बयान में कहा गया कि संगठन के लड़ाकों ने 1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच मस्तुंग, नुश्की, केच, सूराब, खुजदार, जियारत, खारान और कलात जिलों में हथियारबंद हमले और आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट किए।

ईरान पर अमेरिका का प्रहार, पुल, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन मलबे में तब्दील

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो दिन पहले ही चेतावनी दी थी। उसके ठीक बाद अमेरिका ने ईरान पर बड़ा हमला बोल दिया। अमेरिकी सेना ने लगातार छठी रात ईरान को निशाना बनाया है। इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने ही नहीं, बल्कि आम लोगों से जुड़े बुनियादी ढांचे पर भी हमले हुए हैं। हमलों में ईरान के पुल, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट तबाह हो गए हैं। ईरानी मीडिया का कहना है कि ये हमले दक्षिणी प्रांतों में हुए हैं। यह पूरा इलाका व्यापार के लिहाज से बेहद खास 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि वे ईरान की सैन्य ताकत को कमजोर करना चाहते हैं।

सीआरपीएफ ने 10 हजार फीट की ऊंचाई पर ध्वस्त किए आतंकी ठिकाने

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। सीआरपीएफ ने पहलगाम हमले के बाद से लेकर अब तक विभिन्न इलाकों में 55 अस्थायी ऑपरेशन बेस स्थापित कर दिए हैं। पहले इतनी ऊंचाई पर सुरक्षा बलों की नियमित गश्त नहीं होती थी। नतीजतन, आतंकवादी वहां पर छिपने की जगह ढूंढ़ लेते थे। जुलाई 2025 के बाद से सीआरपीएफ ने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अपने बेस बनाकर आतंकियों को वहां से खदेड़ दिया है। आतंकियों को ऐसे ठिकाने छोड़ने पड़े हैं, जहां वे कई वर्षों से छिपे हुए थे।

पूर्वोत्तर भारत से लेकर पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों तक अगले सात दिनों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के पूर्वोत्तर इलाके से लेकर उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों सहित अन्य राज्यों में अगले सात दिनों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों के दौरान छिटपुट बारिश के बीच उमस भरी गर्मी रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार राजधानी में शनिवार को सुबह या दोपहर के समय कुछ जगहों पर मध्यम हवाओं के झोंके के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं लेकिन कुछ इलाकों में उमस और गर्मी रहने की भी संभावना है।

देश में ऐसा पहली बार : पीएम मोदी ने दिखाई नई तकनीक को हरी झंडी

दौड़ने लगी हाइड्रोजन ट्रेन, न धुआं उठा, न लगी बिजली

सोनीपत, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जींद जंक्शन से सोनीपत के लिए देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर दिया है।

यह देश की पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन है जो कि बिना डीजल और बिजली के तारों के चलेगी। जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली इस पैसेंजर ट्रेन में 2600 लोग सफ़र कर सकेंगे। फिलहाल यह ट्रेन 89 किलोमीटर के रूट पर चलेगी और दो घंटे में यह दूरी तय करेगी। बीच में 12 स्टेशनों पर ट्रेन रुकेगी। ट्रेन की अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रतिघंटा होगी रेल मंत्रालय के अनुसार, 10 डिब्बों वाली यह ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से बिजली पैदा कर संचालित होती है तथा इससे केवल जलवाष्प का उत्सर्जन होता है। यह ट्रेन देश के नेट जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को पाने और जीवाश्म ईंधन कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री करीब 26,800 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

यह कमाल करने वाला पांचवां देश भारत... हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश है। इससे पहले यह तकनीक जर्मनी, चीन, जापान, फ्रांस और अमेरिका के पास है। रेलवे ने बताया है कि इस ट्रेन का इंजन पुराने इंजन जैसा ही है। बस इसमें डीजल या फिर बाहर से बिजली नहीं ली जाती है। इसमें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से ट्रेन के अंदर ही बिजली बनती है। इस रासायनिक अभिक्रिया से केवल भाप निकलती है। इसके अलावा कोई भी प्रदूषक उत्सर्जित नहीं होता है।

किराया 5 रुपये से 25 रुपये तक... इस ट्रेन में कुल 10 कोच हैं और 2600 यात्री सफर कर सकते हैं। इसकी कुल पावर 2400 किलोवाट है। एक बार हाइड्रोजन भरने पर यह ट्रेन 250 किलोमीटर चलती है। वहीं ट्रेन का किराया 5 रुपये से अधिकतम 25 रुपये तक ही है। इस ट्रेन में सुरक्षा का खास धअयान रखा गाय है। इसमें मल्टी लेयर सेफ्टी सिस्मट लगे हैं। हाइड्रोजन लीक की स्थित में ट्रेन खुद ही रुक जाएगी। इसके अलावा फायर डिटेक्टर और मॉनिटरिंग सिस्टम में भी ट्रेन में लगाया गया है।

ग्रीन मोबिलिटी ऑप्शन की ओर बढ़ते कदम... ट्रेन की लॉन्चिंग के साथ भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन को फ्यूल के तौर पर इस्तेमाल करके ट्रेनें चलाई जाती हैं। हाइड्रोजन ट्रेन अधिक ग्रीन मोबिलिटी ऑप्शन की ओर बढ़ने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसमें हाइड्रोजन को सबसे ग्रीन फ्यूल माना जाता है।

कुल आठ फ्यूल सेल लगाए गए हैं

हाइड्रोजन ट्रेन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें कुल आठ फ्यूल सेल लगाए गए हैं, जो हाइड्रोजन गैस से बिजली पैदा कर ट्रेन को संचालित करेंगे। ट्रेन में करीब 440 किलोग्राम संपीड़ित (कंप्रेस्ड) हाइड्रोजन संग्रहित करने की क्षमता है। यही हाइड्रोजन फ्यूल सेल के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में बदलकर मोटरों को शक्ति प्रदान करेगी। इस प्रक्रिया में धुएं या कार्बन उत्सर्जन के बजाय केवल जलवाष्प निकलती है, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का उदाहरण बनेगी। एक बार हाइड्रोजन भरने पर ट्रेन करीब 350 से 360 किलोमीटर तक का सफर तय करने में सक्षम होगी। इससे बार-बार ईंधन भरने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और संचालन अधिक प्रभावी रहेगा। रेलवे नियमित अंतराल पर ट्रेन की तकनीकी जांच, फ्यूल सेल प्रणाली और अन्य सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण करेगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

नई तकनीक, सुरक्षा पर विशेष फोकस

रेलवे ने इस परियोजना के लिए लोको पायलटों, तकनीकी कर्मचारियों और रखरखाव टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया है। चूंकि भारत में पहली बार हाइड्रोजन आधारित तकनीक का उपयोग रेल संचालन में किया जा रहा है, इसलिए सभी सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि जींद परियोजना के सफल संचालन के बाद भविष्य में देश के अन्य रेल मार्गों पर भी हाइड्रोजन ट्रेनों का विस्तार किया जाएगा।

एक दिन में करीब 356 किलोमीटर चलेगी

यह ट्रेन जींद से सोनीपत तक 89 किलोमीटर का सफर तय करेगी। एक दिन में दो राउंड ट्रिप मारेगी। इसका मतलब एक दिन में करीब 356 किलोमीटर चलेगी। जींद के बाद जींद सिटी, गोहाना, पांडु पिंडारा, लिलित खेड़ा, भांभेवा, इसापुर खेड़ी. बुटाना, खंडराई, राबरा, लाथ, मोहाना, सोनीपत में इसका स्टॉप होगा।

संसद के मानसून सत्र में बड़े फैसलों की बारी

टैक्स से शिक्षा तक कई अहम बिल लाएगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। इस सत्र के दौरान सरकार पांच नए विधेयकों को सदन में पेश कर सकती है, जबकि दो पहले से लंबित विधेयकों को भी चर्चा और पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है। इन प्रस्तावित कानूनों का संबंध कर व्यवस्था, न्यायपालिका, नागरिक पंजीकरण, राष्ट्रीय सम्मान और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से है।

सरकार जिन पांच नए विधेयकों को सदन में ला सकती है, उनमें इनकम-टैक्स (संशोधन) बिल, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 प्रमुख हैं। दोनों विधेयक पहले जारी किए गए अध्यादेशों का स्थान लेने के उद्देश्य से लाए जा रहे हैं। इनकम-टैक्स संशोधन बिल के जरिए कर प्रशासन और कर संबंधी प्रावधानों में बदलाव किए जाने की संभावना है, जबकि सुप्रीम कोर्ट से जुड़े विधेयक का उद्देश्य शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी प्रावधानों को कानूनी रूप देना माना जा रहा है।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण कानूनों में बदलाव

इसके अलावा जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 भी सरकार के एजेंडे में शामिल है। यह विधेयक जन्म और मृत्यु से जुड़े रिकॉर्ड को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान से जुड़े कानूनों में आवश्यक बदलाव किए जा सकते हैं।

एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने की योजना... सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) बिल, 2026 भी पेश कर सकती है। माना जा रहा है कि इसके जरिए एमएसएमई क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने, वित्तीय सहायता की व्यवस्था को मजबूत करने और कारोबार को आसान बनाने से जुड़े प्रावधानों को और प्रभावी बनाया जाएगा।

इन लंबित विधेयकों पर भी रहेगी संसद की नजर... नए विधेयकों के अलावा सरकार दो लंबित विधेयकों पर भी विचार कर सकती है। इनमें विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन बिल, 2026 शामिल है, जिसे 25 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश किया गया था। यह विधेयक विदेशी फंडिंग से जुड़े नियमों में बदलाव का प्रस्ताव करता है। वहीं विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल, 2025, जिसे 15 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था, फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास विचाराधीन है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद इस पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

आठवें सत्र का विधायी एजेंडा इसलिए माना जा रहा है अहम

आठवें सत्र में इन विधेयकों पर होने वाली चर्चा सरकार की विधायी प्राथमिकताओं की दिशा तय करेगी। माना जा रहा है कि इन प्रस्तावित कानूनों के जरिए कर व्यवस्था, न्यायपालिका, नागरिक सेवाओं, शिक्षा व्यवस्था और स्स्स्थ्य क्षेत्र सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नीतिगत बदलावों का रास्ता साफ हो सकता है।

विपक्ष पर होगी नजर

मानसून सत्र के दौरान लोगों की नजर देश के विपक्ष पर भी होगी। क्योंकि हाल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में सरकार और गठबंधन बदल चुके हैं। कई सांसदों के पाला बदलने के बाद अब सरकार को अपने बिलों को पास कराने में कोई खास दिक्कत नहीं होने वाली है। वहीं, विपक्ष की वो पार्टियां जो चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ थीं लेकिन चुनाव के बाद उनका गठबंधन उनसे टूट गया है उनका सीटिंग अरेंजमेंट भी बदला हुआ देखने को मिल सकता है।

मेक्सिको में 7.4 की तीव्रता से आया शक्तिशाली भूकंप

भारी नुकसान की आशंका, सुनामी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

मेक्सिको में 7.4 की तीव्रता के साथ भयंकर भूकंप आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के दक्षिणी राज्य चियापास के पास इसका केंद्र था। इस शक्तिशाली भूकंप की वजह से मेक्सिको समेत आस पास के कई देशों जैसे कि अल सल्वाडोर और ग्वाटेमाला में झटके महसूस किए गए हैं। हालांकि अभी तक मानवीय नुकसान के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। शुक्रवार को आए इस भूकंप के बारे में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने स्पष्ट रूप से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप का केंद्र मेक्सिको के प्यूर्टो मादेरो शहर से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। अब ऑफ्टर शॉक की वजह से और भी झटके आने की आशंका है। इस शक्तिशाली भूकंप के बाद अमेरिकी अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी खतरे की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रभावित तटीय इलाकों में समुद्र के जल-स्तर में खतरनाक बदलाव की संभावना के प्रति आगाह किया। सोशल मीडिया पर भूकंप के बाद के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें इमारतें तेजी के साथ हिलती हुई नजर आ रही हैं। मेक्सिको में आए इस भूकंप का असर पड़ोसी देशों में भी देखा गया।

रूस ने यूक्रेन के काला सागर बंदरगाहों पर हमले तेज किए, तीन की मौत

कीव/मॉस्को, (हि.स.)

रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के काला सागर (ब्लैक सी) तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाह शहरों ओडेसा और मिकोलाइव पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। ताजा हमलों से यूक्रेन के समुद्री व्यापार और अनाज निर्यात पर एक बार फिर गंभीर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, मिकोलाइव के बंदरगाह क्षेत्र पर हुए रूसी ड्रोन हमले में विदेशी झंडे वाले तीन नागरिक मालवाहक जहाज क्षतिग्रस्त हो गए। एक विदेशी जहाज पर सवार दो यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो गई। वहीं, यूक्रेन के सबसे बड़े बंदरगाह शहर ओडेसा पर हुए एक अन्य हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर में ओडेसा और चोर्नोमोर्स्क के बंदरगाहों से जुड़े सैन्य और लॉजिस्टिक ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि यूक्रेन का कहना है कि हमलों में नागरिक बंदरगाह ढांचे और व्यापारिक जहाजों को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के समुद्री बंदरगाह प्राधिकरण के मुताबिक, जुलाई महीने में रूस ने कई बार बंदरगाहों और नागरिक जहाजों पर हमले किए हैं, जिनमें बंदरगाह कर्मियों और विदेशी नाविकों सहित 11 लोगों की मौत हो चुकी है। ये हमले लगातार हो रहे हैं।

भारत में बांग्लादेशी घुसपैठिए बसाने के लिए विदेशों से फंडिंग, ईडी ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध बांग्लादेशी व रोहिंग्या को भारत में बसाने में जुटे नेटवर्क का खुलासा किया है। ईडी ने इस नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए यूपी, दिल्ली और पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में छापे मारे। यह नेटवर्क विदेशों से मिले पैसे का इस्तेमाल अवैध घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजने और उनकी आजीविका के इंतजाम करने में कर रहा था। इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से भी जुड़े होने की आशंका है। छापों के दौरान बंगाल के कलिकापुर इलाके में स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद व 180 ग्राम सोने के सिक्के जब्त किए गए हैं। ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत यूपी के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना व मुर्शिदाबाद और महाराष्ट्र के रायगढ़ में 13 ठिकानों पर एकसाथ छापे मारे। ईडी ने जब्त दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ऐसे गिरोह की गतिविधियों की जांच कर रहा है, जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं।

चीन पर निर्भरता होगी कम

51 अरब डॉलर के उत्पाद देश में बनाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और चीन पर आयात निर्भरता घटाने के लिए 51 अरब डॉलर मूल्य के ऐसे प्रमुख आयातित उत्पादों की पहचान की है, जिनका उत्पादन देश में किया जा सकता है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देने के लिए आयातित वस्तुओं का व्यापक आकलन किया गया।

मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष में भारत ने 775 अरब डॉलर का आयात किया। इसमें करीब 398 अरब डॉलर के उत्पाद देश में बनाए जा सकते थे। सत्रों के मुताबिक, उत्पादों का चयन आर्थिक मजबूती, आपूर्ति श्रृंखला और चीन जैसे देशों पर निर्भरता कम करने को ध्यान में

रखकर किया गया है। विनिर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण जिन उत्पादों की पहचान की गई ?है, उनमें कपड़े, जूते-चप्पल, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर पैनल और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग वाले कच्चे माल एवं कलपुर्जे शामिल हैं। इस सूची में शामिल करीब 100 उत्पादों पर तत्काल कार्रवाई होगी। ?इनका घरेलू उत्पादन बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और प्रोत्साहन योजनाओं के जरिये विनिर्माण क्षमता विकसित करने की रणनीति बनाई जा रही है।

सिरदर्द बन रहा चीन से होने वाला आयात?

भारत का 2025-26 में चीन से आयात 132 अरब डॉलर था। यह अन्य देशों के मुकाबले सबसे अधिक है। इसमें फैक्टरियों के लिए जरूरी इनपुट और मशीनरी भी शामिल हैं। सरकार ने पाया, पिछले साल आयातित 48.3 करोड़ डॉलर के जूतों का सोल भारत में बनने में दो हफ्ते लगते हैं, जबकि चीन में तीन से पांच दिन लगते हैं। केंद्र का मकसद ताइवान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और इटली की फर्मों संग संयुक्त उद्यम बनाकर इस अंतर को पाटना है। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भी ऐसे ही हालात हैं। चीनी सोलर फोटोवोल्टिक सेल घरेलू निर्माताओं पर भारी पड़ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन बिगाड़ रहा सेहत

तपती रातें छीन रही हर व्यक्ति की सालाना 93 घंटे की नींद

नई दिल्ली, एजेंसी

दिन के बढ़ते तापमान के साथ अब रातों की गर्मी भी गंभीर स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। क्लाइमेट सेंट्रल की नई वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, गर्म और उमस भरी रातों के कारण देश के कई हिस्सों में लोग हर साल दर्जनों घंटे की नींद गंवा रहे हैं।

दक्षिण भारत इस समस्या का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल मौसम का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह लोगों की नींद, स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को प्रभावित कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुडुचेरी के लोग वर्षभर में औसतन 92 घंटे की नींद खो रहे हैं। आंध्र प्रदेश में 88.6 घंटे और केरल में 88.3 घंटे की नींद का नुकसान दर्ज किया गया है। तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में भी स्थिति चिंताजनक है, जहां लगातार बढ़ती रात्रिकालीन गर्मी लोगों को पर्याप्त आराम नहीं करने दे रही। तमिलनाडु में हर व्यक्ति की लगभग 7.9 घंटे और कर्नाटक में 7.8 घंटे की अतिरिक्त नींद केवल बदलती जलवायु के कारण कम हो रही है।

बड़े शहरों में भी गर्म रातों का दिख रहा प्रभाव

बड़े शहरों में भी गर्म रातों का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। चेन्नई इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां एक व्यक्ति सालाना औसतन 93 घंटे तक कम सो पा रहा है। मुंबई में यह आंकड़ा 84 घंटे, कोलकाता में 80 घंटे और दिल्ली में 66 घंटे है। बंगलूरू में जलवायु परिवर्तन के कारण अतिरिक्त नींद की कमी सबसे अधिक दर्ज की गई है, जबकि हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे में भी इसका उल्लेखनीय प्रभाव सामने आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और कंक्रीट के फैलाव ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है।

नींद की कमी से हो सकती है गंभीर बीमारियां

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वयस्कों के लिए प्रतिदिन 7 से 9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद आवश्यक है। जब रात का तापमान अधिक रहता है तो शरीर दिनभर की गर्मी से उबर नहीं पाता और गहरी नींद लेने में कठिनाई होती है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बने रहने पर उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह, मोटापा, मानसिक तनाव, अवसाद, याददाश्त में कमी तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। पर्याप्त नींद नहीं मिलने से कार्यक्षमता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है।

पांच दशकों में तेजी से बढ़ा खतरा

रिपोर्ट में भारत सहित दुनिया के 1,338 शहरों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के अनुसार 1970 के दशक की तुलना में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली नींद की कमी लगभग दोगुनी हो चुकी है। वर्ष 2020 से 2025 के बीच दुनिया भर में प्रत्येक व्यक्ति ने औसतन 56 घंटे की नींद गर्म रातों के कारण खोई, जिसमें 10 प्रतिशत से अधिक कमी का संबंध सीधे जलवायु परिवर्तन से पाया गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि जीवाश्म ईंधनों के बढ़ते उपयोग और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन ने तापमान में लगातार वृद्धि की है। यदि उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और गंभीर होगी।

सम्पादकीय

कुडनकुलम में साइबर सेंधमारी

इसमें कोई दोराय नहीं कि समय के साथ बदलती तकनीक ने सभी क्षेत्रों में अपनी अनिवार्य जगह बनाई है और किसी भी प्रौद्योगिकी को अद्यतन तथा उपयोगी बनाए रखने के लिए यह जरूरी भी है। डिजिटल संरचना से लैस करना किसी भी संयंत्र की उपयोगिता बनाए रखने का सबसे अहम जरिया बन गया है। मगर यह भी तथ्य है कि जैसे-जैसे हर स्तर पर डिजिटल दायरे का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे साइबर फर्जीवाड़े से लेकर हमलों तक का संजाल भी फैलता जा रहा है। मामला केवल पैसों की ठगी या धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि अलग-अलग बड़े महत्त्व के संस्थानों से लेकर बेहद संवेदनशील इकाइयों में भी जिस तरह साइबर सेंधमारी की घटनाएं सामने आ रही हैं, वह अब समूची दुनिया में एक व्यापक चिंता का कारण बन रही है। हैरानी की बात यह है कि एक ओर लगभग सभी क्षेत्रों में छोटे से लेकर बड़े काम तक का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और साइबर सुरक्षा के सवाल को सबसे महत्त्वपूर्ण बताया जा रहा है, दूसरी ओर आए दिन साइबर हमलों या फर्जीवाड़े की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी की खबरें आ रही हैं। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कुडनकुलम स्थित देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजना से जुड़े हजारों संवेदनशील और गोपनीय प्रकृति के दस्तावेज सार्वजनिक होने की खबर के बाद साइबर सुरक्षा के मसले पर व्यापक चिंता उभरी है। दरअसल, 'वर्ल्ड लीक्स' नाम से कुख्यात एक साइबर अपराधी गिरोह ने दावा किया कि उसने संयंत्र से संबंधित उन्नीस हजार से ज्यादा संवेदनशील फाइलें 'डार्क वेब' पर जारी कर दी हैं। ज्यादा चिंता की बात यह है कि जारी दस्तावेजों को चोरी हुए डेटा की आठ लाख अट्ठावन हजार फाइलों का महज एक हिस्सा बताया गया है। जाहिर है, यह घटना देश की परमाणु ऊर्जा से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण अवसंरचना के साइबर सुरक्षा तंत्र के मजबूत होने के दावों पर एक सवालिया निशान है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर घटना माना जा रहा है। हालांकि खबरों के मुताबिक, चोरी हुए डेटा में परमाणु संयंत्र के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, लेकिन जो ब्योरे उड़ाए गए, उनकी वजह से गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। अब भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम इस मामले की जांच कर रहे हैं, लेकिन यह सवाल उठा है कि जब सबसे संवेदनशील माने जाने वाले संयंत्र की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाकर कोई गिरोह इतनी आसानी से डेटा चोरी करके बाकायदा जारी कर दे रहा है, तो किस जगह और हिस्से को सुरक्षित माना जाए। साइबर हमलों के लिहाज से भारत फिलहाल दुनिया के सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष भारत में 2.89 करोड़ खाते किसी न किसी रूप में साइबर फर्जीवाड़े की जद में आए।

सुविचार

कर्म का प्रत्येक बीज समय की मिट्टी में अंकुरित होता है।
सद्कर्म बोते चलो निरंतर, भविष्य स्वयं पुष्पित हो जाएगा।

– टीना कश्यप, मुंबई

पैसा सिर्फ वहीं कर सकता है, जो संभव है!
प्रार्थनाएं वह कर सकती हैं, जो असंभव है!

– दीपक शास्त्री, बेंगलुरु

मित्र खुशियों में नहीं,
कठिन परिस्थितियों में साथ देता हैं।

– तपन जिंदल, इंदौर

साहसी बनो, जोखिम उठाओ,
अनुभव का कोई विकल्प नहीं है।

–सुधा रोकड़िया, दिल्ली

शब्दकोश में सभी शब्दों का अर्थ मिल जाते है,
परन्तु जीवन का अर्थ जीवन जीकर और
संबंधो का अर्थ संबंध निभाकर ही मिल सकता है।

– के.पी. जाट, भोपाल

अगर भगवान ने संघर्ष लिखा है तो,
किसी पन्ने पर तथास्तु भी लिखा होगा...

– संजीव तिवारी

इतिहास के पन्नों में 18 जुलाई: इस दिन ब्रिटिश संसद ने भारत विभाजन को दी थी मंजूरी

देश-दुनिया के इतिहास में 18 जुलाई की तारीख कई महत्वपूर्ण घटनाओं की साक्षी रही है, लेकिन भारतीय इतिहास में यह दिन विशेष रूप से भारत के विभाजन के कारण याद किया जाता है। इसी दिन 18 जुलाई 1947 को ब्रिटिश संसद ने भारतीय स्वतंत्रता

अधिनियम पारित किया था। इस कानून ने ब्रिटिश शासन के अंत और भारत के विभाजन का मार्ग प्रशस्त किया। इससे पहले 03 जून 1947 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड लुई माउंटबेटन ने भारत को दो स्वतंत्र राष्ट्र-भारत और पाकिस्तान-में विभाजित करने की योजना पेश की थी, जिसे माउंटबेटन योजना के नाम से जाना जाता है। ब्रिटिश संसद द्वारा 18 जुलाई को इस प्रस्ताव को कानूनी मंजूरी मिलने के बाद तय हुआ कि 14 अगस्त 1947 को पाकिस्तान और 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र राष्ट्र बनेंगे। हालांकि आजादी के साथ देश को विभाजन की भी पीड़ा झेलनी पड़ी। विभाजन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी, जिसमें लाखों लोगों की जान गई और करीब 1.25 करोड़ लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए। इसे मानव इतिहास के सबसे बड़े और दर्दनाक जन-स्थानांतरणों में से एक माना जाता है। भारत और पाकिस्तान की सीमाएं तय करने के लिए रेडक्लिफ सीमा आयोग का गठन किया गया, जिसने पंजाब और बंगाल का विभाजन किया। सीमाओं की घोषणा स्वतंत्रता के बाद की गई, जिससे दोनों ओर बड़े पैमाने पर भ्रम और हिंसा की स्थिति पैदा हुई।

लोक-विमर्श

हाल में घटी यह घटना तब और बड़ी आशंका पैदा करती है, जब इसे अतीत की ऐसी ही घटनाओं से जोड़कर देखने की कोशिश की जाए। क्योंकि साल 2007 में ऐसे ही एक घटनाक्रम के बाद लगभग 53 फीसदी से ज्यादा इसरो के महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों ने किसी न किसी वजह से इसरो छोड़ दिया था।

बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों का इसरो छोड़ना

कहीं यह कोई साजिश तो नहीं...?

– लोकमित्र गौतम
(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)
इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

हालांकि जिस संस्थान में 14600 से ज्यादा कर्मचारी हों, वहां 100 या इससे कुछ ज्यादा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और परियोजना विशेषज्ञों का इस्तीफा देना या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लेना, कोई बहुत बड़े आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन सवाल सिर्फ संख्याभर का नहीं है बल्कि उन वैज्ञानिकों के अनुभवों और विशेषज्ञताओं का है, जो अचानक इसरो छोड़कर चले गये हैं और उनके इस तरह इसरो छोड़ने से यह घटनाक्रम सुर्खियों में आ गया है। दरअसल भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आज केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि का प्रतीक भर नहीं है बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास, सामरिक क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता के साथ-साथ हमारे एक महाशक्ति के रूप में उभरने का प्रतीक भी है। भारत के आज कई अंतरिक्ष कार्यक्रम न सिर्फ पूरी दुनिया को चमकृत किया है बल्कि इन कार्यक्रमों की वजह से पूरी दुनिया में हमारी इज्जत बढ़ गई है। ऐसे कार्यक्रमों में चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1 और गगनयान जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं हैं। इन्हीं परियोजनाओं की सफलताओं और इनके घोषित महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों के जरिये भारत आज वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित है।

ऐसे समय में यदि इसरो के 100 से अधिक वैज्ञानिकों के इस्तीफे या समय से पहले स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की खबरें आती हैं, तो चाहे यह बिल्कुल सहज और साधारण बात ही क्यों न हो, लेकिन कान तो खड़े होते ही हैं और ऐसा होना गलत भी नहीं है। क्योंकि जिस तरह से आज दुनिया के सबसे सम्पन्न देशों के बीच प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बेहद व्यापक हो गया है। मसलन-तकनीक, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्र उसे देखते हुए चाहे यह प्रतिभाओं को आकर्षित करने का कोई मौद्रिक तरीका हो या भितरघात की कोई साजिश, हर तरह से इस तरह की आशंका चिंतित तो करती ही है। क्योंकि आजकल भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का इस तरह के तिकड़म बड़ी सहजता से हिस्सा बन चुके हैं। विकसित देश कभी नहीं चाहते कि कोई दूसरा देश भी विकसित बने और उनके कंधे से कंधा मिलाकर वैश्विक परिदृश्य में खड़ा हो। इसलिए ये देश दूसरे देशों के श्रेष्ठ वैज्ञानिकों, प्रतिभाशाली इंजीनियरों को बेहतर वेतन, अत्याधुनिक सुविधाओं और अनेक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आकर्षणों के चलते अपनी ओर खींचते रहते हैं। सामान्य भाषा में तो इसे 'ब्रेन-ड्रेन' कहते हैं, जबकि रणनीतिक नजरिये से यह टैलेंट कंपटीशन या ज्ञान की वैश्विक प्रतिस्पर्धा है।

हाल में घटी यह घटना तब और बड़ी आशंका पैदा करती है, जब इसे अतीत की ऐसी ही घटनाओं से जोड़कर देखने की कोशिश की जाए। क्योंकि साल 2007 में ऐसे ही एक घटनाक्रम के बाद लगभग 53 फीसदी से ज्यादा इसरो के महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों ने किसी न किसी वजह से इसरो छोड़ दिया था। उस समय इसरो के वैज्ञानिकों और सहायक वैज्ञानिकों की कुल मिलाकर संख्या 1000 से कुछ ज्यादा थी। ऐसे में उन दिनों इतनी बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों तथा दूसरे महत्वपूर्ण इंजीनियरों व परियोजना विशेषज्ञों का इसरो छोड़ना सिर्फ चिंतित ही नहीं किया था बल्कि इसरो की कई परियोजनाओं को काफी पीछे छोड़ दिया था। बाद में तत्कालीन केंद्र सरकार ने इस पर व्यापक रूप से सोचा और इसरो के वैज्ञानिकों तथा उच्च वैज्ञानिक मेधाओं के लिए कई तरह की अतिरिक्त सुविधाएं दीं और उनके वेतनमान को आकर्षक बनाया। जिसके बाद किसी हद तक इसरो से वैज्ञानिक मेधाओं का पलायन रुक गया था और यही कारण है कि आज नासा के पास वैज्ञानिक प्रतिभाओं का काफी अच्छा समूह है, जो नासा और छिपे रूप में चीन से ही कुछ कम हो सकता है बाकी दुनिया की दूसरी एजेंसियों के पास इसरो जैसा प्रतिभाओं का आधार शायद ही हो। ऐसे में 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों और परियोजना विशेषज्ञों की इसरो छोड़ने की खबर आना साधारण नहीं है। इसमें चिंतित होना ही चाहिए, लेकिन यह घबराने की भी बात नहीं है। क्योंकि अगर किसी संस्थान से कुछ वैज्ञानिक जाते हैं, तो बहुत से नये वैज्ञानिक आते भी हैं। हमेशा खाली जगह भरने वाली प्रतिभाएं, पुरानी प्रतिभाओं से 20 ही साबित होती हैं और भारत में तो इस समय हर तरह की प्रतिभाओं की बाढ़ है, सिर्फ उन्हें सही ट्रेनिंग और विश्वास में लिए जाने की आवश्यकता है।

लेकिन यह व्यापक विचार विमर्श का विषय तो है ही कि आखिर जब इसरो का नाम पूरी दुनिया में बेहद सम्मान से लिया जाता हो, उस समय इतने बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक और दूसरे सहायक स्टाफ का इसरो छोड़ना आखिर किस बात की ओर इशारा है? अगर गहराई से देखें तो इसके कई कारण हो सकते हैं। सबसे बड़ा कारण तो विदेशों से ज्यादा भारत में तेजी से विकसित हो रहा प्राइवेट अंतरिक्ष उद्योग है। देश में कई स्पेस कंपनियों ने थोड़े से ही सालों में अपनी तरफ ध्यान आकर्षित कराया है। स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, दिगंतरा जैसी निजी स्पेस कंपनियों ने हाल के दिनों में अपनी चमकदार तकनीक के जरिये अंतरिक्ष जगत का ध्यान खींचा है। तमाम नई कंपनियों ने इसरो में प्रशिक्षित वैज्ञानिकों को वहां के मुकाबले कहीं अधिक वेतन, बेहतर सुविधाएं, कंपनी के शेयरों में हिस्सेदारी तथा तेज निर्णय लेने के वातावरण का प्रलोभन देकर अपनी तरफ खींचने की कोशिश कर रहे हैं। यही काम कई दुनियावी या अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियां भी कर रही हैं। ऐसे में सरकार को ध्यान देना होगा कि इसरो के वैज्ञानिकों को सातवें वेतन आयोग के हिसाब से निर्धारित वेतनमान और सरकारी सुविधाएं क्या राष्ट्रवाद के अलावा कोई दूसरा ऐसा कारण है, जो उन्हें इसरो में बने रहने की गारंटी दे? माना कि सरकारी नीतियां एक कंपनी या कुछ लोगों के लिए अलग नहीं हो सकतीं, लेकिन जब देश की सारी प्रतिष्ठा और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारी ताकत किसी एक विशेष संगठन या कुछ लोगों पर ही निर्भर हो, तो हमें उन लोगों को विशेष ढंग से ट्रीट तो करना ही चाहिए। चाहे पारंपरिक नियमों को तोड़ना ही क्यों न पड़े। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह इसरो के प्रतिभाशाली और अनुभवी वैज्ञानिकों को हर हालत में इसरो में बनाये रखने के लिए आर्थिक और प्रभाव के स्तर पर जो कुछ करना हो करे, जिससे वो देशी-विदेशी निजी क्षेत्र की कंपनियों या अन्य देशों के अंतरिक्ष प्रोजेक्ट की आकर्षित न हों। सरकार चाहे तो इसरो जैसे कुछ संस्थानों के लिए जिनसे देश की प्रतिष्ठा और भविष्य की तमाम महत्वाकांक्षाएं टिकी हुई हैं, उनके लिए विशेष रूप से निर्धारित कर ले। लेकिन महत्वपूर्ण प्रतिभाओं को बचाना जरूरी है। हम सब जानते हैं कि सरकारी क्षेत्र में नौकरशाही के अजीब रवैय्ये के कारण हमारा हर काम कुछ बेहद धीमा होता है। इसलिए इसरो के कई वैज्ञानिकों को शिकायत है कि उनका कॅरियर इसरो में रहते हुए उतना तेजी से आगे नहीं बढ़ पाता, जितना तेजी से बढ़ना चाहिए।

इसलिए सरकार को इस नजरिये से भी, इस तरह के पलायन को देखना चाहिए और ऐसी सारी वजहों को बंद कर देना चाहिए, जो दूसरे क्षेत्रों द्वारा कुछ बेहतर का लालच देकर इन परिस्थितियों को पैदा करें। क्योंकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हाल के सालों में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र की जिन महत्वाकांक्षाओं का ऐलान किया है, उनमें से अभी कोई भी महत्वाकांक्षा साकार रूप नहीं ले सकी। गगनयान जैसा मानव अंतरिक्ष मिशन, पुनःप्रयोज्य प्रक्षेपण यान, अंतरिक्ष स्टेशन की दीर्घकालिक योजना, चंद्रयान-4 और शुक्र मिशन जैसी परियोजनाएं, अपनी घोषणाओं से ही पूरी दुनिया में हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को सम्मान मिला है। लेकिन अभी ये कोई भी घोषित योजना पूर्ण रूप से सम्पन्न नहीं हुई है। इसलिए सरकार को अतिरिक्त रूप से सजग और संवेदनशील रहकर इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और परियोजना विशेषज्ञों को, हर हाल में रोककर रखने की जतन करनी चाहिए। यदि मिशन विशिष्ट का ज्ञान रखने वाले विशेषज्ञ बड़ी संख्या में चले जाते हैं, तो नये वैज्ञानिकों को उसी स्तर पर पहुंचने में फिर वर्षों का समय लग सकता है और इस तरह हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम, जिससे आज कई महाशक्तियां तक डर रही हैं, वह दशकों पीछे चला जायेगा। यह स्थिति न सिर्फ हमारी ताकत कम करेगी बल्कि हमें अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में हंसी का पात्र भी बनायेगी। इसलिए भारत सरकार द्वारा इस घटना को बेहद संजीदगी से लेना चाहिए और हर वह स्थिति बनाना चाहिए, जिससे कि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, इसरो या दूसरे सरकारी संस्थानों को छोड़ें न। क्योंकि अगर यह पलायन सहजता से या किसी साजिश के जरिये भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को पटरी से उतारा तो 2047 तक हमारा विकसित देश बनने का जो लक्ष्य है, वह भी पटरी से उतर जायेगा।

दूर बजती मंदिर की घंटियाँ

दूर बजती मंदिर की घंटियाँ...
मन के किसी कोने को
ऐसे शांत करती हैं,
जैसे किसी पथिक को
लंबी दूरी तय करने के बाद
पानी की कुछ बूँदें
उसके सूखते कंठ को
शीतल कर देती हैं।
जिंदगी की कशमकश में
उलझे इंसान को,
निराशा भरी ज़िंदगी में
कहीं न कहीं
सुकून का एहसास कराती हैं
दूर बजती मंदिर की ये घंटियाँ।
ये सुकून हैं,
ये शांतता हैं,
ये शांति हैं।
चिंताओं के चक्रव्यूह से दूर ले जाकर
मन को स्थिर करती हैं,
नकारात्मकता को दूर करती हैं,
नई ऊर्जा का संचार करती हैं,
और खोए हुए आत्मविश्वास को
पुन: जगा देती हैं।
दूर बजती मंदिर की
ये घंटियाँ
मानो ईश्वर का संदेश बनकर
मन को भीतर तक
शांत कर जाती हैं।

दैनिक विनय उजाला

– सुरेखा सरोदे
इंदौर

श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन प्रतिवर्ष उड़ीसा के जगन्नाथ मंदिर से होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकाली जाती है। यह आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन भगवान श्री कृष्ण यानी कि भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के साथ 9 दिनों की यात्रा पर निकलते हैं। इस यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ मुख्य मंदिर से निकलकर अपनी मौसी के घर जाते हैं। पुरी स्थित गुंडिचा मंदिर को उनकी मौसी का घर माना जाता है। कहा जाता है कि इसी मंदिर में 9 दिन तक भगवान अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा जी के साथ निवास करते हैं। महाप्रभु जगन्नाथ जी के तीनों रथ तैयार हो चुके हैं, आइए बताते हैं आपको तीनों रथों के बारे में:- जगन्नाथ भगवान हिंदुधर्म के चार धामों में जगन्नाथ पुरी का बहुत महत्व है। ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्णु रामेश्वरम में स्नान, द्वारका में शयन, बद्रीनाथ में ध्यान और पुरी में भोजन करते हैं। भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए बिना चारों धामों की यात्रा अधूरी मानी जाती है। रथ यात्रा में बलरामजी के रथ को 'तालध्वज ' कहते हैं। इस रथ में काले रंग के 4 घोड़े लगे होते हैं। जिनका नाम त्रिब्रा, घोरा, दीर्घशर्मा व स्वर्णनवा है। इस रथ में बलराम जी के अलावा अन्य सहायक देवता भी है। माता सुभद्रा का रथ सुभद्रा के रथ का नाम देवदलन है।

दैनिक विनय उजाला

स्वरचित सुजाता चौधरी
इन्दौर मध्य प्रदेश

जब बाहर हो रिमझिम बारिश घर में बनाएं अपना 'रेन कैफे'

बारिश के दिनों में जब बाहर रिमझिम फुहारों की झड़ी लगी हो, उन दिनों घर के भीतर एक ऐसा कोना बनाएं, जो सुकून दे, रचनात्मकता का एहसास कराए और पानी व कीचड़ के चलते घर से बाहर न निकल पाने पर परेशान न करे बल्कि उल्टे खूबसूरत पलों का एहसास दे। जी हां, क्योंकि बारिश की पहली फुहार पड़ते ही सब कुछ धीमा हो जाता है। खिड़की पर गिरती बूंदें, कच्ची मिट्टी की सौंधी खुशबू की उमंग तब और कई गुना हो जाती है, जब हाथ में कॉफी का मग हो और कोई पसंदीदा किताब। जी हां, यह दृश्य किसी रेन कैफे का ही लगता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि रेन कैफे घर के बाहर ही ढूंढे जाएं। थोड़ी सी रचनात्मकता से घर के अंदर भी एक कोने को रेन कैफे में बदला जा सकता है और इन दिनों रेन कैफे एट होम का एक ट्रेंड भी चल रहा है। ...तो आइये जानते हैं कि यह ट्रेंड क्यों चल रहा है और यह क्यों सुकूनदायक है।

रेन कैफे एट होम का ट्रेंड

आज लोग केवल सुंदर घर नहीं बल्कि एक ऐसा घर चाहते हैं, जो उन्हें रचनात्मक लाइफस्टाल दे। लंबे समय तक स्क्रीन से जुड़े रहने, लगातार काम करने और सोशल मीडिया की व्यस्तता के बीच लोग ऐसे निजी स्थान तलाश रहे हैं, जहां कुछ समय वह स्वयं के साथ रचनात्मक माहौल में गुजार सकें। घर के अंदर रेन कैफे इसी का एक विकल्प है। जहां लिखा-पढ़ा भी जा सके, मनपसंद संगीत भी सुना जा सके और जब मन करे परिवार के लोगों से बातें करना और खिड़की व बाहर बारिश का निहारना भी एक सुखद अनुभव बन जाए।

कैसे बनाएं रेन कैफे एट होम

सबसे पहले इसे अपने घर में सही जगह चुनें। जहां प्राकृतिक रोशनी आती हो और यदि संभव हो तो घर के बाहर का भी दृश्य दिखायी देता है।

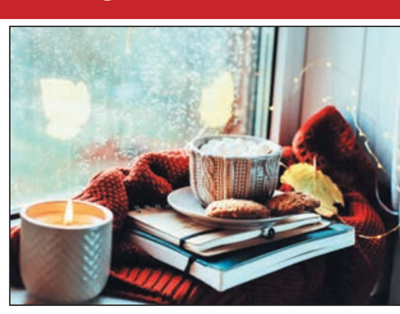

खिड़की के पास रखी आरामदायक चेयर, छोटा सा सोफा, फर्श पर पड़ा गद्दा यह भी एक शानदार विकल्प हो सकता है। यदि घर छोटा है, तो बालकनी, बेडरूम का कोना या ड्राइंग रूम का कोई शांत हिस्सा भी इसके लिए पर्याप्त है। दरअसल इस कोने के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता आराम होनी चाहिए। मुलायम कुशन, हल्का कंबल, सूती या कॉटन की चादर और आरामदायक बैठने की व्यवस्था, रेन कैफे एट होम का यही मुख्य आकर्षण है। बरसात के मौसम में वैसे भी ज्यादा सजावट अच्छी नहीं लगती। इन दिनों सादगी ही आकर्षित करती है।

पौधों का झुरमुट भी विकल्प है

घर के अंदर रखे छोटे-छोटे पौधों का एक कोने में झुरमुट भी एक ताजगी भरी कल्पनाशीलता का एहसास कराता है। मनी प्लांट, पीस लिली, स्नेक प्लांट या कई किस्म के इंडोर पौधे, अगर एक कोने में इकट्ठे रखें हों तो उनकी झुरमुट जैसी आकृति एक खास तरह की ताजगी से भर देते हैं। यदि बालकनी ऐसी हो जहां आराम से बैठकर कॉफी और चाय का आनंद लेते हुए दुनिया के नजारे देखे जा सकते हों, तब तो कहना ही क्या? इस बालकनी में तुलसी, पुदीना या लेमन ग्रास जैसे पौधे सुगंध भी देते हैं। मन और नजरों का रिश्ता हरियाली से भी जोड़ते हैं। लेकिन इस सबके साथ रोशनी का होना खास है। क्योंकि बारिश के मौसम में प्राकृतिक रोशनी हमें कई तरह से तरोताजा करती है। जब लगातार रिमझिम-रिमझिम बारिश होती है, उस समय अगर बालकनी में हम प्राकृतिक रोशनी में बैठे चाय या कॉफी का आनंद ले रहे हों, तो यह समूचा वातावरण दिल को प्रफुल्लित कर देता है और ताजगी तथा उत्साह से भर देता है।

असली मजा किताबों और संगीत का है

रेन कैफे का दिलोदिमाग में सुकूनदायक दृश्य तभी उभरता है, जब हल्का सा संगीत बज रहा हो और हाथ में किताब हो। तब तो मानो रेन कैफे आपको एक इंटेलैक्चुअल बैठक में पहुंचा देता है। ऐसे मौसम में और ऐसे वातावरण में उपन्यास, कोई यात्रा वृतांत, कविता संग्रह या डायरी पढ़ना सचमुच एक खास तरह के एहसास से भर देता है।

चाय कॉफी से आगे बढ़िये

रेन कैफे का मतलब केवल मसाला चाय नहीं है। वास्तव में अदरक, तुलसी की चाय, दालचीनी वाली ग्रीन टी, लेमन ग्रास, हर्बल टी, हॉट चॉकलेट या घर में बने हल्के सूप भी मानसून का आनंद बढ़ाते हैं। साथ में भुना मखाना, ड्राइ फ्रूट्स, कॉर्न चाट या घर के बने हल्के स्नैक्स रखें ताकि स्वाद और सेहत दोनो का संतुलन बना रहे। रेन कैफे एट होम का मजा और महत्व तब और अधिक बढ़ जाता है, जब हम यहां बैठते समय मोबाइल को खुद से दूर रखें। परिवार के साथ बातचीत करें, बच्चों के साथ बोर्ड गेम में व्यस्त रहें। स्कैचिंग, लेखन या ध्यान जैसी गतिविधियां मानसिक तनाव कम तो करते ही हैं, एक खास तरह का एहसास भी जगाते हैं। रेन कैफे किसी महंगी इंटीरियर डिजाइन का नाम नहीं है। यह आपकी पसंद, आपकी यादों और आपकी जीवनशैली का ही एक रचनात्मक विस्तार है। कोई इसे किताबों का कोना बताता है, कोई संगीत का, कोई पौधों का और कोई परिवार के साथ शाम बिताने का जरिया मानता है।

संक्षिप्त समाचार

दतिया विधानसभा उपचुनाव 2026 : एमपी की पहली ट्रांसजेंडर सरकारी कर्मचारी अब चुनावी मैदान में, दतिया से भरा पर्चा

दतिया, एजेंसी। दतिया विधानसभा उपचुनाव इस बार सिर्फ सियासी दलों की साख की लड़ाई नहीं रहा। यह चुनाव किन्नर समाज के लिए प्रतिनिधित्व और सम्मान की नई इबारत भी लिखता दिख रहा है। भोपाल की महामंडलेश्वर संजना सिंह उर्फ संजना नंद गिरि ने नामांकन दाखिल कर मैदान में कदम रख दिया है। संजना का नाम प्रदेश के इतिहास में पहले से दर्ज है। वे मध्यप्रदेश की पहली ट्रांसजेंडर सरकारी कर्मचारी रहीं। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग में सेवाएं देने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन और राज्य निर्वाचन आयोग की स्टेट आइकॉन के रूप में भी काम किया। लेकिन करीब दो साल पहले उन्होंने कुर्सी छोड़ दी। सरकारी सेवा से इस्तीफा देकर किन्नर अखाड़े से जुड़ीं और महामंडलेश्वर की उपाधि हासिल की। अब उसी संत वेश में वे जनता के बीच वोट मांग रही हैं। दतिया की गलियों में संजना का संदेश सीधा है। प्रचार के दौरान वे लोगों से कह रही हैं, मेरा न कोई परिवार है, न कोई वारिस बनेगा। इसलिए न मुझे बंगला चाहिए, न ठेका। मेरा मकसद सिर्फ समाज की सेवा है। उनका तर्क है कि जब प्रतिनिधि का कोई निजी स्वार्थ नहीं होता, तो वह निष्पक्ष होकर फैसले ले सकता है। संजना का मानना है कि किन्नर समाज को अब तक सिर्फ वोट बैंक समझा गया, लेकिन नीति बनाने की टेबल पर जगह नहीं मिली। वे इसी सोच को बदलने आई हैं। संजना ने दावा किया कि दतिया में उनके प्रचार के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से किन्नर समुदाय और विभिन्न अखाड़ों के साधु-संत पहुंचेंगे। उनका कहना है कि यह चुनाव सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि पूरे समाज की राजनीतिक भागीदारी का प्रतीक बनेगा।

पूर्व सांसद बृजभूषण बोले- हनुमानगढ़ी में कभी नमाज नहीं पढ़ी गई, इसका निर्माण भी एक मुस्लिम ने ही करवाया

गोंडा, एजेंसी। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़े जाने के दावों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ी में कभी नमाज नहीं पढ़ी गई। साथ ही दावा किया कि हनुमानगढ़ी का निर्माण एक मुस्लिम व्यक्ति ने कराया था, जिसका उल्लेख वहां लगे शिलालेख में भी है। शुक्रवार को गोंडा के नंदिनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह बचपन से हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़े जाने की बात तथ्यात्मक रूप से गलत है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कराने वाले मुस्लिम व्यक्ति का नाम उन्हें इस समय याद नहीं है। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस घटना से न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई संबंध है और न ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा प्रधानमंत्री को जिम्मेदार ठहराए जाने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले की जांच हो रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

भाजपा नेता प्रकाश पाल बोले- राहुल गांधी देश को बताएं अपना असली धर्म और जाति

प्रयागराज, एजेंसी। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने ममफोर्डगंज स्थित फिरोज गांधी के कब्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इसके बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। प्रकाश पाल ने कहा कि राहुल गांधी देश को अपना असली धर्म और जाति बताएं। पूरा परिवार नकली है। राजनीति के लिए फिरोज गांधी को राहुल गांधी ने भुला दिया। अपने दादा को भूल गए हैं। गांधी परिवार ने फिरोज गांधी की कब्र पर आज तक दो फूल तक नहीं चढ़ाए। राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि वह किस जाति और धर्म को मानते हैं।

कहा कि इस देश में तीन तरह के हिंदू हैं, नकली, फसली और असली और हम लोग (भाजपा) असली हिंदू हैं। पुष्पांजलि अर्पित करने का क्या कारण है। इस सवाल के जवाब में भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि फिरोज गांधी एक महान स्वतंत्रता सेनानी सांसद और पत्रकार थे, इसलिए उन्हें याद किया गया और उनके ही पोते (राहुल गांधी) ने आज तक अपने दादा को याद नहीं किया। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना में राहुल गांधी स्पष्ट करें अपनी जाति अन्यथा उन्हें कोर्ट में घसीटा जाएगा। राहुल गांधी और उनका परिवार सामने आए या न आए लेकिन भाजपा कार्यकर्ता फिरोज गांधी को याद करते रहेंगे।

इससे पहले ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ने होटल आनंद कॉन्टिनेंटल में शुक्रवार को सुबह कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर 2027 के लिए पूरी तरह से तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार ओबीसी वर्ग को बहकाने का काम कर रहा है, लेकिन ओबीसी वर्ग उनके बहकावे में आने वाला नहीं है, क्योंकि डबल इंजन की सरकार सबका साथ सबका विकास के मार्ग पर चल रही है। मोर्चा कार्यकर्ता सजग और सावधान रहे विपक्ष के दुष्प्रचार को विफल करने के लिए। ओबीसी मोर्चा के काशी क्षेत्र अध्यक्ष अश्वनी पटेल, ओबीसी मोर्चा महानगर प्रभारी मनोज कुशवाहा, मोर्चा महानगर अध्यक्ष आनंद जायसवाल, अंगद पटेल, जया पाल, राजू पटेल, अनिकेत जायसवाल, भाजपा मीडिया विभाग के विवेक मिश्रा, संजय पटेल, विजय गुप्ता, विशाल जायसवाल आदि रहे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सीटों को लेकर राजनीति शुरू

सपा-कांग्रेस में खींचतान, राजनीतिक बयानों से बढ़ी तल्खी

लखनऊ/नई दिल्ली, एजेंसी

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर दबाव की राजनीति तेज होती दिख रही है। दोनों दल सार्वजनिक बयानों के जरिये अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और बातचीत में बेहतर स्थिति बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस गठबंधन में सम्मानजनक और बराबरी की हिस्सेदारी की बात कर रही है, जबकि सपा का जोर इस बात पर है कि सीटों का बंटवारा जीतने की क्षमता के आधार पर होना चाहिए। यूपी में विधानसभा चुनाव में अब छह-सात महीने का समय बचा है। कांग्रेस इस बार गठबंधन में 150 से अधिक सीटों पर दावा जता रही है। वहीं, सपा नेतृत्व सीटों की संख्या बताने से बचते हुए कह रहा है कि गठबंधन का आधार केवल वही सीटें होनी चाहिए, जहां जीत की संभावना हो। कांग्रेस यह संदेश भी दे रही है कि उसके साथ गठबंधन होने पर ही विपक्षी वोटों का पूरा लाभमिल सकता है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस बसपा के साथ संभावित गठबंधन के संकेत भी देती रही है। हालांकि, बसपा ने ऐसे किसी संकेत को कभी महत्व नहीं दिया।

बयानों से बढ़ी तल्खी

हाल ही में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा था कि 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा 120 सीटें भी नहीं जीत पाई थी, जबकि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ आने से उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 37 हो गई। जवाब में सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि कुछ लोग बेवजह यान देकर मर्यादा भूल रहे हैं। गठबंधन मजबूत रखना है तो सार्वजनिक रूप से संयम और सौहार्द बनाए रखना चाहिए। इमरान मसूद समय-समय पर सपा पर मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों को पर्याप्त तरीके से न उठाने का आरोप भी लगाते रहे हैं।

छोटे भाई की भूमिका से परहेज

कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने साफ कहा है कि पार्टी विधानसभा चुनाव सम्मान और बराबरी के आधार पर लड़ेगी। राजनीतिक जानकार इसे इस संकेत के रूप में देख रहे हैं कि कांग्रेस इस बार गठबंधन में छोटे भाई की भूमिका स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी सीट बंटवारे में भी इसी आधार पर अपनी हिस्सेदारी तय कराना चाहती है।

वहीं, सपा नेताओं का कहना है कि 2022 के चुनाव में कांग्रेस को 107 सीटें दी गई थीं, लेकिन वह केवल सात सीटें ही जीत सकी। उनका यह भी कहना है कि जब कांग्रेस ने 2022 में अलग चुनाव लड़ा तो उसे सिर्फ दो सीटें मिलीं। ऐसे में भाजपा को हराने के लिए सीटों की संख्या पर जोर देने के बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता होनी चाहिए।

सोनम की लगातार बिगड़ रही तबीयत... वांगचुक के समर्थन में राकेश टिकैत का बड़ा ऐलान

किसानों की ट्रैक्टर और ट्रॉली तैयार : राकेश टिकैत

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन गुरुवार को 27वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शन के बीच 19 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सेहत लगातार बिगड़ रही है।

डॉक्टरों ने उन्हें 24 घंटे निगरानी में रखा है। इधर, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, सपा सांसद डिंपल यादव और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत जंतर मंतर पहुंचे और सीजेपी के प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया। सोशल मीडिया पर फिल्मी सितारे भी सोनम के समर्थन में आ गए हैं। गुरुवार को जंतर-मंतर पहुंची डिंपल यादव ने कहा सोनम वांगचुक और अनशन पर बैठे छात्रों का संघर्ष देश के युवाओं के भविष्य के लिए है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव छात्रों और युवाओं के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है और लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का प्रयास कर रही है।

डिंपल ने देशभर के छात्रों, युवाओं और विपक्षी दलों से 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च में शामिल होने की अपील की। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों की ट्रॉली और ट्रैक्टर तैयार हैं और 20 जुलाई को जंतर मंतर पर जनसैलाब आएगा। किसान और युवा मिलकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को मजबूत करेंगे।

बॉलीवुड से भी मिला साथ : बॉलीवुड के कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों ने सोशल मीडिया पर सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई है। बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद और युवा सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट साझा कर रहे हैं। हजारों लोग वांगचुक के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए सरकार से बातचीत की मांग कर रहे हैं।

संसद में हम लड़ेंगे आपकी लड़ाई, सोनम वांगचुक से मिलीं सुप्रिया सुले

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले शुक्रवार को उनसे मिलने दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने वांगचुक के स्वास्थ्य पर चिंता जताई और उनसे अनशन खत्म करने का अनुरोध किया। सुप्रिया सुले ने कहा, हम सोनम वांगचुक से भूख हड़ताल छोड़ने की विनती करने आए हैं। अगर कोई लड़ाई लड़नी है तो हम सब मिलकर संसद में भी लड़ेंगे। सोमवार से संसद सत्र शुरू हो रहा है। हम वहां ये सभी मुद्दे उठाएंगे जिसमें नीट के छात्रों की चिंताएं भी शामिल हैं। सांसद सुप्रिया सुले ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उसे असंवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष पूरी तरह से वांगचुक के साथ खड़ा है। सुले ने बताया कि इस मुद्दे पर डिंपल यादव ने भी मुलाकात की है और डीएमके व टीएमसी जैसी पार्टियों का भी पूरा समर्थन हासिल है। सुप्रिया सुले ने सोनम वांगचुक से कहा, एक बहन होने के नाते अनुरोध है कि आप थोड़ा खाना खा लीजिए। देश को आपकी जरूरत है। हम 20 तारीख को पूरी ताकत के साथ आपके साथ खड़े रहेंगे। जंतर मंतर पर मौजूद लोगों ने सुप्रिया सुले के भाषण के दौरान शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी उठाई। इस पर सुले ने भरोसा दिलाया कि छात्रों और लद्दाख से जुड़े हितों की बात सदन में प्रमुखता से रखी जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले...

आरएसएस को लेकर बनाया गया एक गलत नैरेटिव, संघ के लिए हिंदू कोई धार्मिक पहचान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर बनाए जा रहे नैरेटिव पर बड़ा बयान दिया है। नई दिल्ली में आयोजित एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि संघ के बारे में यह धारणा जानबूझकर बनाई गई है कि वह एक हिंदू राष्ट्र का निर्माण करना चाहता है, जबकि वास्तविकता इससे पूरी तरह अलग है।

रक्षा मंत्री शुक्रवार को श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आरएसएस के इर्द-गिर्द एक ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार कर दिया गया है कि यह संगठन एक हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है। लेकिन लोग यह नहीं जानते कि आरएसएस के लिए हिंदू कोई धार्मिक पहचान नहीं है। बल्कि, संघ के लिए हिंदू शब्द स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित एक महान सोच और जीवन पद्धति है।यह पुस्तक आरएसएस के स्थापना काल से लेकर अब तक के 100 वर्षों के सफर, राष्ट्र सेवा, सामाजिक एकता और संगठन के स्वयंसेवकों द्वारा दिए गए बलिदानों पर प्रकाश डालती है। लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी द्वारा लिखी गई इस किताब के विमोचन के अवसर पर राजनीति, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। रक्षा मंत्री ने पुस्तक के सह-लेखकों को बधाई देते हुए कहा कि यह किताब संघ के वास्तविक स्वरूप को बताती है।

कांवड़ यात्रा पर योगी ने विपक्ष को दिया जवाब, बोले- अब मेरी गारंटी है

गाजियाबाद, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गाजियाबाद जिले में 868 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद सीएम योगी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी की मूर्ति का अनावरण किया। अनावरण के मौके पर उनके बेटे विधायक अजितपाल त्यागी, बड़े बेटे गिरीशपाल त्यागी और परिवार के अन्य लोग मौजूद रहे।

मंच पर शिलान्यास के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल त्यागी को श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं। जब राजनीति जनता की सेवा का माध्यम में बनती है तो नेता लोकप्रिय होता है। राजपाल त्यागी 6 बार विधायक बने। जिनमें दो बार निर्दलीय रहे। वह एक लोकप्रिय नेता थे। सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद अपनी एक पहचान रखता है। अपने हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। 10 दशक पहले प्रदेश द्वार की स्थिति खराब थी। यहां की गुंडागर्दी पर फिल्में बनती थी। आगे सीएम ने कहा कि गाजियाबाद मे बहुत अच्छी सड़के बनेंगी।

पहले की सरकार कहती थी कांवड़ यात्रा से दंगे होंगे

मंच से सीएम योगी ने कहा कि पुरानी सरकार ने रिपोर्ट में कहा कांवड़ यात्रा से दंगे होते है। सरकार आने के बाद इसे लेकर व्यवस्था की गई। कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों ने कहां दंगे होंगे। मैंने कहा मै हूं परेशान मत हो, मेरी गारंटी है। आगे कहा कि देश की सबसे बड़ी यात्रा हरिद्वार से गाजियाबाद से होकर निकलती है। लोग देखते हैं। इतनी बड़ी यात्रा कैसे हो सकती है। आज कह सकते कोई कांवड़ यात्रा को रोक नहीं सकता है। सीएम योगी ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रा अपना आयोजन है। उसकी मर्यादा को बना कर रखना है। किसी को कहने का मौके नहीं देना है। अनुशासन भंग नहीं करना है। आस्था को सम्मान देने के लिए दूधेश्वरनाथ मंदिर में कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। ऐसे नेता जिसने जनता के दिल में स्थान बनाया हो। उनके लिए जब बुलाया गया तो मैंने अजितपाल त्यागी से कहां कहीं भी होऊंगा लेकिन जरूर आऊंगा। विकास कैसे होता है एनसीआर बता रहा है।

दिल्ली में एसआईआर के नाम पर गरीब, दलित और प्रवासी मतदाताओं के वोट काटे जा रहे : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर बड़े पैमाने पर गरीब, प्रवासी और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों के वोट जानबूझकर काटे जा रहे हैं। पार्टी का दावा है कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग ने पहले ही प्री-एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लगभग 14 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए, जिससे वे अब एसआईआर प्रक्रिया में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में तीन स्तरों पर अनियमितताएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले प्री-एसआईआर के दौरान लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसके बाद गरीब और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों तक गणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म नहीं पहुंचाए गए, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में 100 प्रतिशत फॉर्म वितरण का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा जिन लोगों की झुग्गियां हटाई गईं और जिन्हें सरकार द्वारा फ्लैट आवंटित किए गए, उन्हें भी बीएलओ द्वारा फॉर्म नहीं दिए जा रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बड़ी संख्या में प्रवासी परिवार अपने गृह राज्यों में थे।

राम मंदिर के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा: कहा-

सदन में पीएम को तोड़नी चाहिए चुप्पी, जवाब देने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद में राम मंदिर ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी।

लेकिन अब इस ट्रस्ट के कामकाज से लोगों की आस्था के साथ धोखा हुआ है। कांग्रेस ने मांग की है कि दान में कथित चोरी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री को संसद में अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए।

संसद के मानसून सत्र से पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बातचीत में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद संसद में घोषणा करके श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाया था। इसलिए अब यह सही होगा कि जो कुछ भी हुआ है, उस पर वे संसद के दोनों सदनों को भरोसे में लें।

लोकसभा में किया था ऐलान

जयराम रमेश ने याद दिलाया कि 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री खुद लोकसभा में खड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि यह उन गिने-चुने मौकों में से एक था जब प्रधानमंत्री संसद आते हैं। वे संसद में यह बताने आए थे कि उनकी सरकार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन कर रही है।

द्रमुक को लेकर किया बड़ा दावा

मानसून सत्र से पहले जयराम रमेश ने सरकार को घेरा, लगाए गंभीर आरोप

संसद के मानसून सत्र से पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विपक्षी एकजुटता और आने वाले विधेयकों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके के साथ जाने और द्रमुक से गठबंधन तोड़ने के कारण द्रमुक कांग्रेस से थोड़ी नाराज है। द्रमुक ने संसद में अलग बैठने की व्यवस्था भी मांगी है। इसके बावजूद, द्रमुक और भाजपा की विचारधारा में कोई समानता नहीं है। जयराम रमेश को भरोसा है कि द्रमुक परिसीमन (डीलिमिटेशन) विधेयक पर तमिलनाडु और दक्षिण भारत के हितों को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएगी। द्रमुक नेता एम के स्टालिन ने भी कहा है कि वे पहले इस विधेयक के प्रावधानों को देखना चाहते हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि सरकार मानसून सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक ला सकती है। इनमें 131वां संविधान संशोधन विधेयक (परिसीमन) शामिल है, जो लोकसभा सीटों को बढ़ाने से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक केवल 2029 के चुनावों को ध्यान में रखकर लाया जा रहा है। यह उन दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों के हितों के खिलाफ है जिन्होंने परिवार नियोजन में सफलता हासिल की है। उन्होंने आगे कहा, कुछ विपक्षी पार्टियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अमित शाह जो समझौते की बातें कर रहे हैं, वे भी बेमतलब हैं क्योंकि संविधान में कुछ ऐसे प्रावधान हैं जो बने रहेंगे और गृह मंत्री जिन समझौतों की बात कर रहे हैं, उन पर भारी पड़ेंगे।

इसके अलावा, सरकार 130वां संविधान संशोधन विधेयक भी ला सकती है, जो गंभीर आरोपों में जेल जाने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने या निलंबित करने से जुड़ा है। सुप्रिया सुले और असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं ने इस पर अपनी असहमति जताई है।

एमपी कांग्रेस में घर की जंग सड़क पर

विधायक बोले- हाईकमान ही नहीं बनने देना चाहता सरकार, पार्टी छोड़ने की चेतावनी

भोपाल, निप्र

मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी और अंदरूनी कलह एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। आगर मालवा जिले की सुसनेर विधानसभा से कांग्रेस विधायक भेरूसिंह परिहार (बापू) ने अपनी ही पार्टी के संगठन और नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के कुछ नेता ही प्रदेश में पार्टी की सरकार नहीं बनने देना चाहते।

उन्होंने यहां तक कह दिया कि यदि यही हाल रहा तो वे कार्यकर्ताओं के साथ आगे की रणनीति तय करेंगे और जरूरत पड़ी तो पार्टी छोड़ने पर भी विचार करेंगे।मामला नलखेड़ा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह द्वारा ली गई संगठनात्मक बैठक से जुड़ा है। विधायक का आरोप है कि उनकी ही विधानसभा में ब्लॉक और नगर कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई, लेकिन उन्हें इसकी कोई सूचना तक नहीं दी गई। इतना ही नहीं, कार्यक्रम के पोस्टरों से भी उनका नाम और तस्वीर गायब रखी गई।

जीतू पटवारी को भी दी नसीहत : भेरूसिंह परिहार ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का नाम

लेते हुए कहा कि केवल प्रदेशभर में दौरे करने से सरकार नहीं बनेगी। पहले पार्टी के भीतर की कलह खत्म करनी होगी। उनका कहना था कि अगर संगठन नहीं संभला तो 2028 में भी कांग्रेस सत्ता से दूर रहेगी।

भोपाल के नेता ही सरकार नहीं बनने देना चाहते : विधायक ने सबसे बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि जनता भाजपा से परेशान होकर कांग्रेस की ओर देख रही है, लेकिन भोपाल में बैठे कांग्रेस के नेता ही पार्टी की सरकार नहीं बनने देना चाहते। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कुछ नेता भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं।

पार्टी छोड़ने का भी संकेत : अपने संबोधन के अंत में भेरूसिंह परिहार ने कहा कि उन्होंने जो कुछ कहा है, वह सच कहा है। यदि पार्टी कार्रवाई करती है तो उसका सामना करेंगे, लेकिन अगर हालात नहीं बदले तो वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर आगे का फैसला करेंगे और पार्टी छोड़ने तक पर विचार करेंगे।

क्या है राजनीतिक मायने : 2028 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस के लिए यह बयान बड़ा झटका माना जा रहा है। एक मौजूदा विधायक का सार्वजनिक मंच से संगठन और नेतृत्व पर सवाल उठाना पार्टी की अंदरूनी खींचतान को फिर उजागर कर रहा है।

बीजेपी का तंज : मध्य प्रदेश भाजपा के मीडिया विभाग के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सुसनेर से कांग्रेस विधायक भेरूसिंह परिहार बापू ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुला मोर्चा खोलते हुए कांग्रेस छोड़ने तक की बात कह दी। जिस पार्टी के विधायक ही अपने नेतृत्व पर भरोसा न करें, वह जनता का भरोसा कैसे जीत पाएगी? सत्ता की लालसा और गुटबाज़ी ने कांग्रेस को अंदर से खोखला कर दिया है। संदेश स्पष्ट है दतिया में कमल खिलेगा और कांग्रेस का सफाया होगा। जो अपनी पार्टी नहीं संभाल पा रहे, वे प्रदेश क्या संभालेंगे?

'विधायक से बात नहीं करना'

भेरूसिंह परिहार ने दावा किया कि उन्होंने कार्यक्रम की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ नेता से फोन पर भोजन और स्वागत की व्यवस्था की बात की, लेकिन जवाब मिला कि विधायक से बात नहीं करना है। विधायक ने इसे जनप्रतिनिधि का अपमान बताते हुए कहा कि यदि संगठन इस तरह चुने हुए विधायक को ही दरकिनार करेगा तो पार्टी कैसे मजबूत होगी।

गद्दारों को साथ, विधायक को बाहर

विधायक ने आरोप लगाया कि 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ काम करने वाले लोगों को बैठकों में बुलाया जा रहा है, जबकि पार्टी के निर्वाचित विधायक को ही अलग रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है।

संक्षिप्त समाचार

नशा युवाओं एवं समाज के बड़ा खतरा : भंडारी

पानसेमल,निप्र। शासन के निर्देश के अनुसार पुरे प्रदेश के महाविद्यालयों मे नशे से दुरी हे जरुरी कार्यक्रम जारी हे। श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय मे नशा मुक्ति पर व्यख्यान का आयोजन किया गया। संस्था प्राचार्य प्रो. संगीता भंडारी ने कहा छात्रों को नशे से होने वाली बीमारियों एवं समाज एवं देश के लिए नशा को खतरा बताया एवं छात्रों को नशे दूर रहने की अपिल की। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ.सुनिल बागले ने युवा देश का भविष्य हे एवं देश विकास युवा वर्गो पर टिका हे,बच्चे एवं पालक को नशा से दूर रखकर अपने स्वास्थ्य को कैसे स्वस्थ रख सकते हे इसकी बारे मे जानकारी दी।डॉ. लक्ष्मण रजाने ने ने नशा से होने वाली बीमारियों के बारे मे विस्तृत जानकारी बताई।कार्यक्रम मे प्रो.विनय भोसले,डॉ.आशा चौहान एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राएं एवं स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम मे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मंडलोई ने शासन की एक नशा मुक्ति कार्यक्रम की सराहना की एवं कार्यक्रम का संचालन किया,एवं डॉ. आशा चौहान ने आभार व्यक्त किया।

केतन वर्मा प्रधानमंत्री जन जागरण अभियान के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

बड़वानी,निप्र। प्रधानमंत्री जन जागरण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्की खत्री एवं जिला अध्यक्ष राहुल जायसवाल की अनुशंसा पर केतन वर्मा को प्रधानमंत्री जन

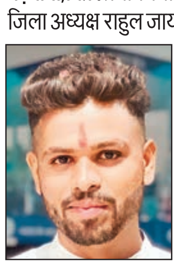

जागरण अभियान का जिला उपाध्यक्ष, बड़वानी (मध्यप्रदेश) नियुक्त किया गया है।जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। संगठन ने उम्मीद जताई है कि केतन वर्मा अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं सक्रियता के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने केतन वर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में जिले में जनजागरण अभियान को और अधिक गति मिलेगी। पाटी के वरिष्ठ जनों नव निर्वाचित युवाओं आभार व्यक्त किया मंडल अध्यक्ष संजय वर्मा जीतु सोनी जनप्रतिनिधि मनोज डांगी संतोष पाटीदार मण्डल महामंत्री नरेंद्र राठोड़ आभार व्यक्त किया।

नीट-यूजी में ओनिक दुबे की शानदार सफलता, ऑल इंडिया रैंक 4087 हासिल की

कसरावद,निप्र। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा घोषित नीट-यूजी परीक्षा परिणामों में कसरावद निवासी ओनिक डॉ. आशीष दुबे ने शानदार सफलता हासिल

की है। ओनिक ने देश की प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 4087 प्राप्त कर माता-पिता एवं दुबे परिवार का गौरव बढ़ाया है। ओनिक की इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय निरंतर मेहनत, अनुशासन, उचित मार्गदर्शन एवं परिवार के सहयोग को दिया। ओनिक ने बताया कि उन्होंने कक्षा 11वीं से ही नीट परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। नियमित अध्ययन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता हासिल हुई है। नीट परीक्षा में सफलता के बाद अब ओनिक मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) की काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होंगे, जिसके माध्यम से उन्हें देश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश का अवसर मिलेगा।

बाराद्वारी मंदिर परिसर में 20 जुलाई से नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा, गुरुपूर्णिमा पर होगा पूर्णाहुति एवं भंडारा

महेश्वर,निप्र। ग्राम मलक्षाखेड़ी (ठनगांव) स्थित श्री श्री 1008 आनंददास जी महाराज की तपोभूमि बाराद्वारी मंदिर परिसर में 20 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन पूज्य गुरुदेव श्री पंकज भाई मेहता जी के श्रीमुख से होगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन होगा, जिसमें भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, धर्म, मर्यादा एवं भक्ति से जुड़े प्रसंगों का श्रद्धालुओं को रसपान कराया जाएगा। कथा में महेश्वर, मण्डलेश्वर, सांगवी, समराज, ढापला, नजरपुर, खारिया, गांधीनगर, करौंदिया सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रीराम कथा का शुभारंभ 20 जुलाई, सोमवार को सुबह 10 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। वहीं 29 जुलाई 2026, बुधवार (गुरुपूर्णिमा) को सुबह 10 बजे हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ आयोजन का समापन होगा। समिति के प्रेमचंद गुप्ता ने बताया कि कथा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्रीमती कांता बाई गुप्ता एवं उनके परिवार द्वारा बाराद्वारी मंदिर परिसर में एक वाटर फीजर स्थापित किया जाएगा, जिससे कथा में आने वाले श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।

भीकनगाँव पुलिस ने की जप्तशुदा वाहनों की नीलामी

खरगोन,निप्र। भीकनगाँव पुलिस ने एसडीओपी भीकनगाँव केतन अडलक, भीकनगाँव थाना प्रभारी टू आई सी उपनिरीक्षक मोहर सिंह बघेल और भीकनगाँव का पुलिस स्टाफ की मौजूदगी में धारा 25 पुलिस एक्ट के अंतर्गत जब्तशुदा 56 मोटर साइकिलों की निलामी हेतु वेल्युएशन पश्चात निलामी की विज्ञप्ति के माध्यम से निलामी की कार्यवाही हेतु अधिकृत किये गये नायब तहसीलदार पी.एस. अजनार द्वारा जप्तशुदा कुल 56 मोटर साइकिलों की निलामी कर कुल 4,71,600/- रुपये (चार लाख इकहत्तर हजार छह सौ रुपये) की राजस्व राशि प्राप्त की गई।

अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अपनाएं 'जीरो टॉलरेंस' नीति : एसपी शुक्ल

अपराध समीक्षा बैठक में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान को और प्रभावी बनाने की दी हिदायत

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। बड़वानी पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभा गृह में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में महिला एवं बालिका सुरक्षा, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और जिले की कानून-व्यवस्था की सघन समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'जिले में अपराधियों और अवैध गतिविधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। प्रत्येक थाना क्षेत्र में दृश्यमान और प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को निर्धारित गणवेश (यूनिफॉर्म) में अनुशासित रहकर पूर्ण निष्ठा से कर्तव्य पालन करने के निर्देश दिए।

अवैध धंधों और माफियाओं पर कड़ा प्रहार

▪ **नशीले पदार्थ व अवैध हथियार :** अवैध शराब, सट्टा, जुआ, मादक पदार्थों और अवैध हथियारों (फायर आर्म्स) की खरीद-फरोख्त पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अवैध हथियार निर्माण में संलिप्त सिकलीगरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

▪ **सघन चेकिंग :** होटल, ढाबों एवं संवेदनशील स्थानों पर नियमित चेकिंग तथा प्रभावी रात्रि गश्त को और अधिक सुदृढ़ करने को कहा गया।

▪ **गौवंश परिवहन पर रोक :** अवैध गोवंश परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाने और आदतन अपराधियों पर जिला बदर व जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई तेज करने की हिदायत दी गई। एसपी श्री शुक्ल ने लंबित अपराध, चालान, शिकायत, मर्ग, गुम इंसान और विशेषकर महिला-बालिका संबंधी प्रकरणों की समीक्षा की। निराकरण हेतु कड़े निर्देश दिए गए।

▪ **वर्षाकाल की सुरक्षा और जन-संवाद पर जोर : बाढ़ से सुरक्षा :** वर्षाकाल को देखते हुए एसपी ने बाढ़ प्रभावित पुल-पुलियाओं पर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने और जन-जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

▪ **सोशल मीडिया पर नजर :** सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं व अफवाहों को रोकने के लिए सतत निगरानी रखने को कहा गया।

▪ **बैठक में उपस्थिति :** इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर, एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे डीएसपी (अजाक) श्रीमती निलेश्वरी डावर रक्षित निरीक्षक चेतन बघेल, सुश्री उषा सिसोदिया सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

संपत्ति संबंधी अपराधों पर 100% रिकवरी के निर्देश : बैठक में चोरी, नकबजनी एवं वाहन चोरी जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु सीसीटीवी (CCTV) फुटेज के माध्यम से पतारसी करने, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और चोरी गए माल की शत-प्रतिशत रिकवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बोथू में तेंदुए का आतंक

चरवाहे के सामने बकरी को उठाकर ले गया तेंदुआ, जंगल में किया शिकार

लगातार मवेशियों पर हमले से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग से रेस्क्यू की मांग

विनय उजाला

कसरावद,निप्र। क्षेत्र के नर्मदा किनारे ग्राम बोथू में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। जंगल में मवेशी चराने गए एक युवक के सामने ही तेंदुए ने बकरी पर हमला कर उसे अपना शिकार बना लिया। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में लगातार मवेशियों पर तेंदुए के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं।

ग्राम बोथू निवासी मिथुन आदिवासी ने बताया कि वह रोज की तरह बकरियां चराने जंगल की ओर गया था। इसी दौरान अचानक एक तेंदुआ सामने आया और उसकी नजरों के सामने एक बकरी को पकड़कर जंगल की ओर भाग गया। मिथुन ने बताया कि उसने जोर-जोर से आवाज लगाकर तेंदुए को भगाने का प्रयास किया, लेकिन तेंदुए ने बकरी को नहीं छोड़ा और जंगल में दूर ले जाकर उसे नोच-नोचकर मार डाला। घटना के बाद ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो वहां तेंदुए के पगमार्क भी मिले हैं। ग्रामीण श्याम केवट ने बताया कि तेंदुए के लगातार हमलों से मवेशियों की जान जा रही है और लोगों में भी डर का बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और तेंदुए का रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

राशन के लिए घंटों लाइन, फिर भी नहीं मिल रहा अनाज

महिलाओं ने कलेक्टर से लगाई गुहार

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। शहर से सटे ग्राम पंचायत बिजासन की बड़ी संख्या में महिलाएं शुक्रवार दोपहर कलेक्ट्रेट पहुंचीं और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर उचित मूल्य राशन दुकान में अनियमितताओं की शिकायत की। महिलाओं ने आरोप लगाया कि राशन सामग्री का समय पर वितरण नहीं किया जा रहा है, जिससे गरीब एवं श्रमिक परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण महिलाओं ने ज्ञापन में बताया कि ग्राम बिजासन की शासकीय उचित मूल्य दुकान का संचालन मां सरस्वती समूह द्वारा किया जा रहा है, लेकिन दुकान पर नियमित रूप से राशन वितरण नहीं होने से कई हितग्राहियों का राशन हर माह लैप्स हो जाता है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें दिनभर लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, इसके बावजूद कई बार राशन नहीं मिल पाता।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पहले वितरण पर्चियां निकाल ली जाती हैं और बाद में राशन देने में आनाकानी की जाती है। कई बार उपभोक्ताओं को घर से बुलाकर घंटों इंतजार कराया जाता है, जिससे मजदूरी करने वाले परिवारों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है।महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि राशन वितरण का कार्य माह की 10 तारीख के बाद केवल दो-तीन दिनों तक ही किया जाता है, जिससे अधिकांश हितग्राही समय पर राशन प्राप्त नहीं कर पाते। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा नियमित एवं पारदर्शी राशन वितरण सुनिश्चित करने की मांग की है। ज्ञापन पर कई महिलाओं एवं ग्रामीणों के हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान भी दर्ज हैं।

गोगावां पुलिस ने एसबीआई बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास करने वाले को पकड़ा

खरगोन,निप्र। दिनांक 16.07.2026 को गोगावां थाने पर एसबीआई बैंक गोगावां के शाखा प्रबंधक द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई, कि दिनांक 15-16.07.26 की दरमियानी रात्रि को अज्ञात आरोपी के द्वारा बैंक के मोहम्मदपुर तिराहा पर लगे एटीएम को तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया गया, जिसमें आरोपी को कोई सफलता नहीं मिली। रिपोर्ट पर गोगावां थाने में प्रकरण पंजीबद्ध कर पुलिस अधीक्षक खरगोन डॉक्टर रविन्द्र वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन बिट्टू सहगल एसडीओपी भीकनगाँव केतन अडलक के मार्गदर्शन एवं गोगावां थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दीपक यादव के नेतृत्व में गोगावां पुलिस टीम द्वारा राहुल उर्फ टाला पिता नन्नु उर्फ रामसेवक मानकर निवासी बडी बिलखेड पकड़ में आया, जिसने एटीएम में से चोरी करने की बात को कबूला। आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

आर्मी जवान के घर से उड़ाए नकदी और कीमती जेवर

ग्रामीणों ने थाने पर शिकायत दर्ज कर की गश्त बढ़ाने की मांग

विनय उजाला

पानसेमल,निप्र। थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात का सिलसिला क्षेत्र वासियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।क्षेत्र के हुई पिछले महीनों की चोरी के खुलासे अभी तक नहीं हो पाए हे कि बीती रात्रि ग्राम चिखलदा में अब आर्मी जवान के सुने मकान पर चोरी की वारदात को अंजाम देकर कीमती जेवर और नगदी पर हाथ साफ किए हैं।घटना की जानकारी मिलते ही परिजन ग्रामीणों के साथ थाने पर पहुंचे थे।प्राप्त जानकारी अनुसार घटना ग्राम के निवासी एवं आर्मी के जवान राकेश बलिराम वानखेड़े के निवास पर अज्ञात चोर ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

राकेश वानखेड़े भारतीय सेना में सप्लाय रेजिमेंट,लांस नायक के पद पर पदस्थ हे। परिवार के सदस्यों को जानकारी मिलने के बाद थाने पर घटना की सूचना की। मौके पर डायल FRV वाहन भी पहुंचा था। ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर गश्त बढ़ाने की मांग की है।थाना प्रभारी विजय रावत पुलिस टिम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं मौका मुआयना किया। फिलहाल बढ़ती चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में भय का माहौल है तथा पिछली चोरी की वारदातो के आरोपियों को भी शीघ्र पकड़ने की मांग की है। गौरतलब हे कि थाना क्षेत्र में स्टेट हाइवे पर मेदराणा,मातृ पितृ कालोनी एवं उत्तरगली के पीछे स्थित मकान में हुई चोरी का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम से पहले बाइक चोरी की घटना भी हो चुकी है,जिसके आरोपियों की तलाश जारी है। शुक्रवार दोपहर वारदात को लेकर उप निरीक्षक एस के रघुवंशी ने बताया कि परिवार इंदौर के निकट रहता है अभी तक वे थाने नहीं पहुंचे घटना के दौरान कितनी रकम ओर नगदी राशि चोरी हुई है इसकी पूरी जानकारी फिलहाल नहीं है। प्रकरण दर्ज होने के बाद जानकारी उपलब्ध करा दी जायेगी, वहीं आरोपियों के तलाश जारी रहने की बात कही है।

हर व्यक्ति को साक्षर बनाने का लिया संकल्प, उपला जनशिक्षा केंद्र में हुई महत्वपूर्ण बैठक

विनय उजाला

उपला,निप्र। स्थानीय जनशिक्षा केंद्र उपला में असाक्षरता उन्मूलन एवं साक्षरता अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक अशोक कुशवाह के मार्गदर्शन में संपन्न हुई, जिसमें क्षेत्र से निरक्षरता को समाप्त करने और प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए अशोक कुशवाह ने कहा कि किसी भी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक नागरिक का साक्षर होना आवश्यक है। उन्होंने जनशिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में असाक्षर व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें साक्षर बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। बैठक में साक्षरता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने, लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उपस्थित सभी जनशिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने और असाक्षरता मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

थाना नागलवाड़ी पुलिस ने चोरी की वारदात का किया खुलासा

5.20 लाख का चोरी गया मशरूका बरामद, आरोपी गिरफ्तार

विनय उजाला

नागलवाड़ी(बड़वानी),निप्र। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में जिलेभर में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर एवं एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्श में थाना प्रभारी नागलवाड़ी निरीक्षक रामकुमार पाटील के नेतृत्व में थाना नागलवाड़ी पुलिस ने चोरी के एक प्रकरण का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया मसरूका बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

11 मार्च को फरियादी शिरु पिता दुर्गा भीलाला, निवासी पटेल फलिया, राजगढ़, थाना नागलवाड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात्रि के समय अज्ञात बदमाश द्वारा उसके घर के पीछे का दरवाजा तोड़कर अलमारी में रखे चांदी के जेवर एवं एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नागलवाड़ी में अपराध क्रमांक 55/2026, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। तकनीकी अनुसंधान से हुआ खुलासा-विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किए तथा साइबर सेल एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से संदिग्धों की पतासाजी की। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों में चोरी एवं नकबजनी के मामलों में गिरफ्तार आरोपियों के फुटेज एवं अन्य तकनीकी जानकारियों का परीक्षण कर संदिग्धों का सत्यापन किया गया। लगातार प्रयासों के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी प्रहलाद उर्फ गुंज्या पिता भायदास ब्राम्हणे, उम्र 22 वर्ष, निवासी झिरपन फलिया, मोहनपड़ावा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसके कब्जे से चोरी गया मसरूका बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 1 किलोग्राम 868 ग्राम वजनी चांदी के जेवरात तथा एक एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया है। बरामद मसरूका की कुल अनुमानित कीमत 5,20,000/- है। मामले में प्रहलाद उर्फ गुंज्या पिता भायदास ब्राम्हणे, उम्र 22 वर्ष, निवासी झिरपन फलिया, मोहनपड़ावा को गिरफ्तार किया गया।

ग्राम गौंगवाड़ा में 37 लाख की लागत से निर्मित अटल सुशासन भवन का लोकार्पण

सशक्त पंचायतें ही विकसित भारत की आधारशिला: विधायक बरड़े

विनय उजाला

पानसेमल (बड़वानी),निप्र। पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गौंगवाड़ा में 37 लाख पचास हजार रुपये की लागत से निर्मित अटल सुशासन भवन (पंचायत भवन) का लोकार्पण लोकप्रिय जनसेवक एवं विधायक श्री श्याम जी बरड़े के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामवासियों, मातृशक्ति एवं जनप्रतिनिधियों ने विधायक श्री बरड़े का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष विधायक श्री श्याम जी बरड़े ने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में नवीन पंचायत भवनों की सौगात देते हुए उनका भूमिपूजन किया था। आज उन्हीं संकल्पों को साकार करते हुए ग्राम गौंगवाड़ा में अटल सुशासन भवन का लोकार्पण किया गया। भवन पूर्ण होने से ग्रामीणों में उत्साह और हर्ष का वातावरण है।

इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि क्षेत्र के विधायक केवल विकास कार्यों की घोषणा या भूमिपूजन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि कार्यों को समय पर पूर्ण कराकर उनका लोकार्पण भी करते हैं। यही भारतीय जनता पार्टी की कार्यसंस्कृति और यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की पहचान है— जो कहा, वह करके दिखाया। अपने उद्बोधन में विधायक श्री श्याम जी बरड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अटल सुशासन भवन ग्रामीण विकास की नई पहचान बनेंगे। इन भवनों के माध्यम से किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं एवं आम नागरिकों को अपने शासकीय कार्यों के लिए शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पंचायत स्तर पर ही अनेक आवश्यक सेवाएँ और जनहित के कार्य सुगमता से उपलब्ध होंगे। इससे समय, धन और श्रम—तीनों की बचत होगी तथा ग्रामीण स्वशासन को नई मजबूती मिलेगी।

मजबूत पंचायतें, सशक्त गाँव और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं। इस अवसर पर जिला महामंत्री श्री सचिन जी चौहान, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शितोले, मंडल अध्यक्ष चन्द्रकान्त महाजन, वरिष्ठ नेता गोविन्द जोशी, जनपद सदस्य जगदीश भंडारी, जनपद सदस्य प्रतिनिधि पंडित माली, नन्दकिशोर चौपड़ा, गोविन्द चौधरी, प्रकाश जोशी, दिनेश जाधव, सरपंच श्रीमती भामटी धन्ना पटेल, इंदास पटेल, दादला भंडारी, भाईदास चौहान, जतरसिंह ठाकुर दिलीप चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे है।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया 'नशे से दूरी है जरूरी' का संदेश

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। युवाओं को नशे की लत से बचाने और समाज में जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला बड़वानी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा महाविद्यालय में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत जागरूकता व्याख्यानमाला, शपथ ग्रहण समारोह, वीडियो डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन एवं मानव श्रृंखला एवं शपथ ग्रहण समारोह का प्रभावी आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.प्रमोद पंडित ने अपने संदेश में कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे,तो विकसित एवं स्वस्थ भारत का सपना अवश्य साकार होगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ.डी.आर. मुजाल्दा, सहायक प्राध्यापक ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि नशा व्यक्ति की प्रतिभा,स्वास्थ्य,परिवार और भविष्य को नष्ट कर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को माननीय मुख्यमंत्री जी का नशा मुक्ति संदेश सुनाया गया तथा नशे के दुष्परिणामों पर आधारित एक प्रेरक वीडियो डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। फिल्म के माध्यम से युवाओं को नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण तब रहा, जब राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर नशे से दूरी है जरूरी का सशक्त संदेश दिया।

ब्रिक्स देशों में पोषण संवर्धन के लिए खाद्य भंडार

✍ डॉ. स्वाति नायक

दैनिक विनय उजाला

जलवायु से जुड़ी चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान अक्सर वैश्विक खाद्य अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, जिससे ब्रिक्स समूह को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद्य भंडारों, जिन्हें अक्सर आपातकालीन स्टॉक के रूप में देखा जाता है, कोअब पोषण सुदृढ़ता, स्थिरता और तेज़ी से बदलती बाजार और सामाजिक प्रणालियों के हिसाब से नए सिरे से व्यवस्थित करने की ज़रूरत है।

हालांकि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए रणनीतिकभंडार बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन अभी सवाल यह है कि जलवायु और व्यापार की अनिश्चितताओं के साथ-साथ भूख और कुपोषण की लगातार मौजूद समस्याओं के जवाब में किस तरह के भंडार निर्मित किये जाने चाहिए। विश्व बैंकएफएओडब्ल्यूएफपी रिपोर्ट (2025) – खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए रणनीतिक अनाज भंडार को मजबूत करना – में बताया गया है कि 2024 में 74 देशों में 343 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले के सालों में खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की संख्या से लगभग दोगुनी है। बहु-स्तरीय आर्थिक उथल-पुथल से व्यापार में व्यवधान हुए हैं और भूख में वृद्धि हुई है, इन सभी ने खाद्य सुरक्षा के लिए नए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

2026 में हालात और भी खराब हो गए। विश्व बैंक के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और उर्वरक का परिवहन प्रभावित हुआ है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फरवरी से मार्च 2026 के बीच उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें यूरिया की कीमत एक ही महीने में लगभग 46 प्रतिशत बढ़ गई। विश्व खाद्य कार्यक्रम के पूर्वानुमानों के अनुसार, लगातार व्यवधान के कारण 45 मिलियन तक लोग भुखमरी की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

यह ब्रिक्सदेशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इनमें से अधिकांश देश प्रमुख कृषि उत्पादक/आयातक और उर्वरक के उपभोक्ता दोनों हैं।

हालाँकि, खाद्य भंडारों के बारे में पारंपरिक सोच अब पुरानी पड़ती जा रही है। पारंपरिक रूप से, खाद्य भंडार बनाने का उद्देश्य मुख्य रूप से कीमतों को स्थिर रखना या अस्थायी कमी से निपटना था। दूसरी ओर, आधुनिक समस्या अधिक जटिल है और इसके लिए ऐसे उपायों की जरूरत है जो न सिर्फ पर्याप्त कैलोरी की गारंटी दें, बल्कि खाद्य के पोषण संतुलित होने, किफायती होने और व्यवधानों के बीच लगातार उपलब्ध होने की भी गारंटी दें। यूरोपीय आयोग की संश्लेषण रिपोर्ट –विकासशील देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य भंडार का उपयोग – के अनुसार, खाद्य और पोषण सुरक्षा; अनाज की भौतिक उपलब्धता से कहीं अधिक है।

ब्रिक्स देशों के संदर्भ में यह परिवर्तन और भी महत्वपूर्ण बन गया है, जहाँ भरपूर खाद्य संसाधन होने के बावजूद भी खाद्य संकट बरकरार है। उदाहरण के तौर पर, भारत ने 2024 से 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 353.96 मिलियन टन अनाज का उत्पादन किया है, साथ ही दुनिया के सबसे बड़े खाद्य नेटवर्क में से एक को बनाए रखा है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा फसल से घर तक- अनाज भंडारण के लिए सुदृढ़ अवसंरचना का निर्माण विषय पर 2025 में जारी एक पृष्ठभूमि विज्ञप्ति में इस तथ्य का उल्लेख किया गया था।

भारत में उभरती हुई भंडार प्रणालियाँ यह दिखाती हैं कि भंडार केवल जमा किए गए अनाज से कहीं ज़्यादा सक्रिय पोषण प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। वैज्ञानिक भंडारण, डिजिटलीकरण, विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ाव की प्रक्रिया प्रमुख अनाज – चावल और गेहूं – के साथ-साथ दालों, मोटे अनाजों और पोषण वर्धित खाद्य पदार्थों की जैविकपोषण वर्धित किस्मों को शामिल करके भंडार में विविधता लाने का मौका देती है।यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि भारत दुनिया के पोषण परिदृश्य में फसल विविधीकरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

इसी तरह, चीन भी अपने भंडारों को लेकर अपनी रणनीति को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसे दृष्टिकोण के तहत, जो उसके खाद्य प्रणाली में सुदृढ़ता को ध्यान में रखता है। चावल, गेहूँ और मक्का का भारी स्टॉक जमा करने के साथ-साथ, बीजिंग अब स्मार्ट भंडारण, एआई-समर्थित खाद्य निगरानी, कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स और देसी बीजों पर ज़्यादा ध्यान दे रहा है। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में पोषण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान है, ताकि फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और विविध आहार प्राप्त किए जा सकें।

रूस ने जो रास्ता अपनाया है, वह भंडार नीति के एक और पहलू का उदाहरण पेश करती है। यह भू-राजनीतिक सुदृढ़ता है। रूस ने खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच स्पष्ट संबंध बनाए हैं, अपने भंडार बढ़ाए हैं, कृषि क्षेत्र के लिए घरेलू उत्पादन पर ध्यान दिया है तथा पश्चिम एशिया और अफ्रीका में अनाज निर्यात और उर्वरकों का भू-राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ प्रतिबंध, अलग-अलग व्यापारिक संबंध और निर्यात नियंत्रण आम होते जा रहे हैं, यह एक महत्वपूर्ण बात है।

एक और उदाहरण मौजूद है जो अपने आप में बहुत अहम है दक्षिण अफ्रीका। संपूर्ण खाद्य उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय, दक्षिण अफ्रीका की समस्याओं को अनाज की किफायती कीमत और पोषण तक पहुँच की कमी के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले में, सरकार का ध्यान पोषण-संवेदनशील सामाजिक सुरक्षा, स्कूलों में खाना खिलाने की योजनाओं, सरकारी खरीद और सामुदायिक खाद्य प्रणालियों मौसम के असर से सुरक्षित बनाने पर जाता है। ऐसी स्थिति में, भंडार अधिकतर व्यापक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के साधन के बजाय पोषण कार्यक्रमों को लागू करने का एक उपकरण बन जाते हैं।

इसके अलावा, विश्व बैंक- एफएओ-डब्ल्यूएफपी रिपोर्टइस बात पर जोर देती है कि रणनीतिक भंडार तब सबसे प्रभावी होते हैं, जब वे छोटे, सरल और स्मार्ट होते हैं और बाज़ार प्रबंधन केबजाय अधिकतर आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित होते हैं। इसी तरह, यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भंडार का स्तर तो मायने रखता ही है, लेकिन असल में शासन ही यह तय करती है कि भंडार खाद्य सुरक्षा नीति के लक्ष्यों में मदद करेंगे या उन्हें नुकसान पहुँचाएँगे।

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका प्रभाव 'ब्रिक्स देश अपनी खाद्य सुरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए कैसे सहयोग कर सकते हैं' पर पड़ता है। कई देशों के साझा भंडार निर्मित करने के बजाय, जिन्हें बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल और लॉजिस्टिक्स के लिहाज़ से असंभव है, ब्रिक्स के लिए एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय तालमेल प्रणाली का निर्माण बेहतर हो सकता है, जो डेटा आदान-प्रदान, समन्वित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली, सरकारी खरीद मानक नियम और भंडारण अवसंरचना को बेहतर बनाने पर केंद्रित हो।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भंडार के भविष्य को पोषण संबंधी विविधता से जोड़ा जाना चाहिए। मुख्य रूप से चावल और गेहूं पर आधारित भंडार छिपी हुई भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के बढ़ते ख़तरे का सामना नहींकर पाएँगे। स्वस्थ/पोषक तत्वों से भरपूर चावल और गेहूं, जैसे जैविक पोषण वर्धित चावल/गेहूं, दालें, मोटे अनाज और पोषण वर्धित अनाज जैसी चीज़ों का एक विविध मिश्रण सुनिश्चित करने की ज़रूरत है।इससे ब्रिक्स देशों के लिए अपने खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों को सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जोड़ना संभव होगा।

भंडारों की योजना बनाते समय जलवायु के हिसाब से सुदृढ़ता सुनिश्चित करना भी ज़रूरी है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू जैसी घटनाओं के बार-बार होने के कारण, यहसुनिश्चितकरना ज़रूरी हो गया है कि इन आपदाओं का असर उत्पादन और भंडारण, दोनों प्रक्रियाओं पर एक साथ न पड़े। इस संदर्भ में, आधुनिक भंडारों के लिए सिर्फ पारंपरिक भंडारों में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्किकोल्ड चेन, अलग-अलग जगहों पर बनी भंडारण सुविधाओं, आई-ओ-टी सक्षम निगरानी प्रणालियों और नमी नियंत्रण प्रणालियों में भी निवेश करना जरूरी हो गया है।

दुनिया की खाद्य भंडारण नीति को बदलने में मदद करने के लिए ब्रिक्सदेश सबसे अच्छी स्थिति में हैं। सामूहिक रूप से, वे दुनिया के अनाज उत्पादन, उर्वरक उपयोग, कृषि व्यापार और जोखिम में रहने वाले समुदायों के मामले में में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सही योजना के साथ, उनकी भंडारण सुविधाओं को केवल आपातकालीन व्यवस्था के स्थान पर सुरक्षित पोषण, मौसम में बदलाव का सामना करने और भू-राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाली प्रणाली में बदला जा सकता है।

भविष्य के खाद्य भंडार की सफलता केवल उनके भंडारण सुविधा में रखे अनाज की मात्रा पर निर्भर नहीं करेगी। इसके बजाय, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे संकट के समय समाज को स्थिर रखने में कितनी मदद कर सकते हैं, गरीब लोगों के लिए अच्छे पोषण के परिणाम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं, क्षेत्रीय खाद्य उत्पादन प्रणाली को कैसे मजबूतकर सकते हैंऔर कमजोर वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को किस प्रकार कम कर सकते हैं। इसलिए, ब्रिक्स देशों के लिए खाद्य भंडार का सवाल यह नहीं होना चाहिए कि अधिक भोजन कैसे पैदा करें, बल्कि यह होना चाहिए कि स्मार्ट, पोषण-केंद्रित भंडार कैसे बनाए जाएं।

(लेखिका सीड सिस्टम्स और प्रोडक्ट मैनेजमेंट की दक्षिण एशिया प्रमुख तथा इंडिया कंट्री मैनेजर (अंतरिम) हैं नॉर्मन बॉरलॉग फील्ड पुरस्कार विजेता (विश्व खाद्य पुरस्कार) 2023, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान।)

संक्षिप्त समाचार

भोपाल की सांस्कृतिक और स्वच्छ छवि अंकित करने के लिए सभी एजेंसियां समन्वय से करें कार्य : संभागायुक्त शर्मा

भोपाल (विनय उजाला)। भोपाल में आगामी माह आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन की पूर्व तैयारियों को लेकर संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बैठक में स्पष्ट किया कि यह वैश्विक सम्मेलन मध्यप्रदेश की अंतरराष्ट्रीय पहचान को एक नया आयाम देगा, अत: इसकी तैयारियों में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव सहित, लोक निर्माण विभाग (PWD), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI), नगर पालिक निगम भोपाल, म.प्र. सड़क विकास निगम (MPRDC) एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और तकनीकी अभियंता उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि वैश्विक डेलीगेट्स द्वारा विश्व धरोहर स्थल सांची के बौद्ध स्तूपों, प्रागैतिहासिक भीमबेटका की शैलकला, ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर एवं पवित्र धार्मिक नगरी उज्जैन के भ्रमण का आयोजन हो सकता है। अत: इन सभी महत्वपूर्ण पर्यटन परिपथों से जुड़ी सड़कों को भी पूरी तरह गड्ढा मुक्त, सुसज्जित और दर्शनीय बनाया जाए, जिससे हमारे गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों का दिग्दर्शन सुगमता से हो सके। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सभी उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी अंतर्विभागीय समन्वय के साथ मिशन मोड पर कार्य करना प्रारंभ करें, जिससे समय सीमा से पूर्व समस्त व्यवस्थाएं वैश्विक मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जा सकें।

एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता तकनीकी समिति के सदस्य नामित

इंदौर (विनय उजाला)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश ने विद्युत क्षेत्र की साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

नेशनल क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) तथा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना (क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर-सीआईआई) के संरक्षण एवं सुरक्षा मूल्यांकन के लिए अनुरूपता मूल्यांकन ढांचा (कॉनफॉर्मिटी असेसमेंट फ्रेमवर्क-सीएएफ) विकसित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी समिति का गठन किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी), जबलपुर में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश कुमार गुप्ता को इस प्रतिष्ठित तकनीकी समिति का सदस्य नामित किया गया है। उल्लेखनीय है कि देश के सभी भार प्रेषण केंद्रों तथा राज्य स्तरीय विद्युत संस्थाओं में से चयनित होने वाले वे एकमात्र विशेषज्ञ अधिकारी हैं।

विद्युत मंत्रालय के दिशा निर्देशों के तहत विकसित हुआ है प्रदेश का एस एल डी सी : राजेश कुमार गुप्ता वर्तमान में एसएलडीसी, जबलपुर में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में एमपी-एसएलडीसी की साइबर सुरक्षा व्यवस्था को भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुदृढ़ एवं प्रभावी रूप से विकसित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप एमपी-एसएलडीसी की साइबर सुरक्षा प्रणाली को देश के अग्रणी मॉडलों में स्थान प्राप्त हुआ है, जो महत्वपूर्ण विद्युत अवसंरचना की सुरक्षा के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता और तकनीकी उत्कृष्टता का परिचायक है। श्री गुप्ता विद्युत मंत्रालय द्वारा गठित उस राष्ट्रीय कार्य समूह के भी सदस्य हैं, जो देश के लोड डिस्पैच केंद्रों के लिए आईटी-ओटी (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी-ऑपरेशनल टेक्नोलॉजी) अभिसरण आर्किटेक्चर की रूपरेखा तैयार कर रहा है। इस तकनीकी समिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) तथा अन्य अग्रणी संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ जिले के लिए 189 करोड़ के 72 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

टीकमगढ़ में बनेगा सर्व सुविधायुक्त मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार काम कर रही है। बुंदेलखंड एक नए निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य इस क्षेत्र की प्रगति को नई गति दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड अब बदल रहा है। बुंदेलखंड के किसानों ने पानी के अभाव में गरीबी झेली और कई कठिनाइयां उठाई। रोजगार की भारी कमी का दंश भी झेला। लेकिन अब हम केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के जरिए बुंदेलखंड को समृद्ध बनाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पूरी होने पर यह क्षेत्र खेती के मामले में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस विशाल परियोजना से टीकमगढ़ जिले की हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी, जिससे किसानों के खेतों में पर्याप्त पानी पहुंचेगा और उनकी आय में ऐतिहासिक वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को टीकमगढ़ जिले के खरगापुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ जिले को 189 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 72 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 102.45 करोड़ रूपए के 33 कामों का लोकार्पण और 86.66 करोड़ रुपए के 39 कामों का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि टीकमगढ़ में सर्वसुविधायुक्त भव्य मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। इसका भूमिपूजन भी शीघ्र ही किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

बास्केटबॉल कोर्ट का भी हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज टीकमगढ़ जिले को अमृत भारत रेलवे स्टेशन की बड़ी सुविधा मिली है। इसके साथ-साथ जतारा और बड़ागांव धसान में सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय भवनों और सोलह विद्यालयों में विभिन्न श्रेणी के नव-निर्माण कार्यों का उपहार भी मिला है। इतना ही नहीं, हमारे युवाओं और खिलाड़ियों के लिए हॉकी सिंथेटिक एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम और बास्केटबॉल कोर्ट का भी लोकार्पण हुआ है। खरगापुर में 40 करोड़ रूपए से बनने वाले नए सांदीपनि विद्यालय भवन का भूमिपूजन भी आज हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते समय की जरूरतों के मुताबिक प्रदेश के बच्चों को सांदीपनि विद्यालयों के जरिए संस्कारों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। हमारे ये विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता के पर्याय बने हैं। भविष्य में युवा पीढ़ी को पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए जैसे विद्यालय चाहिए, आज उन्हें वैसे ही विद्यालय उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2002-03 तक सिंचाई का रकबा मात्र 7.50 लाख हेक्टेयर था। हमारी सरकार में प्रदेश की सिंचित भूमि का रकबा बढ़कर अब 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हम एक करोड़ हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लाड़ली बहनों को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर सौगात दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विवाह, तलाक और वसीयत के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के सभी देवस्थानों को भव्य स्वरूप में विकसित कर रही है। समान भाव से कार्य करते हुए सभी धर्मों, सभी समाज के लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत अगर रानी को हर माह 1500 रुपए मिल रहे हैं तो रुखसाना को भी इस योजना का पूरा लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना और अन्य योजनाओं के जरिए पशुपालकों को अनुदान और अन्य मदद भी दी जा रही है।

कार्यक्रम को पूर्व मंत्री एवं जतारा के वर्तमान विधायक श्री हरिशंकर खटीक ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे।

आयुक्त द्वारा निरीक्षण : तिलक नगर में कार्य की गति बढ़ाने के दिए निर्देश

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा मास्टर प्लान अंतर्गत निर्मित की जा रही सड़क तिलक नगर, खड़ा गणपति से स्कीम 155 एवं एवं तेजपुर गड़बड़ी से ट्रेजर टाउन तक बिजलपुर तक मास्टर प्लान की निर्माणाधीन सड़क कार्यों एवं मल्टीलेवल पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगवंकर, कार्यपालन यंत्री श्री पी. एस. कुशवाह ,सहायक यत्री श्री नरेश जायसवाल, उपयंत्री श्री पराग अग्रवाल एवं निगम के अन्य अधिकारी, संबंधित कंसलटेंट एवं कार्यकर्ता एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आयुक्त श्री सिंघल ने नगर निगम द्वारा ग्रेटर कैलाश रोड पर निर्माणधीन मल्टीलेवल पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान शेष रहे कार्यों को शीर्घ पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। विदित हो कि उक्त निर्माणाधीन पार्किंग में 150 कार और लगभग 150 से अधिक दो पहिया वाहनों की पार्किंग की हो सकेगी। आयुक्त श्री सिंघल द्वारा बिजलपुर में निर्माणधीन सडक का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान कार्य की गति सतोषजनक नहीं मिलने पर निर्माण एजेंसी को कार्य की अत्यंत धीमी गति के लिए गहरी नाराजगी व्यक्त की गई।

जयकारों से गूंजी राजधानी : पाल समाज प्राचीन श्री गोवर्धन मंदिर में ऐतिहासिक नगर भ्रमण एवं प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। राजधानी के टी.टी. नगर क्षेत्र में शुक्रवार को श्रद्धा, अटूट आस्था और उत्साह का ऐसा अभूतपूर्व समागम देखने को मिला जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है, जहाँ पाल समाज प्राचीन श्री गोवर्धन मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय महाकुंभ के अंतिम और मुख्य दिन सुबह ठीक 9:00 बजे मंत्रोच्चार के बीच देवताओं का दिव्य पूजन, सहस्त्रधारा महाअभिषेक, अलौकिक नगर भ्रमण और प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ की महा-पूर्णाहुति का धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण वैभव के साथ संपन्न हुआ। इस पावन वेला पर अनंत विभूषित संत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम दास महाराज (शीतला माता मंदिर मिहोनी लहार, जिला भिंड), 1008 हनुमान दास महाराज, संत भगवान सिंह महाराज एवं मथुरा से विशेष रूप से पधारीं साध्वी मीरा जी के दिव्य सानिध्य में जैसे ही भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के दिव्य रथ का गगनभेदी जयकारों के साथ श्री गणेश हुआ, तो पूरा आसमान जय श्री कृष्णा के नारों से गूंज उठा।

पाल समाज प्राचीन श्री गोवर्धन मंदिर समिति के आह्वान पर आज हजारों-हजारों की संख्या में उमड़े पाल-बघेल समाज और सर्व-समाज के श्रद्धालुओं का अनंत सैलाब भक्ति की लहरें लेता हुआ नगर भ्रमण की ओर निकल पड़ा, जिसमें हवा में लहराते ऊंचे भगवा ध्वज, गूंजते ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे और डीजे की सुमधुर धार्मिक धुनों पर झूमते-थिरकते श्रद्धालुओं का आलौकिक काफिला माता मंदिर चौराहा, तीन शेड, तात्या टोपे (टीटी) स्टेडियम, न्यू मार्केट और रोशनपुरा चौराहा तक के मुख्य मार्गों से गुजरा, जहाँ बृजवासी मिष्ठान भंडार सहित अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा व महाप्रसाद वितरण से इसका ऐतिहासिक स्वागत हुआ। इस भव्य आयोजन में विधायक भगवानदास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, संत श्री दादू महाराज जी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती बृजूला सचान, यादव सभा के अध्यक्ष रामस्वरूप यादव और मिंदोरी सरपंच जागृति पाल जैसी दिग्गज राजनेताओं, संतों और सामाजिक नेतृत्व ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान का आशीर्वाद लिया।

रेलवे स्टेशन ब्यौहारी में पीएम के वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा

विंध्य को देश के सबसे विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान दिलाना लक्ष्य : शुक्ल

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आम जन के लिए सुविधाएं बढ़ाने आवागमन के साधन विकसित करने, रोजगार के साधन उपलब्ध कराने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं उद्योगीकरण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश का तेजी से कायाकल्प हो रहा है विकास के साथ स्वच्छता का भी समन्वय आवश्यक है। उक्त आशय के विचार उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अमृत भारत योजना स्टेशन अंतर्गत ब्यौहारी रेलवे स्टेशन का 22 करोड़ रूपए की लागत से पुर्नविकसित रेलवे स्टेशन के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत देश के 75 रेलवे स्टेशनों तथा मध्यप्रदेश के 13 रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन ब्यौहारी में वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा एवं सुना गया। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र को देश के सबसे विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान दिलाना ही हमारा लक्ष्य है।

सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पीड और स्किल का मंत्र दिया है। डबल इंजन की सरकार द्वारा लगातार विकास के कार्यों को गति दी जा रही है।

डीआरएम पश्चिम रेल मण्डल द्वारा पुर्नविकसित रेलवे स्टेशन में किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत ब्यौहारी रेलवे स्टेशन का व्यापक आधुनिकीकरण किया गया है। स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक स्टेशन भवन, विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया, नया प्रवेश द्वार, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं, सुव्यवस्थित पार्किंग, आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली, ऊर्जा दक्ष एलईडी प्रकाश व्यवस्था तथा स्थानीय कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले विकास कार्य किए गए हैं। इन सुविधाओं के विकसित होने से यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से पशुपालन विभाग में नई उम्मीद, 6 महीने से लंबित नियुक्तियां अब होंगी पूरी

प्रदीप कश्यप

भोपाल,निप्र। मध्य प्रदेश में पशुपालन सेवाओं को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने बड़ा कदम उठाया है। पशुपालन विभाग का प्रभार स्वयं मुख्यमंत्री के पास आने के बाद विभाग में 6 महीने से लंबित पशु चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद जगी है।

पिछले कुछ समय से प्रदेश के कई पशु चिकित्सालयों में डॉक्टरों के पद रिक्त होने के कारण ग्रामीण पशुपालकों को टीकाकरण, उपचार और कृत्रिम गर्भाधान जैसी सेवाओं के लिए दिक्कत हो रही थी। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को समझते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में लिया है।

पशुपालकों को मिलेगी राहत, पारदर्शी पोस्टिंग प्रक्रिया पर जोर

■ **प्रक्रिया में तेजी के संकेत :** सूत्रों के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों की पोस्टिंग से जुड़ी फाइलें अब निदेशालय से मंत्रालय स्तर पर तेजी से निपटाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने निर्देश दिए हैं कि जाति सत्यापन सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच जल्द पूरी कर योग्य अभ्यर्थियों को बिना देरी तैनाती दी जाए। चयनित पशु चिकित्सकों ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास विभाग आने के बाद उन्हें पहली बार लगा कि उनकी समस्या सुनी जा रही है। उनका मानना है कि मुख्यमंत्री के सीधे मार्गदर्शन में यह लंबित प्रक्रिया अब जल्द पूरी होगी।

■ **पारदर्शिता के लिए नई पहल :** अभ्यर्थियों की मांग पर मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन चॉइस फिलिंग व्यवस्था पर भी सकारात्मक रुख दिखाया है। इसका उद्देश्य पोस्टिंग को पूरी तरह पारदर्शी और विवाद रहित बनाना है, ताकि अभ्यर्थी अपनी वरीयता के अनुसार पद चुन सकें और पशुपालकों को समय पर सेवाएं मिलें। पशुपालन विशेषज्ञों का कहना है कि नए डॉक्टरों की नियुक्ति से न सिर्फ अस्पतालों में स्टाफ की कमी दूर होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन की उत्पादकता और किसानों की आय भी बढ़ेगी।

■ **किसानों को बड़ी राहत की उम्मीद :** मुख्यमंत्री के इस निर्णय से एक ओर विभाग को जरूरी मानव संसाधन मिलेगा, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के लाखों पशुपालकों को घर के पास बेहतर पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद यह प्रक्रिया कितनी जल्दी पूरी होती है और प्रदेश में पशुपालन सेवाएं कितनी मजबूत होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

नल जल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

देवास, निप्र। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशानुसार एवं कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में एक दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला में संयुक्त कलेक्टर विशाखा देशमुख ने सभी सरपंचों, सचिवों और रोजगार सहायकों से कहा कि वे आपसी समन्वय के साथ इन दोनों महत्वपूर्ण नियमों को अपने-अपने ग्रामों में शत-प्रतिशत लागू करें, जिससे देवास जिला ग्रामीण विकास और स्वच्छता के मामले में एक मिसाल बन सके। कार्यशाला के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने अपनी शंकाओं का समाधान किया और सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे 2026 के इन नवीन नियमों को धरातल पर उतारने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ श्याम सुंदर सिंह ने 'ग्रामीण नल जल योजना के संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नियम 2026' के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की टंकियों और पाइप लाइनों का रखरखाव स्थानीय स्तर पर मुस्तैदी से होना चाहिए ताकि हर नागरिक को नियमित पेयजल मिल सके। उन्होंने इसके वित्तीय प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को अनिवार्य बताया। कार्यशाला में यूनिसेफ से संभागीय सलाहकार यासीन ने त्रि-स्तरीय पंचायती के प्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कचरा संग्रहण, पृथक्कीकरण (गीला और सूखा कचरा अलग करना) तथा ग्रामीण स्तर पर इसके सुरक्षित निपटान हेतु एक विस्तृत और व्यावहारिक कार्य योजना निर्माण करने की कमान सौंपी। इस दौरान जिला स्वच्छ भारत मिशन समन्वयक सुनील सुमन, सीईओ जनपद पंचायत हेमलता शर्मा सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

जनपद पंचायत सोनकच्छ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं नल-जल संचालन पर प्रशिक्षण आयोजित

सोनकच्छ, निप्र। जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जनपद पंचायत सोनकच्छ में शुक्रवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत कार्ययोजना निर्माण एवं नल-जल योजना के संचालन एवं संधारण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर विशाखा देशमुख ने स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी संचालन पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासन के निर्देशों का गंभीरता से पालन करने का आह्वान किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोनकच्छ गीतिका सोनी के द्वारा कर्मचारियों से शासन के निर्देशानुसार शीघ्र ही कार्ययोजना तैयार करने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण में जिला पंचायत समन्वयक सुनील सुमन तथा यूनिसेफ से यासीन खान ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रावधानों, कार्ययोजना निर्माण एवं ग्राम स्तर पर उसके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी तथा स्वच्छता संबंधी व्यवहार परिवर्तन पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया। वहीं यूनिसेफ से श्री गोपाल गुप्ता एवं विजेंद्र गोवंशी ने नल-जल योजनाओं के संचालन, संधारण, सामुदायिक सहभागिता पर बात की। प्रशिक्षण में जनपद पंचायत अंतर्गत संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्राम पंचायतों से सरपंच महोदय, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन एवं संधारण के लिए सभी संबंधितों की क्षमता का विकास करना रहा अंत में ब्लॉक समन्वयक श्री मति एकता वाघे द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

शासकीय महाविद्यालय में युवा कौशल दिवस पर संगोष्ठी आयोजित हुई

सोनकच्छ, निप्र। स्थानीय अमर शहीद राजाभाऊ महाकाल शासकीय महाविद्यालय सोनकच्छ में स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ के तत्वाधान में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो बी.एल वर्मा द्वारा अपने उद्बोधन में विश्व युवा कौशल दिवस का इतिहास, मनाने के कारण व महत्व पर प्रकाश डाला गया। जो 2014 में स्थापित एक संयुक्त राष्ट्र की पहल जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार उद्यमिता और सतत विकास के कौशल से लैस करने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देना। इस वर्ष की थीम द्ब और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण काम और शिक्षा के माध्यम को आकार देने में। उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीकी का युग है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस्र द्ब और डिजिटल परिवर्तन तेजी से हमारे अर्थव्यवस्था और कार्य क्षेत्र का नया आकर दे रहे हैं। ऐसे समय में केवल पारंपरिक शिक्षा प्राप्त कर लेना ही पर्याप्त नहीं है, आज के बदलते परिवेश में सफल होने के लिए आवश्यक है कि हम सांझा भविष्य के लिए कौशल के दृष्टिकोण को अपनाए। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ डॉ.अंजलि अग्रवाल, डॉ.विजय सोनिया, डॉ.सुधीर महाजन, डॉ.मीना कनासे डॉ. मनोज महाजन, प्रो.रितु प्रो शीतल डामोर, डॉ.बी एल पाटीदार प्रो. शिवपाल चावड़ा, डॉ मुकेश सांवले एवं निशा पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

जनपद अध्यक्ष ठाकुर द्वारा ग्राम कराड़िया में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न

सोनकच्छ, निप्र। ग्राम पंचायत हरनावदा के ग्राम कराड़िया परी स्थित धर्मशाला परिसर में जनपद पंचायत की जनपद निधि से स्वीकृत रु.5 लाख की लागत से निर्मित होने वाली बाउंड्री वॉल का भूमि पूजन जनपद अध्यक्ष श्री सूरज सिंह ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला परिसर की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित विकास के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण अत्यंत आवश्यक था। इस निर्माण से परिसर सुरक्षित होने के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि जनहित एवं ग्रामीण विकास के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निरंतर कराया जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि राज फागवा, हिम्मत सिंह सायल, पंचायत सचिव सुरेंद्र सिंह सायल, विजय सिंह सायल, बबलू सिंह मकवाना, लोकेंद्र सिंह, राहुल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मेधावी विद्यार्थियों के लिए जिला प्रशासन की अनूठी पहल

मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी जेईई-नीट की निःशुल्क कोचिंग

विनय उजाला

देवास, निप्र। जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठी और अनुकरणीय पहल की शुरुआत की गई है। इसके तहत कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जिले के मेधावी विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान 'फिजिक्स वाला फाउंडेशन' के सहयोग से निःशुल्क जेईई और नीट की तैयारी कराई जा रही है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की उपस्थिति में खेडापति होटल में कार्यक्रम का आयोजन कर कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 136 मेधावी छात्र-छात्राओं को जेईई और नीट की तैयारी के लिए निःशुल्क स्टडी मटेरियल का वितरण किया गया। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए जिला प्रशासन और फिजिक्स वाला फाउंडेशन द्वारा अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। छात्रों को नियमित ऑनलाइन लाइव क्लासेस के साथ-साथ रिकॉर्डेड लेक्चर्स की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे बच्चे अपनी सुविधानुसार कभी भी कठिन विषयों को दोबारा समझ सकेंगे और उनका रिवीजन कर सकेंगे। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनका हौसला बढाते हुए कहा कि जिले की प्रतिभाओं को संसाधनों की कमी के कारण पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। यह पहल ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के होनहार बच्चों के सपनों को उड़ान देने का काम करेगी। जिला प्रशासन इन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर परिणाम के लिए हर संभव मदद उपलब्ध कराता रहेगा।

कलेक्टर सिंह ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए जागरूक करते हुए कहा कि यदि आप नीट और जेईई के माध्यम से देश के टॉप कॉलेजों में जाने की इच्छा रखते हैं, तो आपको सामान्य से बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। टॉप कॉलेजों में सीट पाने के लिए ऑल इंडिया लेवल पर कड़ा कंपटीशन है। आपका परफॉर्मेंस भी उसी ऊंचे स्तर का होना चाहिए। आपको इसी राष्ट्रीय मापदंड और पैमाने को ध्यान में रखकर दिन-रात पढ़ाई करनी होगी।

कलेक्टर ने कहा कि कोचिंग में जो चैप्टर पढ़ाया जाने वाला हो, उसे छात्र एक बार खुद पहले से पढ़कर जाएं। अगर आप 10 से 20 प्रतिशत चैप्टर पहले खुद समझ लेंगे, तो कोचिंग में पढ़ते समय आपको 80 से 90 प्रतिशत चीजें तुरंत समझ में आ जाएंगी। देश के टॉप कॉलेजों में जगह बनाने के लिए केवल कोचिंग पर निर्भर न रहें। प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे की कड़ी सेल्फ स्टडी को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अगले 2 साल के लिए अपनी एकाग्रता बनाए रखने के लिए हर प्रकार के सोशल नेटवर्क से पूरी तरह बाहर रहने की कोशिश करें।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि बड़े शहरों के बच्चों के पास संसाधन अधिक हैं और हर जिले में आपके जैसे ही होनहार छात्र तैयारी कर रहे हैं। आपका असली कंपटीशन उन बड़े शहरों के बच्चों के साथ है। इसलिए आपको अपनी बुद्धिमत्ता और ज्ञान के स्तर को लगातार बढ़ाना होगा और बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। उन्होंने छात्रों को निरंतरता का महत्व समझाते हुए सचेत किया कि अगर आप पढ़ाई में एक बार पीछे छूट गए, तो वापस कवर करना बहुत मुश्किल हो जाता है। उन्होंने सभी मेधावी छात्रों को हर साप्ताहिक और मासिक टेस्ट में अनिवार्य रूप से शामिल होने और उसमें सर्वश्रेष्ठ परफॉर्म करने के लिए कहा।

तैयारी के लिए स्टडी मटेरियल का किया वितरण

हर एक बच्चे की प्रोग्रेस पर विशेष फोकस व ध्यान दें

कलेक्टर सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित 'फिजिक्स वाला' के शिक्षकों को से कहा कि वे बच्चों को पूरी लगन से पढ़ाएं और हर एक बच्चे की प्रोग्रेस पर विशेष फोकस व ध्यान दें। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा स्वयं हर महीने समीक्षा की जायेगी। कलेक्टर सिंह ने छात्रों को इस अवसर की कीमत समझाते हुए कहा कि आज देश भर में लाखों बच्चे इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए भारी-भरकम फीस और लाखों रुपए खर्च करते हैं।

देश में लाखों बच्चे जेईई और नीट की परीक्षा देते हैं

कलेक्टर सिंह ने कहा कि यह 2 साल आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण फेज हैं, जो आपका पूरा भविष्य निर्धारित करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से ऑल इंडिया लेवल पर टॉप 5000 रैंक में आने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में लाखों बच्चे जेईई और नीट की परीक्षा देते हैं। आपका प्रयास देश के शीर्ष आईआईटी और एम्स जैसे संस्थानों में जाने का होना चाहिए। इन प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी नाम मात्र की फीस देकर बड़ी-बड़ी ग्लोबल कंपनियों में जाते हैं। इससे न केवल आपका बल्कि आपके पूरे परिवार का सामाजिक और आर्थिक स्तर हमेशा के लिए बदल जाएगा।

ऑनलाइन निःशुल्क कोचिंग की होगी विशेष व्यवस्था

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा कि यह सब आपकी कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। जब आप सच्चे मन से परिश्रम करते हैं, तो बिना मांगे ही कोई न कोई माध्यम आपकी सहायता के लिए आगे आ जाता है। आप सभी अत्यधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी हैं, इसीलिए आपके लिए इस ऑनलाइन निःशुल्क कोचिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। यह आप सभी के लिए एक बेहतरीन अवसर है, आप सभी को इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए।

तीन भाईयों से दो बैंककर्मियों व एजेंट ने 28.80 लाख रुपए की धोखाधड़ी की, केस दर्ज

केसीसी लोन के अतिरिक्त धोखाधड़ी कर मुद्रा लोन भी दिया

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। फरियादी राकेश पिता प्रकाशचन्द्र (35) निवासी ग्राम तालोद ने एसडीओपी कार्यालय पर एक आवेदन प्रस्तुत किया कि बैंक ऑफ बड़ौदा सोनकच्छ में लोन में उनके साथ धोखाधडी की गई है। इस आवेदन की जांच एसआई हिमांशु पांडे को सौंपी गई। आवेदन की जांच उपरांत पांडे ने शासन की ओर से दो बैंककर्मियों व एक एजेंट की विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

फरियादी राकेश और मेरे भाई मुकेश राठौर, राजेन्द्र राठौर किसान होकर भूमि को उन्नत बनाने हेतु व कृषि कार्य में रूपयों की अतिआवश्यक होने से अपनी भूमि पर केसीसी ऋण हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सोनकच्छ में सम्पर्क कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया था। उस समय के पदस्थ मैनेजर अनमोल अहुजा, ऋण अधिकारी प्रवीण विश्वकर्मा, से एजेन्ट मुरलीधर राठौर के माध्यम मिले थे जिन्होने केसीसी ऋण प्रदान करने हेतु समस्त आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए थे व उनके केसीसी ऋण के साथ धोखाधड़ी व छलकपट दस्तावेजों का गलत उपयोग करते हुए शाखा प्रबंधक व उनके सहयोगीकर्ता द्वारा उनकी बिना जानकारी के केसीसी ऋण के अतिरिक्त स्वरोजगार ऋण के आवेदन व दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए व बिना जानकारी के ऋण खाता चालु कर उक्त खाते में फरियादी व उसके दोनों भाईयो के नाम से पृथक- पृथक 9 लाख रुपए, 9 लाख 90 हजार, 9 लाख 98 हजार रुपये कुल 28 लाख 80 हजार रुपये की ऋण राशि को अनाधिकृत रूप से बैंक शाखा प्रबंधक द्वारा प्राप्त किया गया और स्वंय द्वारा राशि का उपयोग, उपभोग करते हुए खाते का संचालन करने का अपराधकारित किया गया है। फरियादी का भाई राजेन्द्र शोरुम गया तो उसे जानकारी मिली कि उसका सिविल स्कोर खराब है। तब उन्होंने बैंक जाकर पता किया तो जानकारी मिली कि तीनो भाईयो के नाम से बैंक मुद्रा लोन चल रहा है, तब उन्हें उक्त घोखाधड़ी की जानकारी हुई। जब फरियादी ने बैंक को उक्त संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सूचित किया कि उनके द्वारा कोई ऋण नहीं लिया गया है बैंक के वरिष्ठ अधिकारी के द्वारा घटना के संबंध में थाने पर अपराध पंजीबद्ध कराए जाने के लिए कहा। बैंक से लोन का स्टेटमेन्ट प्राप्त किया तो पाया कि लोन की सम्पूर्ण राशि मुरली राठौर के खाते में ट्रांसफर हुई है।

पुलिस ने आरोपी बैंक मैनेजर अनमोल अहूजा, ऋण अधिकारी प्रवीण विश्वकर्मा व एजेंट मुरली राठौर निवासी देवगढ़ के विरुद्ध धारा 420,120 का केस दर्ज कर प्रकरण को विवेचना में लिया है।

शासकीय, अशासकीय विद्यालयों, कालेज के आसपास से बीड़ी सिगरेट तंबाकू पाउच जब्त की कार्यवाही कर चेतावनी दी

सोनकच्छ, निप्र। जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह द्वारा जिले के सभी शासकीय, अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के 500 मीटर क्षेत्र को *ड्रग फ्री झोन* घोषित कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं, इसी के चलते शुक्रवार को तहसीलदार नेहा शाह के मार्गदर्शन में एक दल बनाया गया जिसमे पटवारी रमेश चंद्र आशा पुरे, पुलिस एस आई खुशीलाल, नगर परिषद कर्मचारी रोहित मनोरीया, लेखराज माली द्वारा नगर के उत्कृष्ट विद्यालय, कन्या शासकीय विद्यालय, कान्वेंट स्कूल और शासकीय महाविद्यालय के आसपास की छह दुकानों पर तलाशी लेकर उन दुकानों पर से बीड़ी सिगरेट तंबाकू पाउच जब्त किए गये, तथा इन दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि आगे से शासकीय शैक्षणिक संस्थानों के आसपास बीड़ी सिगरेट तंबाकू पाउच जैसी प्रतिबंधित सामग्री नहीं बेचें अन्यथा आगे दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।

सतवास में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई

12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म बेचने वाली कान्हा कलेक्शन दुकान को किया सील

विनय उजाला

देवास, निप्र। निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म को लेकर मिल रही शिकायतों पर शुक्रवार को जिला प्रशासन ने सतवास में बड़ी कार्रवाई करते हुए कान्हा कलेक्शन दुकान को सील किया हैं।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिला परियोजना समन्वय अधिकारी अजय मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान सतवास तहसीलदार अवधेश कुमार यादव और थाना प्रभारी दिलीप पुरी मौजूद रहे। टीम ने दुकान के साथ कुछ निजी स्कूलों का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकानदार ने स्वीकार किया कि उसकी दुकान पर 12 निजी स्कूलों की यूनिफॉर्म उपलब्ध है, लेकिन वह ऐसे कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका, जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि वह इन स्कूलों की यूनिफॉर्म किस आधार पर बेच रहा था। कलेक्टर द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन और यूनिफॉर्म बिक्री में एकाधिकार की शिकायत को देखते हुए प्रशासन ने दुकान को सील कर दिया।

संयुक्त टीम ने निजी स्कूलों में यूनिफॉर्म और पुस्तकों की व्यवस्था की भी जांच की। डीपीसी अजय मिश्रा ने बताया कि पिछले कुछ समय से अभिभावकों की शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ निजी स्कूल एक ही दुकान से यूनिफॉर्म और किताबें खरीदने का दबाव बना रहे हैं, जिससे पालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जिलेभर में जांच अभियान जारी रहेगा, जहां भी आदेश का उल्लंघन या अभिभावकों को किसी एक दुकान से यूनिफॉर्म अथवा किताबें खरीदने के लिए बाध्य किए जाने की शिकायत मिलेगी, वहां संबंधित निजी स्कूलों के खिलाफ एफआईआर सहित नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

12 गांवों के ग्रामीणों कलेक्टर और विधायक कार्यालय का करेंगे घेराव

शाजापुर, निप्र। शहर की कृषि उपज मंडी के पीछे से गुजरने वाली सड़क वर्षों से बदहाल स्थिति में है। ऐसे में ग्रामीणों ने अब विधायक और कलेक्टर कार्यालय के घेराव करने की योजना बनाई है। शुक्रवार को 12 गांवों के ग्रामीणों ने ग्राम पिंदोनिया में बैठक कर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय और विधायक कार्यालय का घेराव करने की रणनीति बनाई।

एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की गई जान

विनय उजाला

देवास, निप्र। शहर के व्यस्त उज्जैन तिराहे पर शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की जान चली गई, जबकि उनकी पांच वर्षीय पोती घायल हो गई। दोनों इंदौर से बस के जरिए देवास पहुंची थीं।

बस से उतरने के दौरान पीछे से आई दूसरी यात्री बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, इंदौर के सदर बाजार क्षेत्र निवासी निगार सुलताना (50) अपनी पांच वर्षीय पोती मरियम के साथ देवास आई थीं। शुक्रवार दोपहर उज्जैन रोड पेट्रोल पंप तिराहे पर बस से उतरते समय दूसरी यात्री बस की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को बस के नीचे से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद निगार सुलताना को मृत घोषित कर दिया, जबकि मासूम मरियम के पैर में चोट आई है। उसका उपचार जारी है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

दुर्घटना में महिला का मोबाइल फोन पूरी तरह टूट गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी अभिषेक यादव ने मोबाइल की सिम निकालकर अपने फोन में लगाई और संपर्क करने का प्रयास किया। पांच वर्षीय मरियम ने अपने पिता का मोबाइल नंबर याद से बताया। इसी नंबर के आधार पर पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर हादसे की सूचना दी। हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

फाइलों में बह रहा पानी, हकीकत में प्यासी हैं गलियां

नल-जल योजना के फर्जीवाड़े पर उमिया धाम के रहवासियों का हंगामा

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। विकास के दावों की पोल खोलती एक ऐसी हकीकत, जहां कागजों पर तो घरों तक पानी पहुंच गया है, लेकिन जमीन पर पाइपलाइन का एक टुकड़ा तक नजर नहीं आता। शाजापुर की उमिया धाम कॉलोनी में नल-जल योजना के नाम पर ऐसा ही एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।

सरकारी दस्तावेजों में योजना का काम पूरा हो चुका है, लेकिन असलियत में रहवासी आज भी पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं। इस कागजी विकास से आक्रोशित लोगों के सब्र का बांध आखिरकार शुक्रवार को टूट गया और उन्होंने नगर पालिका पहुंचकर जमकर हल्लाबोल किया।

उमिया धाम कॉलोनी के गुस्साए निवासियों ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर ठेकेदार की कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्य नगरपालिका अधिकारी भूपेंद्र कुमार दीक्षित को शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रहवासियों का सीधा आरोप है कि योजना के नाम पर भारी अनियमितता बरती गई है और पूरा काम केवल फाइलों में ही चमका दिया गया है। नगरपालिका के रिकॉर्ड और जमीनी हकीकत में जमीन-आसमान का अंतर देखने को मिल रहा है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि दस्तावेजों के अनुसार कॉलोनी की प्रत्येक गली में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है और बताया जा रहा है कि अब केवल मुख्य लाइन से जोड़कर पानी चालू करना बाकी है, लेकिन, हकीकत यह है कि कॉलोनी में न तो एक भी पाइपलाइन बिछी है और न ही किसी घर को नल कनेक्शन दिया गया है।

मामले की गंभीरता और रहवासियों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए भूपेंद्र कुमार दीक्षित ने लोगों को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि फिलहाल मुख्य पाइपलाइन से कनेक्शन जोड़ने का कार्य बाकी है।

इसके साथ ही उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी ठेकेदार ने बिना काम पूरा किए, उसे कागजों पर पूरा होने का झूठा दावा किया है, तो मामले की गहन जांच की जाएगी। जांच में अनियमितता सिद्ध होने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई होगी। इसके अलावा, उन्होंने अगले तीन से चार महीनों के भीतर कॉलोनी की जल समस्या का पूरी तरह से समाधान करने का भरोसा भी जताया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश महासचिव बोड़ाना का सम्मान

देपालपुर (विनय उजाला)। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स संघ जिला इंदौर द्वारा ओबीसी के प्रदेश महासचिव सूरज सिंह बोड़ाना का शाल, श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बोड़ाना ने कहा कि वह निरंतर सभी वर्गों के हित में जन सेवा एवं परोपकारी कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम में जिला संभागीय अध्यक्ष राजेश जोशी एवं जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ने उनका अभिनंदन करते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में भगवती प्रसाद पंडित, कैलाश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ जन मौजूद रहे।

‘संस्कार ही जीवन की असली पूंजी है‘ : डॉ महासती कुमुदलता महाराज

इंदौर, (विनय उजाला)। अनुष्ठान आराधिका महासती डॉ. कुमुदलता जी म.सा. आदि ठाणा-4 ने आज जानकीनगर जैन स्थानक में युवा वर्ग को संबोधित करते हुए प्रेरणादायक प्रवचन दिया। महासती जी ने कहा कि ‘आज का युवा ही कल का राष्ट्र निर्माता है। मोबाइल और सोशल मीडिया की चकाचौंध में मत भटको। अपने जीवन का लक्ष्य तय करो और धर्म, संस्कार व संयम के मार्ग पर चलो।‘ आपने युवाओं से आह्वान किया कि ‘पढ़ाई के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर ध्यान दो। डिग्री बड़ी नहीं, संस्कार बड़े होते हैं। जो युवा अपने माता-पिता, गुरु और धर्म का सम्मान करता है, वही जीवन में सच्ची सफलता पाता है।‘ महासती जी ने युवाओं को नशे से दूर रहने, समय का सदुपयोग करने और सेवा भाव रखने की प्रेरणा दी। आपने कहा ‘तुम्हारे अंदर असीम शक्ति है। बस उसे जाग्रत करने की जरूरत है। चातुर्मास इसी शक्ति जागरण के लिए आया है।‘ उनके ओजस्वी उद्बोधन को सुनकर उपस्थित सैकड़ों युवा भावविभोर हो गए। अनेक युवाओं ने महासती जी से जीवन में आगे बढ़ने के मार्गदर्शन प्राप्त किए। जानकीनगर संघ के अध्यक्ष अरूण मेहता ने स्वागत उद्बोधन दिया। स्वागत गीत उज्जवला कटारिया,ओर भक्ति गीत रेखा चोरड़िया ने प्रस्तुत किया। चातुर्मास समिति के मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन ने आगामी बिहार यात्रा ओर चातुर्मास कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। संचालन श्रीमती चंदना मोदी मंत्री श्री आदर्श बहु मण्डल द्वारा किया गया। प्रवचन सभा में डीपीन जैन, प्रकाश भटेवरा,अनूप बाफना, मुकुंद चंद मेहता,पियूष जैन,अशोक मंडलीक,आर धर्मी चंद चोरड़िया, गजराज बेताला,मंगलचंद कोठारी,जितेंद्र चोपड़ा,ललित छल्लानी,रत्न चंद सुरानाअरविंद मेहता, हेमन्त बोहरा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित हुए।

स्वच्छता को लेकर सभी अधिकारी समयसीमा में कार्य करें : संभागायुक्त

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन पर जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला आयोजित

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत मिशन को लेकर इंदौर संभाग में लगातार नवाचार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वच्छता संबंधी जनजागरूकता के कार्यक्रम किये जा रहे हैं। नागरिकों में साफ-सफाई के प्रति चेतना जागी है।

अब संभाग में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी तेजी से काम हो रहा है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े आज एक निजी होटल में आयोजित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशन में परिपालन इंदौर संभाग के नगरीय निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

कार्यशाला में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, बुरहानपुर महापौर श्रीमती मालती पटेल, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संयुक्त संचालक श्री सूर्यकुमार सिन्हा, राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसेडर के.के. गुप्ता, देपालपुर नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेश गिरी एवं इंदौर संभाग के सभी नगर परिषद, नगर पालिका के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि किसी भी शहर की सफाई व्यवस्था में स्वच्छता कर्मियों का परिश्रम और नागरिकों की सहभागिता जरूरी है। साथ ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध नियोजन भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संभाग के सभी कलेक्टर्स को चाहिये कि वे अपने क्षेत्र में सफाई अभियान लगातार जारी रखें। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में वर्णित प्रावधानों का भी पालन करायें। उन्होंने महापौर श्री भार्गव से आग्रह किया कि वे इंदौर को सफाई व्यवस्था का एक ऐसा आदर्श मॉडल सेंटर बनायें, ताकि प्रदेश में कहीं भी सफाई संबंधी समस्या हो तो समाधान मिल सके। इंदौर वैसे भी देश भर में स्वच्छता के लिहाज से नंबर वन है। इंदौर के नागरिक सफाई के प्रति बेहद जागरूक है। इससे सीख अब आसपास के जिले भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर नगर निगम द्वारा देपालपुर को गोद लिये जाने के बाद अब वहां भी सफाई दिखने लगी है। देपालपुर नगर परिषद को भी चाहिये कि वह अपने आसपास के गाँवों को भी सफाई अभियान से जोड़ें ताकि सभी जगह स्वच्छता दिखे।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में और भी नवाचार किये जाने की संभावनाएं हैं। सभी अधिकारियों को इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से लगातार काम करना होगा। सफाई के साथ-साथ राजस्व एकत्रीकरण का भी ध्यान रखें।

कार्यशाला में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि सफाई के मामले में इंदौर अब गुरु ही नहीं महागुरु बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि इंदौर में सफाई के बाद अब देपालपुर में भी प्लास्टिक थैलियां दिखायी नहीं देती हैं। अधिकांश दुकानों पर डिस्पोजल गिलास बंद हो गये हैं।

देपालपुर को स्वच्छ बनाने में इंदौर नगर निगम से ली प्रेरणा

कार्यशाला में राजस्थान के ब्राण्ड एम्बेसेडर श्री के.के. गुप्ता ने भी अपने अनुभव साझा किये। देपालपुर अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री महेश गिरी ने कहा कि इंदौर नगर निगम से प्रेरणा लेकर नगर परिषद देपालपुर में स्वच्छता जागरूकता आयी है। डोर टू डोर कचरा उठाया जा रहा है। जहां पर कचरे का बड़ा ढेर था, अब वहां पर एक गार्डन बना दिया गया है। कार्यशाला में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट से संबंधित प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। साथ ही पुराने कपड़ों से तैयार किये गये थैलों को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यशाला में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

इंदौर में विश्व युवा कौशल दिवस पर करियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास विषयक व्याख्यान आयोजित

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय इंदौर में प्राचार्य डॉ. वी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर छात्राओं के लिए करियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. शैलेन्द्र पिपरिया ने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की प्रभावी रणनीति पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने PSC, MPPSC, SSC, बैंकिंग, रेलवे तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, उत्तर लेखन कौशल तथा निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सफलता का मूलमंत्र धैर्य, अनुशासन, सतत सीखने की प्रवृत्ति और व्यवहारिक ज्ञान है। साथ ही छात्राओं को रोजगार के बदलते अवसरों, कौशल विकास तथा व्यक्तित्व निर्माण के माध्यम से प्रतिस्पर्धी वातावरण में स्वयं को सक्षम बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की द्वितीय मुख्य वक्ता सुश्री रागिनी सिंह ठाकुर (निर्माण फाउंडेशन) ने छात्राओं को तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल विकसित करने, आत्मनिर्भर बनने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. निधि गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा तिवारी ने किया।

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (एसीएस) परीक्षा - 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

परीक्षार्थियों का मोबाईल ऐप के माध्यम से होगा फेस अथन्टीकेशन

विनय उजाला

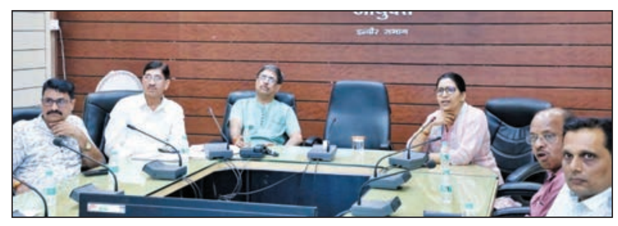

इंदौर, नप्र। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (एसीएस) परीक्षा - 2026 को लेकर उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी ने संभागायुक्त कार्यालय में समीक्षा बैठक ली। बैठक में बताया गया कि आयोग द्वारा आयोजित सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (एसीएस) परीक्षा 19 जुलाई रविवार को इंदौर के 6 केन्द्रों पर सम्पन्न होगी। इस परीक्षा में कुल 2 हजार 398 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उक्त परीक्षा के लिए संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े को परीक्षा समन्वयक बनाया गया है एवं उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी को परीक्षा प्रभारी बनाया गया है। बैठक में संघ लोक सेवा आयोग दिल्ली के पर्यवेक्षक श्री जितेन्द्र शर्मा, पोस्ट मास्टर जनरल श्री अजय बाफना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, प्राध्यापक डॉ. डी.के. गुप्ता, बिजली विभाग के अधिकारी श्री अनुज गुप्ता, स्थानीय निरीक्षण अधिकारी, केन्द्राध्यक्ष, पुलिस विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में परीक्षा प्रभारी ने बताया कि सेन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (एसीएस) परीक्षा 19 जुलाई को दो सत्रों में आयोजित होगी। पहला सत्र प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व प्रवेश द्वार आधे घंटे पूर्व बंद हो जाएंगे, परीक्षार्थी केन्द्र पर निर्धारित समय से पूर्व पहुँचे। परीक्षा में परीक्षार्थियों का मोबाईल ऐप के माध्यम से फेस अथन्टीकेशन होगा। परीक्षा केन्द्रों पर मोबाईल, डिजीटल स्मार्ट वॉच एवं अन्य डिजीटल उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में ब्लेक बॉल पाइंट पेन, पेंसिल, स्वयं का फोटो, एडमिट कार्ड एवं आईडी प्रूफ परीक्षा हॉल में ले जा सकेंगे। परीक्षा प्रभारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी परीक्षा केन्द्रों पर सतत विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पेयजल, बुनियादी सुविधाओं आदि की पर्याप्त व्यवस्था रखें।

आवारा कुत्तों के हमले में मादा हिरण गंभीर रूप से घायल, ग्रामीणों की तत्परता से बची जान

शाजापुर, निप्र। झुंड से बिछड़ी मादा हिरण को आवारा कुत्तों ने हमला कर घायल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे की है। कांजा और बरवाल के बल्ड़े के पास स्थित आश्रम की जगह के समीप तार फेंसिंग के बीच बनी एक खंती (गड्ढे) में यह घटना घटी। सुबह के समय शौच के लिए गए स्थानीय निवासी विष्णु नायक और जितेंद्र नायक ने अचानक किसी जानवर के दर्द से चिल्लाने की आवाज सुनी। आवाज की दिशा में जब वे दौड़कर मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि एक मादा हिरण को आवारा कुत्तों ने घेर रखा है और उस पर हमला कर रहे हैं। दोनों युवकों ने बिना समय गंवाए पत्थर मारकर कुत्तों को वहां से खदेड़ा। झुंड से बिछड़ने के कारण यह हिरण कुत्तों का आसान शिकार बन गई थी और हमले में गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। कुत्तों को भगाने के बाद विष्णु और जितेंद्र ने तुरंत इसकी सूचना गौरक्षा सेना बरवाल टीम को दी। सूचना मिलते ही टीम के सदस्य अर्जुन राजपूत, राजपाल राजपूत और कुलदीप राजपूत तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए। युवाओं ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तार फेंसिंग के पास बनी खंती से खून से लथपथ और डरी हुई मादा हिरण को सुरक्षित बाहर निकाला। बिना कोई देरी किए, वे घायल हिरण को तुरंत स्थानीय पशु चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां पशु चिकित्सक द्वारा उसका उचित उपचार किया गया। हिरण के प्राथमिक उपचार के बाद गौरक्षा सेना की टीम ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारी को दी।

ऊर्जस एप से उपभोक्ताओं की मदद

इंदौर (विनय उजाला)। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का मोबाइल एप ऊर्जस उपभोक्ताओं की समय पर मदद कर आपूर्ति सुधार को लेकर राहत दिला रहा हैं। पिछले चौबीस घंटे के दौरान ऊर्जस एप के माध्यम से 130 उपभोक्ताओं की मदद की गई। इसमें से इंदौर शहर के 77 उपभोक्ताओं ने ऊर्जस एप पर आपूर्ति संबंधित शिकायतों का समाधान कर राहत पाई। खरगोन, धार, उज्जैन, देवास, रतलाम के उपभोक्ताओं द्वारा भी ऊर्जस मोबाइल एप का उपयोग कर बिजली सेवाओं, शिकायत निवारण सुविधा का लाभ लिया जा रहा हैं।

मानसून काल में भी शहर में बिजली की भारी मांगविनय उजाला

इंदौर (विनय उजाला)। मानसून काल के दौरान भी इंदौर शहर में बिजली की भारी मांग की स्थिति हैं। इंदौर शहर में जुलाई माह के तीसरे सप्ताह के दौरान बिजली की मांग साढ़े पांच सौ मैगावाट के पार दर्ज हुई हैं। सोलह जुलाई को शहर में बिजली की अधिकतम मांग 567 मैगावाट दर्ज हुई हैं, इस दिन आपूर्ति 1 करोड़ 26 लाख यूनिट रही। मांग एवं आपूर्ति दोनों ही तुलनात्मक रूप से ज्यादा रही। जुलाई के सत्रह दिनों में इंदौर शहर में बीस करोड़ यूनिट से ज्यादा बिजली वितरण हो चुका हैं। यह करीब दस प्रतिशत ज्यादा हैं।

बिजली का अटूट सफर : उज्जैन की 10 ट्रांसमिशन लाइनों ने रचा 1500 दिन का कीर्तिमान

विनय उजाला

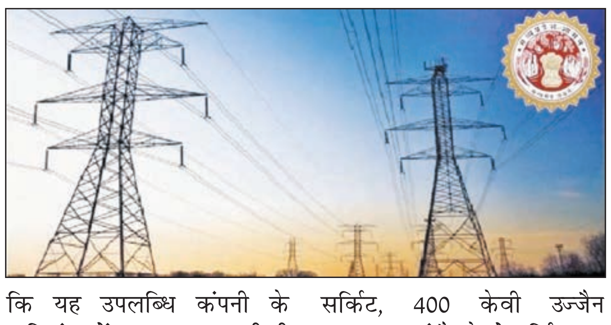

इंदौर, नप्र। प्रदेश शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की उज्जैन स्थित 10 महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विगत चार वर्षों यानी लगभग 1500 दिनों से बिना किसी ब्रेकडाउन के निर्बाध विद्युत पारेषण कर उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। आंधी-तूफान, तेज बारिश, आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक चुनौतियों और अन्य अप्रत्याशित परिस्थितियों के बावजूद इन लाइनों का सतत एवं विश्वसनीय संचालन जारी है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि उज्जैन की इन 10 लाइनों सहित प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की कुल 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी बीते चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित होकर प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था की मजबूती और विश्वसनीयता को प्रमाणित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्य में जुटे आउटसोर्स कर्मियों की प्रतिबद्धता, दक्षता और समर्पण का परिणाम है। उज्जैन क्षेत्र की जिन ट्रांसमिशन लाइनों ने यह उपलब्धि हासिल की है, उनमें 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-आष्टा के दो सर्किट, 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-इंदौर के दो सर्किट तथा 220 केवी उज्जैन (ताजपुर)-नलखेड़ा के दो सर्किटों के अलावा 132 केवी उज्जैन (ताजपुर)-उद्योगपुरी के दो सर्किट, 132 केवी ज्योतिनगर-शंकरपुरा एवं 132 केवी ज्योतिनगर-उज्जैन (ताजपुर) लाइनें शामिल हैं।

तकनीक और निगरानी ने बनाया नेटवर्क को अभेद्य

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं निर्बाध बनाए रखने के लिए थर्मो-विजन निरीक्षण, ड्रोन सर्विलांस, एससीएडीए आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग, ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध निवारक अनुरक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। नियमित लाइन पेट्रोलिंग, प्री-मानसून मेंटेनेंस, लाइन कॉरिडोर प्रबंधन, पेड़ों की कटाई-छंटाई तथा उपकरणों की सतत निगरानी के माध्यम से संभावित तकनीकी खामियों की समय रहते पहचान कर उनका निराकरण किया गया, जिससे ब्रेकडाउन की आशंकाओं को प्रभावी ढंग से रोका जा सका और ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

ग्वालियर से इंदौर जा रही कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त, पुलिस टीम ने किया त्वरित रेस्क्यू

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। अनियंत्रित होकर एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर खंती में जा पलटी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को ग्वालियर से इंदौर की ओर जा रही एक कार अचानक संतुलन बिगड़ने से टुकराना बायपास पर दुर्घटना का शिकार हो गई। गनीमत यह रही कि समय रहते पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को सुरक्षित निकाल लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में कुल 4 लोग सवार थे, जिनमें 1 महिला और 3 युवक शामिल थे। बताया जा रहा है कि सफर के दौरान अचानक गाड़ी अनियंत्रित हो गई, जिसकी वजह से यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस रिस्पॉन्स टीम तत्काल मौके पर पहुंची। ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल पवन शर्मा और पायलट पंकज ने तत्परता दिखाते हुए फौरन राहत और बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी में फंसे सभी चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार किया गया।

पश्चिम रेलवे
अहमदाबाद मण्डल

लिफ्ट्स के प्रावधान के संबंध में बिजली कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या : Sr.DEE/ADI/20 (26-27) दिनांक : 16.07.2026
निविदा सं. EL-ADI-G-T-23-2026-27

कार्य का नाम: अहमदाबाद मण्डल :- 12 स्टेशनो अंतर्गत 13 लिफ्ट (अर्थात चांदलोडिया-A-1, असारवा-1, कलोल-1, महेसाणा-1, उंझा-1, भीलडी-1, पालनपुर-1, मचाउ-1, ध्रांगध्रा-2, विरमगाम-1, पाटण-1 एवं हिंमतनगर-1) के प्रावधान के संबंध में बिजली कार्य । **अनुमानित लागत:** ₹ 5,17,11,913/- **बयाना राशि:** ₹ 10,34,200/- **निविदा जमा करने एवं खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक: **12/08/2026** को 15:00 बजे उसके बाद नहिं एवं दिनांक: **12/08/2026** को 15:30 बजे निविदा खोली जायेगी। **कार्यालय का पता एवं वेबसाईट विवरण:** वरिष्ठ मण्डल बिजली अभियंता, म.रे.प्र. कार्यालय (प.रे.), चामुंडा पुल के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोडा रोड़, अमदुपुरा, अहमदाबाद-382345 **वेबसाईट विवरण : www.ireps.gov.in** ADI-108

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - रतलाम

ई -निविदा सूचना

संख्या : W/623/5/3/NIT. दिनांक : 15/07/2026, ई-टेंडरिंग : RTM-2026-27-74, कार्य का नाम : Dahod workshop - Provision of MEMU rake testing shed with pits provision (Size - 300m x 12m) & Extension of MEMU DEMU shop shed with pits provision (Size 60m x 20m) अनुमानित मात्रा : निविदा अनुसूची के अनुसार। अनुमानित लागत : ₹7,04,90,266.16/- बयाना राशि : ₹14,09,800.00/- कार्य समापन की अवधि : 18 महीने। वेबसाईट पर अपलोड की तिथि : 14/07/2026, निविदा खुलने की तिथि : 07/08/2026, • विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाईट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। SNP-161

हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

वेस्टर्न रेलवे - रतलाम

ई-टेंडर नोटिस

ई-टेंडर नंबर: WRRTM-0088-616974-0726. तारीख: 16/07/2026. **काम का नाम :** वेस्टर्न रेलवे के रतलाम डिवीजन में पीथमपुर और इंदौर एरिया के लिए फ्रेट ट्रैफिक (गुड्स और पार्सल) को बढ़ाने के लिए स्ट्रेटेजिक एडवाइजरी सर्विस के लिए एक मैनेजमेंट कंसल्टेंट का चुनाव। **रिज़र्व प्राइस:** टेंडर डॉक्यूमेंट के अनुसार। **कॉन्ट्रैक्ट का समय:** इफेक्टिव तारीख से 180 दिन (जैसा प्रपोज़ल में बताया गया है)। **ई-टेंडर डॉक्यूमेंट की कीमत (नॉन-रिफंडेबल और नॉन-ट्रांसफरेबल):** NIL. **अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट :** 58,000/- **ई-टेंडर बंद करने और जमा करने की तारीख और समय :** 20.08.2026 को रात 11.00 बजे तक सिर्फ़ ऑनलाइन वेबसाइट http://www.ireps.gov.in के ज़रिए। **ई-टेंडर खोलने की तारीख और समय :** सुबह 11.30 बजे। 20.08.2026 को केवल ऑनलाइन वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर। SNP-162

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
राजकोट मण्डल

सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुधार के लिए MSDAC का प्रावधान

ई-निविदा सूचना सं. DRM-RJT-26-27-SnT-E-11 दिनांक : 15.07.2026

कार्य का नाम: राजकोट मण्डल :- विरमगाम-ओखा अनुभाग - राजकोट मण्डल के 7 स्टेशनों (वानी रोड, सबली रोड, भास्करपरा, लीलापुर रोड, केसरीया रोड, बजरंगपुरा और बाला रोड) अंतर्गत सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुधार के लिए MSDAC का प्रावधान करने का कार्य । **अनुमानित निविदा लागत:** ₹ 12,33,10,429.10 (रुपये बारह करोड तेंतीस लाख दस हजार चार सो उनतीस एवं दस पैसे केवल) **जमा बयाना राशी:** ₹ 24,66,200.00 (रुपये चौबीस लाख छासठ हजार दोसो केवल) **निविदा प्रपत्र शुल्क :** पैरा-3, GCC-2022 के अनुसार ₹ 00.00 (शून्य हजार) **ऑनलाईन आवेदन करने की तिथि एवं समय:** दिनांक **06/08/2026 को 15:30 बजे तक । कार्यालय का पता:** मण्डल रेल प्रबंधक (एसएण्डटी), पश्चिम रेलवे, कोठी कम्पाउन्ड, राजकोट-360 001 **वेबसाईट: www.ireps.gov.in** RJT-081

हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

WESTERN RAILWAY
Material Management Department
VARIOUS MATERIALS SUPPLY
E-PROCUREMENT TENDER NOTICE No. S/38/2026 Date 14.07.2026

स.क्रं.	टेंडर नं.	वस्तुओं का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
315	06265030	कॉपर कॉन्टैक्ट वायर, 107 Sq.mm	520.1 KM	25-Aug-26
316	09265008	एयर कंप्रेसर	30 Nos	21-Aug-26
317	11265011	साथ में दिए गए टेक्निकल स्पेसिफिकेशन्स के अनुसार मशीन/इक्विपमेंट की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग	1 Nos	20-Aug-26
318	06265035	कॉपर कैटेनरी वायर 65 Sq.mm	475.8 KM	20-Aug-26
319	10265010	जॉइंटलेस ग्रुव्ड कॉन्टैक्ट वायर, 150 Sq.mm	161 KM	17-Aug-26
320	11265013	साथ में दिए गए स्पेसिफिकेशन्स के अनुसार 10/3 टन कैपेसिटी वाले EOT क्रेन की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग	1 Nos	17-Aug-26
321	09265002A	BHEL मॉडल ट्रैक्शन मोटर के पिनियन के साथ पूरा ट्रैक्शन मोटर	9 Nos	14-Aug-26
322	09265017	पूरा गियर व्हील और एक्सल सस्पेंशन ट्यूब असेंबली	20 Set	14-Aug-26
323	23261946	LHB NAC के लिए प्राइमरी स्प्रिंग इनर	5005 Nos	12-Aug-26
324	06255048A	रूफ माउंटेड AC पैकेज	22 Set	11-Aug-26
325	15260514A	बोगी बोल्स्टर स्प्रिंग सस्पेंशन के लिए हैंगर	10952 Nos	10-Aug-26
326	06261711	सील्ड हॉरिजॉन्टल स्क्रॉल कंप्रेसर	60 Nos	07-Aug-26

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाईट www.ireps.gov.in और indianrailways.gov.in पर जाएं। 0368

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
भंडार विभाग
सितंबर 2024 में पी-वे और अन्य विभिन्न स्क्रैप के लिए ई-निलामी बिक्री

विशेष ध्यान : सभी स्टील क्रेता और रीरोलर

पी.वे स्क्रैप, रेल स्क्रैप और अन्य विभिन्न स्क्रैप सामग्री के निपटान के लिए सार्वजनिक ई-नीलामी अगस्त 2026 में नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी :-

पहला दौर	दूसरा दौर	डिपो/मंडल	प्रभारी अधिकारी	संपर्क नंबर
03/08/2026	17/08/2026	रतलाम	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-रतलाम	07412230080 09752492750
04/08/2026	18/08/2026	वडोदरा	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-वडोदरा	02652641592 09724091750
05/08/2026	19/08/2026	दाहोद	उप मुख्य प्रबंधक सामग्री-दाहोद	02673241295 09724090455
06/08/2026	20/08/2026	अहमदाबाद	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-अहमदाबाद	07922205888 09724093750
07/08/2026	21/08/2026	मुंबई सेंट्रल	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-मुंबई सेंट्रल	022-23094142 09004499006
10/08/2026	21/08/2026	प्रतापनगर	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-प्रतापनगर	02652641592 09724091750
11/08/2026	27/08/2026	राजकोट	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-राजकोट	02812476943 09724094770
12/08/2026	25/08/2026	साबरमती	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-साबरमती	02812476943 09724094770
13/08/2026	25/08/2026	महालक्ष्मी	उप मुख्य प्रबंधक सामग्री-महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750
14/08/2026	27/08/2026	भावनगर	वरिष्ठ मंडल प्रबंधक सामग्री-भावनगर	02782444360 09724097750

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संबंधित डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें।
नोट : 1) रेलवे ई-नीलामी से किसी भी लॉट को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखता है। 2) ई-नीलामी निर्धारित समय के अनुसार शुरू होगी। 3) ई-नीलामी कैटलॉग **www.ireps.gov.in** ई-नीलामी पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। 4) ई-नीलामी, डिजिटल हस्ताक्षर, पंजीकरण प्रक्रिया और भागीदारी के संबंध में किसी भी सहायता की आवश्यकता होने पर, कृपया उपर्युक्त डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें। 5) सभी भुगतान लेनदेन ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से किए जाएंगे।
(सं. एस/एसआईआईआई/नीलमी कार्यक्रम-1/अगस्त 2026, दिनांक 07/07/2026) 0367

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - राजकोट मण्डल

IOH की अवसंरचना और परिक्षण सुविधाओं का उन्नयन, क्वॉटर्स के फ्लोरींग प्लास्टरींग की मरम्मत एवं विभिन्न LCs अंतर्गत RUB/LHS का प्रावधान

ई-निविदा सूचना संख्या 15 वर्ष 2026-27 **दिनांक : 16/07/2026**

क्रम सं.	ई-निविदा संख्या	कार्य का नाम	NIT की अनुमानित लागत (₹)	बयाना राशि (₹)
01	डीआरएम-आरजेटी 2026-27-E-37	राजकोट मण्डल :- DMC/राजकोट अंतर्गत अग्निशमन और सीमा दिवार की अधिनस्थ व्यवस्थाओं सहित IOH के अवसंरचना तथा परीक्षण सुविधाओं का उन्नयन करने का तथा एकता बैराक राजकोट अंतर्गत परेड मैदान की पगडंडी की मरम्मत करने का कार्य।	1,63,56,970.49	3,27,100.00
02	डीआरएम-आरजेटी 2026-27-E-38	राजकोट मण्डल :- SSE वर्कस द्वारका के क्षेत्राधिकार आधिन टाइप I, II, III और IV टाइप स्टाफ कवार्टर्स के आंतरिक और बाहरी फ्लॉरींग प्लास्टरींग, वॉटर प्रुफिंग तथा टोयलेट एवं बाथरूम की मरम्मत करने कार्य।	1,41,30,561.64	2,82,600.00
03	डीआरएम-आरजेटी 2026-27-E-39	राजकोट मण्डल :- विरमगाम-ओखा - LC सं. 25 (कि.मी. 602/9-603/0), 26 (कि.मी. 604/0-1) 33 (कि.मी. 616/8-9), 41 (कि.मी. 632/3-4), 42 (कि.मी. 633/9-634/0), 49 (कि.मी. 640/2-3), 61 (कि.मी. 657/4-5), 65 (कि.मी. 663/2-3), 66 (कि.मी. 664/5-6), 80 (कि.मी. 687/2-3), 81 (कि.मी. 688/7-8) और LC सं. 113 (कि.मी. 727/4-5) अंतर्गत RUB/LHS का प्रावधान करने का कार्य।	107,15,75,177.15	2,14,31,500.00

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए:- निविदा खुलने की तारीख एवं समय: दिनांक: 10/08/2026 को 15:00 बजे । कार्यालय का पता: मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.), पश्चिम रेलवे, कोठी कम्पाउन्ड, राजकोट, गुजरात-360001, वेबसाईट: www.ireps.gov.in RJT-084

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly

भारतीय क्रिकेट को झटका

लॉर्ड्स में आखिरी बार खेलते दिखेंगे रोहित?

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट जगत में इस समय स्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड के खिलाफ चल रही मौजूदा सीरीज के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और चयन समिति अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए नई रणनीति तैयार कर रही है। 2027 के अंत में होने वाले इस विश्व कप तक रोहित की उम्र 40 वर्ष से अधिक हो जाएगी। उनका हालिया फॉर्म ठीक नहीं रहा है और फॉर्म में चल रहे युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बीसीसीआई के फैसले से खुश नहीं थे रोहित

रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई अधिकारियों से मुलाकात की थी। दावा किया गया है कि बोर्ड के फैसले से पूर्व भारतीय कप्तान खुश नहीं थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चयन समिति ने रोहित को साफ तौर पर बता दिया है कि वे इस वनडे सीरीज के बाद अब उनसे आगे का सोच रहे हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले हफ्ते कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी में रोहित शर्मा से इस विषय पर बातचीत की थी। चयन समिति का पूरा ध्यान 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यशस्वी जायसवाल जैसे युवाओं को अधिक से अधिक मौका देने पर है। बीसीसीआई सूत्र ने कहा, चयनकर्ताओं ने यह तय कर लिया है कि इसके बाद वे वनडे में रोहित शर्मा का चयन नहीं करेंगे। यदि वे सम्मानपूर्वक संन्यास लेना चाहते हैं या तुरंत संन्यास न लेने का फैसला करते हैं, तो यह पूरी तरह से उनका व्यक्तिगत निर्णय होगा। हालांकि, संदेश स्पष्ट है कि रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले मैच के बाद चयनकर्ता उन्हें वनडे टीम में नहीं चुनेंगे।

रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है। कार्डिफ वनडे में भी वह लय के लिए संघर्ष करते दिखे और 47 गेंदों में 26 रन बनाकर विल जैक्स का शिकार बने।

संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ा

इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है, जिसका मतलब है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे।

रिश्वत देने की कोशिश में मनजोत कालरा गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को 2018 अंडर-19 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व सलामी बल्लेबाज मनजोत कालरा अब एक बड़े विवाद में घिर गए हैं। श्रीलंकाई न्यूज एजेंसी के मुताबिक, श्रीलंका पुलिस ने उन्हें लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के दौरान खिलाड़ियों को कथित तौर पर रिश्वत देने की कोशिश के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार किया। 27 वर्षीय कालरा हाल ही में एलपीएल फ्रेंचाइजी जाफना किंग्स के सह-मालिक बने थे। श्रीलंकाई जांच एजेंसियों के मुताबिक, कालरा ने करीब 10 दिन पहले कुछ खिलाड़ियों से संपर्क कर उन्हें पैसे का लालच देने की कोशिश की थी। इसकी शिकायत श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों भानुका राजपक्षे, अविष्का फर्नांडो और दुनिथ वेलालागे ने की, जो जाफना किंग्स का हिस्सा हैं। जांच के दौरान एक खिलाड़ी ने पुलिस को सूचना दी कि कालरा उसे पैसे देने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने कोलंबो के एक होटल में छापा मारा और कालरा को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह कथित तौर पर 95 लाख श्रीलंकाई रुपये (करीब 28,700 अमेरिकी डॉलर) सौंपने की तैयारी में थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

आईसीसी ने बैन लगाया

डोपिंग टेस्ट में फंसे ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान के स्पिनर ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज डोपिंग में फंस गए हैं। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में फरवरी-मार्च में टी20 विश्व कप हुआ था। 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के मैच के बाद नवाज डोप टेस्ट किया गया था। जांच में उनके नमूने में कार्बोक्सी-टीएससी नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया, जिसे आईसीसी के एंटी-डोपिंग नियमों के तहत नशीले पदार्थ की कैटेगरी में रखा गया है।

मोहम्मद नवाज ने अपनी गलती मानी : 32 साल मोहम्मद नवाज बाएं हाथ के स्पिनर गेंदबाज के साथ निचले क्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज भी हैं। नवाज ने आरोप स्वीकार कर लिया है। उनका कहना है कि पदार्थ प्रतियोगिता के बाहर इस्तेमाल किया गया था और इसका उद्देश्य खेल प्रदर्शन को बेहतर बनाना नहीं था। मोहम्मद नवाज पर तीन महीने का बैन लगाया गया। यह बैन एक मई 2026 से लागू मानी जाएगी। इसी तारीख से उन्होंने स्वेच्छा से प्रोविनल सस्पेंशन शुरू किया था। सजा स्वीकार करने और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के इलाज के कार्यक्रम को पूरा करने का वादा करने के बाद नवाज का प्रोविजनल सस्पेंशन हटा लिया गया है।

फुटबॉल विश्वकप फाइनल देखने पहुंचेंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल देखने न्यू जर्सी पहुंचेंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है। स्पेन-अर्जेंटीना के बीच होने वाले खिताबी मैच से पहले ट्रम्प न्यूयॉर्क स्थित ट्रम्प टॉवर में आयोजित फीफा स्वागत समारोह में भी हिस्सा लेंगे।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति के सप्ताहांत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि ट्रम्प शुक्रवार को न्यूयॉर्क में फीफा रिसेप्शन में शामिल होंगे। रविवार को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में वर्ल्ड कप फाइनल का मुकाबला देखेंगे। लेविट ने कहा कि यह टूर्नामेंट अमेरिकी इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया, सबसे सुरक्षित और सबसे सफल वर्ल्ड कप रहा है। उनके मुताबिक, यह आयोजन दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच की मेजबानी करने की अमेरिका की क्षमता का प्रमाण है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो भी पुष्टि कर चुके हैं कि वे ट्रम्प के साथ फाइनल देखेंगे। दोनों मिलकर विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपेंगे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि विश्व कप फाइनल के बाद ट्रंप उनके साथ पुरस्कार वितरण समारोह में मौजूद रहेंगे।

फीफा विश्व कप के विजेता खिलाड़ियों को इस बार चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के विजेता खिलाड़ियों को इस बार एक खास सम्मान मिलेगा। विश्व कप के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनने वाली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के साथ-साथ चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी।

फीफा ने इसकी घोषणा की है। फीफा के अनुसार, यह रिंग अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित है और पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी। इसका मकसद खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक खास याद देना है। रिंग के एक तरफ फीफा विश्व कप की ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर अलग नंबर होगा, और उसके साथ असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद यह दिया जाएगा।

स्पेन और अर्जेंटीना में खिताबी भिड़ंत

फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल यूरोपियन चैंपियन स्पेन और मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के बीच खेला जाना है। स्पेन ने सेमीफाइनल में मजबूत मानी जा रही फ्रांस की टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। वहीं, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल सातवीं बार विश्व कप के फाइनल में पहुंचा है। अर्जेंटीना ने रोमांच से भरे दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 2-1 से शिकस्त दी थी। टीम ने ग्रुप चरण में लगातार तीन जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी।

महिला एथलीट्स की कवरेज के लिए बनी नई गाइडलाइन्स

खेल पर फोकस, शरीर पर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय एथलेटिक्स और यूरोपीय ब्रॉडकास्टिंग यूनियन ने महिला खिलाड़ियों के ब्रॉडकास्ट को लेकर नई गाइडलाइन्स जारी किए हैं। इनका उद्देश्य कैमरा एंगल और रिप्ले के जरिए महिला एथलीटों के अनावश्यक सेक्सुअलाइजेशन को रोकना है। नई गाइडलाइंस के तरह यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इवेंट के दौरान कैमरा एंगल्स

का इस्तेमाल महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर फोकस करेगा। ऐसे एंगल या रिप्ले को नहीं दिखाया जाएगा, जो महिला खिलाड़ियों को अनुचित या असहज तरीके से पेश करते हों।

यूरोपियन एथलेटिक्स के प्रेसिडेंट डोब्रोमिर करमारिनोव ने बुधवार को कहा, 'फिल्मिंग से जुड़े दिशा-निर्देश तैयार करना, हमारे खेलों में महिलाओं की नुकसानदेह छवि को खत्म करने की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही इससे कहानी कहने और तकनीकी उत्कृष्टता का स्तर भी ऊंचा बना रहेगा।'

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, 675 अरब डॉलर के पार पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि 10 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 96.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर बढ़ गया है। यह बढ़कर कुल 675.157 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब देश के भंडार में वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पिछले सप्ताह

में भी कुल भंडार में 7.26 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। तब यह 674.193 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया था। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ गया था। इसके चलते आरबीआई को विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा था। केंद्रीय बैंक ने डॉलर बेचकर बाजार को स्थिर किया था। इस वजह से कई हफ्तों तक भंडार में गिरावट देखी गई थी। अब इसमें फिर से तेजी आ रही है। 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भंडार का एक प्रमुख घटक हैं। इनमें 93 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बढ़कर 546.508 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई हैं। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में गैर-अमेरिकी इकाइयों का मूल्य शामिल होता है। इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राएं शामिल हैं। इनके मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी इन परिसंपत्तियों पर पड़ता है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.4 करोड़ डॉलर बढ़ गया। यह बढ़कर 105.223 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में भी 30 लाख अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है। यह 18.626 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 70 लाख अमेरिकी डॉलर बढ़ी है। यह रिपोर्टिंग सप्ताह के अंत में 4.793 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई है।

फेडरल बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 37 फीसदी बढ़कर 1,177 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (हि.स.)। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक का (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में शुद्ध मुनाफा 1176.93 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष के मुनाफे 861.75 करोड़ रुपये से 36.5 फीसदी ज्यादा है। फेडरल बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय सालाना आधार पर 6 फीसदी से ज्यादा बढ़कर

8286.69 करोड़ रुपये हो गई, ये पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7799.61 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसके खर्च 6389.36 करोड़ रुपये रहे, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह खर्च 6243.32 करोड़ रुपये थे। बैंक का परिचालन लाभ 1897.33 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 1556.29 करोड़ रुपये रहा था। इसी तरह शुद्ध ब्याज से आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 2,946 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष में 2,336 करोड़ रुपये रही थी। बैंक के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यह वृद्धि शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में मजबूत वृद्धि, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में विस्तार और नए ऋणों में कमी के कारण हुई है। जून तिमाही में फेडरल बैंक का ग्रॉस एनपीए घटकर 4282.34 करोड़ रुपये हो गया। ग्रॉस एनपीए रेशियो भी कम होकर 1.52 फीसदी हो गया। इसी तरह नेट एनपीए कम होकर 506.05 करोड़ रुपये और नेट एनपीए रेशियो घटकर 0.18 फीसदी पर आ गया। बैंक ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान फेडरल बैंक ने लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया। 10 नई ब्रांच खोलीं, जिससे इसका ब्रांच नेटवर्क 1650 आउटलेट्स तक पहुंच गया।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले...

अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया तनाव और कमजोर मानसून बड़ा जोखिम

नई दिल्ली, एजेंसी

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 17 जुलाई को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत है। उन्होंने दूरदर्शन को दिए एक विशेष साक्षात्कार में यह बात कही।

मल्होत्रा ने पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और संभावित कमजोर मानसून को भारत के लिए प्रमुख जोखिम बताया। उन्होंने अमेरिकी डॉलर की मजबूती के बीच भारतीय रुपए के प्रदर्शन का भी बचाव किया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि लचीली मुद्रास्फीति और लक्ष्यीकरण नीति के तहत मुद्रास्फीति को नियंत्रण करना आरबीआई की पहली जिम्मेदारी बनी हुई है। आर्थिक विकास को समर्थन देते हुए मुद्रास्फीति को प्राथमिकता देना जारी रहेगा। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि कम और स्थिर मुद्रास्फीति कारोबार और परिवारों को लंबी अवधिक के निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाकर सतत विकास की नींव को मजबूती प्रदान करती है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक साक्षात्कार में बताया कि लचीली मुद्रास्फीति और लक्ष्यीकरण नीति के तहत मुद्रास्फीति को नियंत्रण करना आरबीआई की पहली जिम्मेदारी बनी हुई है। यह दोनो एक दूसरे के विरोधी नहीं है बल्कि एक दूसरे का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा वैश्विक अनिश्चतताओं के बाद भी भारत के व्यापक आर्थिक आधारभूत सिद्धांत मजबूत बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक को उम्मीद है कि मजबूत मौद्रिक, राजकोषीय और औद्योगिक नीतियों के चलते चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि होगी। लेकिन भू-राजनीतिक तनावों और कमजोर मॉनसून से चिंता बनी हुई है।

मुद्रास्फीति और कीमतों में उतार-चढ़ाव पर नजर

उन्होंने मौद्रिक नीति पर बोलते हुए कहा कि आरबीआई उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति के मुख्य आंकड़ों से परे जाकर नीतिगत निर्णय लेने से पहले इसकी संरचना पर बारीकी से नजर रखता है। जिसमें मूल मुद्रास्फीति और मूल्य दबावों से उत्पन्न होने वाले कारक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा हमार लक्ष्य सीपीआई मुद्रास्फीति है, लेकिन हम इसकी संरचना, मूल मुद्रास्फीति और कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारणों पर बारीकी की जांच करते हैं और नजर बनाए रखते हैं।

रुपया वैश्विक मुद्राओं की तुलना में स्थिर

गवर्नर मल्होत्रा ने रुपये की गिरावट पर कहा, कि भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी डॉलल के हाल की मजबूती की बाद भी भारतीय मुद्रा वैश्विक मुद्राओं की तुलना में अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हाल में सरकार द्वारा उठाय एक कदमों से जिसमें सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर कर छूट, लंबी अवधिक के सॉवरेन बॉन्ड के लिए फुल एक्सेसिबल रूट का विस्तार और सेवा निर्यात सहित प्रेषण प्रवाह में लगातार मजबूती शामिल है। यह भारत के बाहरी क्षेत्र को समर्थन देंगे।

दो महीनों के दौरान एफडीआई 7 अरब डॉलर रहा

उन्होंने ने बताया कि पिछले साल लभग 95 अरब डॉलर के रिकॉर्ड सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) रहा और चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों के दौरान शुद्ध एफीडीआई प्रवाह लगभग 7 अरब डॉलर रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से निर्यात को बढ़ावा मिलने और समय के साथ चालू खाता मजबूत होने की संभाचना है।

डिजिटल धोखाधड़ी को लेकर चिंता दूर कर रहे

उन्होंने डिजिटल धोखाधड़ी को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बारे में कहा कि आरबीआई लगातार इस पर नजर बनाए हुए है और सक्रिय और पूर्व निवारक हस्तक्षेप पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए अपने पर्यवेक्षी ढांचे को मजबूत किया है। उन्होंने जनवरी 2027 से लागू होने वाले सीमित देखता ढांचे के बारे में बताते हुए कहा, कि इस के तहत ग्राहकों को कम मूल्य की डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी ने निर्देशित मामलों में 25,000 रुपये तक का मुआवजा मिलेगा।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मुनाफे में 13% की मजबूत बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (जून 2026) के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक के वित्तीय प्रदर्शन में लगातार सुधार के संकेत मिल रहे हैं, जो भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक खबर है।

जून तिमाही में बैंक के शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो घटते एनपीए और बेहतर ब्याज आय के कारण संभव हो सकी है। सरकारी बैंकों के बदलते वित्तीय परिदृश्य के बीच सेंट्रल बैंक के ये नतीजे निवेशकों और बाजार विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी नियामक फाइलिंग के अनुसार, 30 जून 2026 को समाप्त हुई तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,324 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही (जून 2025) में बैंक ने 1,169 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। इस प्रकार बैंक के मुनाफे में 13 फीसदी की सीधी वृद्धि दर्ज की गई है।

बैंक की कुल आय और ब्याज से होने वाली कमाई में कितनी वृद्धि हुई?

समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय में भी बढ़ोतरी देखी गई है। जून 2026 तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 10,678 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 10,360 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुख्य व्यवसाय यानी कर्ज देने से होने वाली कमाई में भी बड़ा सुधार हुआ है। इस तिमाही में बैंक द्वारा अर्जित ब्याज सुधरकर 9,691 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 8,589 करोड़ रुपये रहा था। ब्याज आय में यह बढ़ोतरी बैंक की मजबूत ऋण मांग को दर्शाती है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार पांचवे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

शेयर बाजार में बंपर तेजी

सेंसेक्स 965 अंक उछला, निफ्टी 24300 के पार

मुंबई, एजेंसी

दुनियाभर के प्रमुख शेयर बाजारों में मची भारी गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को अपनी मजबूती का लोहा मनवाया। जब अमेरिका से लेकर जापान और यूरोप तक के बाजार लाल निशान में डूबे हुए थे, तब भारतीय निवेशकों ने घरेलू बाजार में चौतरफा खरीदारी कर इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। आईटी शेयरों में आई बंपर तेजी और पहली तिमाही के मजबूत कॉर्पोरेट नतीजों के दम पर बीएसई सेंसेक्स करीब 965 अंकों की छलांग लगाते हुए बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी भी 24,300 के महत्वपूर्ण स्तर के पार निकलने में सफल रहा। विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बीच घरेलू बाजार की यह शानदार बढ़त भारतीय अर्थव्यवस्था और कॉर्पोरेट सेक्टर की आंतरिक मजबूती को प्रदर्शित करती है।

इन सेक्टर्स और शेयरों में रही सबसे ज्यादा हलचल : सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो बाजार को आगे बढ़ाने की कमान आईटी और प्राइवेट बैंकों के हाथों में रही। निफ्टी आईटी और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। प्रमुख शेयरों में निजी क्षेत्र के कोटक बैंक का शेयर 4 प्रतिशत की भारी बढ़त के साथ चमका, वहीं आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस का शेयर भी 3 प्रतिशत उछलकर बंद हुआ।

बाजार में क्लोजिंग के समय ये रहे आंकड़े

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय बाजारों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कारोबार की समाप्ति पर तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 964.58 अंक यानी 1.24 प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 78,151.45 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, पचास शेयरों पर आधारित मुख्य सूचकांक निफ्टी भी पीछे नहीं रहा और 272.75 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की छलांग लगाकर 24,345.50 के स्तर पर क्लोज हुआ। बाजार में आई इस लगभग सवा फीसदी की तेजी ने निवेशकों के सेंटिमेंट को काफी बढ़ावा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

10 हजार का इनामी लुटेरा पुलिस की गिरफ्त में

धार, निप्र। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टांडा थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वर्ष 2021 से फरार चल रहे रु. 10,000 के इनामी आरोपी ठाकुर पिता हरु भील को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 में थाना टांडा में आरोपी ठाकुर भील (निवासी ग्राम सिंगाचोरी) के विरुद्ध धारा 392 भादवि (लूट) के तहत अपराध क्रमांक 68/2021 दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार अपनी पहचान छुपाकर फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस अधीक्षक, जिला धार द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर रु. 10,000 के नगद इनाम की उद्घोषणा की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना टांडा पुलिस की टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। तकनीकी साक्ष्यों (साइबर सेल की मदद) और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित घेराबंदी कर इनामी आरोपी ठाकुर भील को धर दबोचा। थाना प्रभारी संजय रावत के अनुसार पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूरी कर ली गई है, जिसके बाद उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस पूरी कार्यवाही में थाना टांडा पुलिस टीम की सजगता और महत्वपूर्ण भूमिका की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई है।

ढाबे पर बैठकर भोजन कर रहे व्यक्तियों पर कार चढ़ाने का आरोप पुलिस जुटी जांच में

धामनोद, निप्र। ग्राम चिक्टियावड़ स्थित नायक ढाबे पर गुरुवार रात एक सनसनीखेज घटना में तेज रफ्तार कार ने भोजन कर रहे लोगों की टेबल में टक्कर मार दी। घटना में एक मीडियाकर्मी सहित चार लोग घायल हो गए। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फरियादी सोनू पिता नारायण मीणा (32) निवासी ग्राम धानी, चिक्टियावड़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 16 जुलाई 2026 की रात वह अपने मित्र गोलू राजपूत के साथ नायक ढाबे के पीछे पलास क्षेत्र में भोजन कर रहा था। इसी दौरान महेश्वर के चार व्यक्तियों से कांच की बोतल टेबल पर फेंकने की बात को लेकर कहासुनी हुई। बाद में ढाबा संचालक आशीष नायक ने समझाइश देकर उन्हें वहां से रवाना कर दिया।फरियादी के अनुसार करीब रात 10:30 बजे एबी रोड की ओर से एक सफेद कार तेज गति और लापरवाही से आई तथा जानबूझकर उनकी टेबल में टक्कर मार दी। हादसे में सोनू मीणा, गोलू राजपूत, विष्णु काहिर और बद्री बंजारा घायल हो गए। सभी को शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आईं।बताया गया कि टक्कर मारने के बाद कार कुछ दूरी पर पत्थरों से टकराकर रुक गई। फरियादी के अनुसार कार का नंबर रख09 ड्ड 6931 है, जिसकी फोटो भी मोबाइल से ली गई।पुलिस ने फरियादी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर वाहन चालक एवं अन्य आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। घटना के पीछे पहले हुई कहासुनी को भी जांच का विषय बनाया गया है।

नगर सुरक्षा समिति ने मनाया मनावर थाना प्रभारी राजेश यादव का जन्मदिन

मनावर, निप्र। नगर रक्षा समिति के जिला संयोजक डॉ निर्मल कुमार पाटीदार के नेतृत्व में मनाया बड़े सरल एवं सहयोग व्यक्तित्व के धनी हमेंशा अपने कार्य के प्रति सजग रहने वाले माननीय राजेश जी यादव को उनके जन्म दिन के अवसर पर उन्हे साफा बाधकर तीलक व माल्यार्पण कर केक काटकर जन्मदिन मनाया गया इस अवसर पर सुरक्षा समिती के सदस्य बंशीलाल बाडमेरा, दिनेश राठौड़, सचिन नामदेव, रवि ब्रजवासी, लव शर्मा जगदीश जौहरी (जेडी) अनिल चोपडिया,नारायण जौहरी, जगदीश पाटीदार, कैदार पाटीदार अनिल चोपड़िया, संजय पाटीदार, बबलू पाटीदार, अनिल तौमर आदि सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक शुक्ला ने किया जनरल परेड का निरीक्षण

शाजापुर, निप्र। पुलिस अधीक्षक ने जनरल परेड का निरीक्षण किया। पुलिस विभाग में परेड को अनुशासन, एकरूपता एवं कार्यकुशलता की आधारशिला माना जाता है। नियमित परेड के माध्यम से पुलिस बल में अनुशासन, टीम भावना, शारीरिक दक्षता एवं मानसिक सुदृढ़ता का विकास होता है, जिससे पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर पाते हैं। इसीको लेकर शुक्रवार सुबह पुलिस लाइन शाजापुर स्थित परेड ग्राउंड में जनरल परेड का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने परेड की सलामी लेने के उपरांत प्लाटूनवार निरीक्षण किया तथा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के टर्नआउट, अनुशासन, वर्दी एवं समग्र प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट टर्नआउट एवं अनुशासन प्रदर्शित करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वहीं जिन कर्मचारियों के टर्नआउट में सुधार की आवश्यकता पाई गई, उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने एवं आवश्यक सुधार करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण उपरांत प्लाटून कमांडरों द्वारा अपने-अपने प्लाटून का ड्रिल अभ्यास कराया गया।

जिले को मिली 66 नए विद्यालय भवनों की सौगात

कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान एवं सांसद श्रीमती अनिता चौहान के प्रयासों से राज्य शिक्षा केंद्र ने दी स्वीकृति, 12.04 करोड़ रुपये होंगे खर्च

विनय उजाला

आलीराजपुर, निप्र। जिले के शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान एवं रतलाम-झाबुआ-आलीराजपुर संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती अनिता चौहान के सतत प्रयासों से समग्र शिक्षा अभियान 2026-27 के अंतर्गत आलीराजपुर जिले के लिए 66 नवीन विद्यालय भवनों के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति से आलीराजपुर जिले में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती मिलेगी तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सुविधायुक्त विद्यालय भवन उपलब्ध हो सकेंगे।

विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता ने बताया कि जर्जर एवं जीर्ण शीर्ण विद्यालय भवनों के नवनिर्माण के संबंध में कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान एवं सांसद श्रीमती अनिता चौहान द्वारा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्री उदय प्रताप सिंह को पत्र प्रेषित कर इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए भवन निर्माण हेतु राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया था। जिसके चलते जिले में 61 प्राथमिक विद्यालय भवन एवं 5 माध्यमिक विद्यालय भवन स्वीकृत किए गए हैं। प्रत्येक भवन के लिए 18.25 लाख रुपये की इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस प्रकार जिले को कुल 12 करोड़ 4 लाख 50 हजार रुपये की सौगात मिली है।

यह स्वीकृति उन जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण विद्यालय भवनों के स्थान पर नए भवनों के निर्माण के लिए दी गई है, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा। नए भवन बनने से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के हजारों छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। कैबिनेट मंत्री श्री नागरसिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर रही है। आलीराजपुर जिले के बच्चों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और आगे भी जिले के विकास के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेंगे। सांसद श्रीमती अनिता चौहान ने इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि जिले के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का किया आभार व्यक्त

66 स्कूलों के जीर्णोद्धार हेतु 12 करोड़ रुपये स्वीकृत करने पर कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान, सांसद श्रीमती अनिता चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष मकू परवाल, महामंत्री रिंकेश तंवर, मोंटू शाह, राजू मुवेल, पूर्व विधायक माधोसिंह डावर, युवा नेता विशाल रावत सहित सभी भाजपा जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष सहित मंडल पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

आगजनी पीड़ित परिवार को अब तक नहीं मिली राहत राशि

केवल पंचनामा बनाकर राजस्व विभाग ने निभाई औपचारिकता

विनय उजाला

बाग (धार)। नगर के गवलीपुरा चौक निवासी टोपला व्यापारी नारायण राठौर के घर में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद भी पीड़ित परिवार को अब तक अपेक्षित शासकीय सहायता नहीं मिल पाई है। आग में लाखों रुपये मूल्य का घरेलू सामान, टोपलियां, बांस एवं लकड़ी से निर्मित सामग्री तथा परिवार की आजीविका के साधन जलकर राख हो गए थे। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद राजस्व विभाग के पटवारी द्वारा केवल पंचनामा तैयार किया गया, लेकिन आज तक किसी प्रकार की तत्काल राहत राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है और पुनः रोजगार शुरू करने में असमर्थ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है

कि घटना के बाद जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई थी। इसके बावजूद राहत वितरण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। लोगों ने बताया कि सांसद प्रतिनिधियों द्वारा सहायता का आश्वासन दिया गया था, लेकिन पीड़ित परिवार को अब तक कोई ठोस लाभ नहीं मिला। परिवार ने यह भी कहा कि क्षेत्र के प्रशासन को घटना की जानकारी होने के बावजूद अभी तक पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर हालचाल नहीं लिया गया है। इससे परिवार एवं स्थानीय नागरिकों में निराशा देखी जा रही है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आगजनी से हुए नुकसान का पुनः सर्वे कराकर तत्काल राहत राशि स्वीकृत की जाए तथा पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए, ताकि परिवार दोबारा अपने जीवन और रोजगार को पटरी पर ला सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल पंचनामा बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि वास्तविक राहत पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। आगजनी के कई दिन बाद भी सहायता नहीं मिलने से पीड़ित परिवार न्याय और राहत की प्रतीक्षा कर रहा है।

विधायक डॉ. अलावा ने ग्राम पंचायत पटवार को पेयजल संकट से राहत के लिए पानी का टैंकर भेंट किया

बाकानेर (सैयद रिज़वान अली)। युवा समाज सेवी हर दिल अजीज पटवार जनपद सदस्य जीतू वास्केल की मांग पर पटवार ग्राम पंचायत ओर उसके सभी वार्डो की पेयजल समस्या को देखते हुए मनावर विधायक डॉ. हीरालाल अलावा जी ने ग्राम पंचायत को एक पानी का टैंकर उपलब्ध कराया। टैंकर मिलने से गांव के लोगों को पेयजल की आपूर्ति में काफी राहत मिलेगी। इस अवसर पर विधायक श्री अलावा जी ने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र में पानी की समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्राम पंचायत पटवार जितू वास्केल जनपद सदस्य विधायक प्रतिनिधि महेश वास्केल रवि विजय शिव एवं ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टैंकर मिलने से गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से काफी हद तक राहत मिलेगी। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

17 जुलाई तक भी नहीं बरसे बादल, सूखे की कगार पर मांडू का सागर तालाब

होटलों की मनमानी से बंद हुए पानी के स्रोत

विनय उजाला

मांडू, निप्र। ऐतिहासिक नगरी मांडू में 17 जुलाई बीतने को है लेकिन अब तक अच्छी बारिश नहीं हुई है। बारिश की कमी से किसान चिंतित हैं, वहीं मांडू का एकमात्र पेयजल स्रोत 'सागर तालाब' भी सूखने के कगार पर पहुंच गया है। इस समय तक सागर तालाब में लगभग 25 प्रतिशत पानी भर जाना चाहिए था, लेकिन इस साल तालाब में पानी आने की संभावना बहुत कम नजर आ रही है।

सागर तालाब ही मांडू नगर और आसपास के गांवों के लिए पीने के पानी का एकमात्र स्रोत है। इसके अलावा मवेशियों की प्यास भी इसी तालाब से बुझती है। अगर इस साल तालाब नहीं भरा तो नगर में पेयजल संकट गहरा जाएगा और मवेशियों के सामने भी भूख-प्यास का संकट खड़ा हो जाएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि होटल व्यवसायियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है, लेकिन खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

जब इस संबंध में संबंधित

विकास के नाम पर बंद किए गए पानी के रास्ते

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मांडू में विकास के नाम पर स्वीकृत हुए बड़े-बड़े होटलों की मनमानी के कारण सागर तालाब में पानी आने वाले सभी प्राकृतिक स्रोत बंद कर दिए गए हैं। होटल संचालकों ने अपने निजी मार्ग और निर्माण के लिए तालाब की ओर आने वाले नालों का मुंह दूसरी तरफ मोड़ दिया है। इस कारण पहाड़ों से आने वाला बारिश का पानी अब सागर तालाब की बजाय दूसरी तरफ बह रहा है।

अधिकारियों से चर्चा की गई तो उनका जवाब था - 'हम इसमें क्या कर सकते हैं'।

अधिकारियों की इस गैरजवाबदेही से नाराज नागरिकों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सागर तालाब के पानी के आवक मार्ग चालू नहीं किए गए तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बारिश न होने और तालाब के सूखे होने से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। खरीफ की फसल के लिए पानी नहीं मिलने से खेती प्रभावित होने का डर है।

अब देखना होगा कि प्रशासन समय रहते होटलों द्वारा किए गए अतिक्रमण और नालों के अवरोध को हटाकर सागर तालाब को बचाता है या मांडू को पेयजल संकट से जूझने के लिए छोड़ देता है।

अन्नदाता के सम्मान में कांग्रेस पार्टी मैदान में बढ़ती महंगाई और किसानों के अधिकार की आवाज उठाएगी

मनोज पुरोहित

- पेटलावद में किसान महासम्मेलन का होगा आयोजन
- कांग्रेस के दिग्गज करेंगे आमसभा का संबोधित

पेटलावद। किसानो की विभिन्न मांगों को लेकर जिला कांग्रेस के नेतृत्व में एक विशाल आम सभा का आयोजन दिनांक -19-7-2026- रविवार को पेटलावद के स्थानीय बामनिया रोड के निजी गार्डन में 11 बजे किया जाएगा।

आयोजन में पूर्व कैबिनेट मंत्री कांतिलाल भूरिया, किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, आदिवासी राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष एवं झाबुआ विधायक विक्रांत भूरिया, थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनम जसवंत भाबर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका, किसान जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अकमल मालू डामोर, विधानसभा कांग्रेस अध्यक्ष नारायण ताड़, प्रदेश सचिव निर्मल मेहता, पूर्व विधायक वालसिंह मेड़ा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सलीम शेख, किसान कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नारायण गेहलोत, ब्लॉक किसान

कांग्रेस पेटलावद के अध्यक्ष हीरालाल काग, झकनावदा अध्यक्ष भूरालाल मईडा, सारंगी अध्यक्ष कैलाश भूरिया सहित किसान कांग्रेस पदाधिकारीगण आयोजन में उपस्थित रहेंगे।

यह रहेंगे मुद्दे

कांग्रेस द्वारा आयोजित किसान महासम्मेलन में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं देने की, किसानो की अनदेखी करना, खाद के लिए टोकन से होने वाली परेशानी, किसानों को फसल का उचित दाम नहीं मिलना, विकास के नाम पर किसानों से जमीन गवर्नमेंट अधिकृत करना, और बढ़ती महंगाई में गैस सिलेंडर के बढ़ते भाव, पेट्रोल डीजल के बढ़ते भाव , इथेनॉल से बिगड़ रहा पेट्रोल जिससे गाड़ियां खराब हो रही है आदि विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस महासम्मेलन का आयोजन कर रही है। इस आम सभा के पश्चात कांग्रेस के सभी पद अधिकारी गण वह नेता बामनिया रोड के निजी गार्डन से पैदल रैली के रूप में स्थानीय तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों संबंधित विज्ञापन सौंपेंगे। इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के जिला पंचायत सदस्य जनपद पंचायत सदस्य सरपंच पंच आदि कार्यकर्ता नेता को अधिक से अधिक संख्या में पधारने की अपील की।

सुधा मेहता अध्यक्ष डाली पटवा उपाध्यक्ष तो मोना मुरारबनी सचिव

सेवा भाव के साथ इनरव्हील क्लब की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। सफर बदलते रहते हैं, कारवां बदलते रहते हैं, लेकिन सेवा और मित्रता के रिश्ते हमेशा चलते रहते हैं... इसी गरिमामयी संदेश और सेवा भाव के संकल्प के साथ इनरव्हील क्लब पेटलावद की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण (इंस्टॉलेशन सेरेमनी) समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर क्लब की निवर्तमान (पूर्व) कार्यकारिणी ने नई टीम को आधिकारिक बैज लगाकर दायित्व सौंपे और परंपरा के अनुसार सेवा कार्यों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्य रूप से जया मेहता द्वारा नवीन कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई गई। क्लब की नवीन कार्यकारिणी में सुधा मेहता ने अध्यक्ष, डॉली पटवा ने उपाध्यक्ष (वॉइस प्रेसिडेंट), मोना मुरार ने सचिव, नेहा लोढ़ा ने कोषाध्यक्ष, नमिता छजलानी ने आईएसओ (ढ्ढस्ह्र) और जया पालरेचा ने एडिटर के रूप में शपथ ग्रहण कर अपना कार्यभार संभाला। नई अध्यक्ष ने इंस्टॉलेशन के बाद वर्ष आगामी के क्या क्या कार्य रहेंगे यह साझा कर अपने नए लक्ष्यों को भी रेखांकित किया। इस विशेष अवसर पर क्लब की वरिष्ठ सदस्य निर्मला भाटोदरा, दुर्गा चौहान, रानी कोटड़िया, श्रुति सोलंकी, मोना मेहता और अल्पना पटवा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने क्लब के सेवा संकल्प को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज हित में निरंतर सक्रिय रहने की बात कही।गरिमामयी उपस्थिति

समारोह में क्लब की गरिमा और सेवा भाव का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में क्लब सदस्य अलका गांधी, सरिका मुन्नत, खुशबू कटकानी, प्रीति मेहता और अनीता मोदी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का सफल संचालन संजना भंडारी ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन प्रीति शैलेश पटवा द्वारा व्यक्त किया गया।

पूर्व कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल को सराहा

इससे पूर्व, निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मेहता, पूजा सोनी, रेखा भाटोदरा, संजना भंडारी एवं प्रीति पटवा ने अपने एक वर्ष के सफल कार्यकाल की उपलब्धियां और सेवा कार्यों की रिपोर्ट साझा की। उपस्थित सभी सदस्यों ने पूर्व टीम को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई दी और नई टीम को एक सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

संक्षिप्त समाचार

अमृत भारत स्टेशन बन रहे, आधुनिक विकास के प्रवेश द्वार : राज्यपाल पटेल

भोपाल,निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हरियाणा के जींद में आयोजित अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए रेलवे स्टेशनों के वर्चुअल लोकार्पण के सांची में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में गुरुवार को शामिल हुए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे के बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अमृत भारत स्टेशन योजना केवल अवसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं है। यह रेलवे स्टेशनों को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, तकनीकी रूप से उन्नत और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने का दूरदर्शी प्रयास है। योजना के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, स्वच्छ, यात्री-अनुकूल और सांस्कृतिक पहचान के साथ विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुनर्विकसित स्टेशनों पर नवीन तकनीक, बेहतर यातायात व्यवस्था, सुगम पहुँच, स्वच्छता तथा यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सांची रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास में विश्वविख्यात बौद्ध स्तूप सहित क्षेत्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत को आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सांची रेलवे स्टेशन को आगामी 40 से 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। स्टेशन पर विशाल प्रतीक्षालय, उन्नत सर्कुलेटिंग एरिया, आधुनिक ट्रेन सूचना एवं कोच गाइडेंस प्रणाली, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ तथा चौड़े फुट ओवर ब्रिज जैसी व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ऐसे आधुनिक स्टेशन विकसित भारत के आत्मविश्वास, प्रगति और नई संभावनाओं के प्रतीक बन रहे हैं। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल ने साँची रेलवे स्टेशन की लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

राज्य सरकार ने लागू की सख्त 'कॉस्ट कटिंग' नीति : विदेश यात्राओं, नए कॉन्ट्रैक्ट्स और वीआईपी कल्चर पर लगाई रोक

भोपाल (विनय उजाला)। देश में वित्तीय प्रबंधन और सरकारी खर्चों में पारदर्शिता को लेकर राज्य सरकारें अब बेहद सख्त रुख अपना रही हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 और आगामी वर्ष 2027-28 के बजट आवंटन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। फिजूलखर्ची पर पूरी तरह लगाम लगाते हुए कई तरह की गतिविधियों और खर्चों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासनिक स्तर पर इस कदम को कड़े वित्तीय अनुशासन और मितव्ययिता के रूप में देखा जा रहा है। यह नियम सभी सरकारी विभागों, निगमों, मंडलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा।

वीआईपी संस्कृति और फिजूल खर्चों पर रोक : आदेशानुसार वीआईपी संस्कृति और फिजूलखर्ची से जुड़े कई बड़े खर्चों पर रोक लगा दी है। अब बेहद अनिवार्य मामलों को छोड़कर राज्य सरकार या उसके उपक्रमों के खर्च पर होने वाली सभी विदेश यात्राओं पर आगामी आदेश तक रोक रहेगी। साथ ही नए साल या अन्य उत्सवों पर छपने वाले महंगे सरकारी कैलेंडर, डायरी के मुद्रण और वीआईपी उपहारों व स्वागत समारोहों के खर्च को भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। अधिकारियों के हवाई सफर को लेकर भी कड़ा रुख अपनाया गया है। इसके तहत सरकारी कार्यों के लिए इकोनॉमी क्लास के अलावा किसी भी अन्य श्रेणी में यात्रा करने पर पाबंदी लगा दी गई है।

कार्यशाला, बैठकों, प्रशिक्षण पर रोक : शासकीय बैठकों और कार्यालयों के रखरखाव में भी बड़े बदलाव किये गये हैं। अब होटलों या व्यावसायिक केंद्रों में होने वाली महंगी कार्यशालाओं, बैठकों और ट्रेनिंग प्रोग्राम्स पर रोक लगा दी गई है और इनके स्थान पर शासकीय भवनों के उपयोग या वर्चुअल माध्यम व वेबिनार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा कार्यालयों में होने वाले आंतरिक साज-सज्जा के गैर-जरूरी खर्चों को भी रोक दिया गया है।

विधानसभा उपचुनाव-2026 के मद्देनज़र सघन चेकिंग के दौरान एक दिन में 36.19 लाख रुपये नकद जब्त

भोपाल,निप्र। विधानसभा उपचुनाव-2026 के दृष्टिगत दतिया जिले में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी पालन एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु सतत करवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक दतिया श्री मयूर खण्डेलवाल के निर्देशन, में जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न अंतरजिला एवं प्रमुख चेकिंग पॉइंटों का लगातार निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवढ़ा चुंगी चेकिंग पॉइंट का आकस्मिक भ्रमण किया इसी दौरान एक कार सवार युवक के कब्जे से करीबन 15,00,000 नकद राशि बरामद की गई। मौके पर एसएसटी को सूचना देकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई। इसी क्रम में गोराघाट चेकिंग पॉइंट पर चेकिंग के दौरान एमपी-09-ZD-9082 स्कॉर्पियो वाहन से 21,19,000 नकद राशि बरामद की गई। वाहन स्वामी से राशि के संबंध में पूछताछ की जा रही है तथा नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार दतिया पुलिस द्वारा एक ही दिन में कुल 36,19,000 की नकद राशि बरामद कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। दतिया पुलिस द्वारा विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले के सभी प्रमुख मार्गों, अंतरजिला सीमाओं एवं संवेदनशील स्थानों पर लगातार सघन वाहन चेकिंग, संदिग्ध व्यक्तियों की जांच तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जालंधर से देश के 20 राज्यों के 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशन का किया वर्चुअल शुभारंभ

बुंदेलखंड अब बदल रहा है, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से आएगी हरियाली : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन पर वर्चुअल शुभारंभ कार्यक्रम में की सहभागिता

विनय उजाला

आलीराजपुर,निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पंजाब के जालंधर छावनी रेलवे स्टेशन से देश के 20 राज्यों में विकसित किए गए 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का शुभारंभ किया। इनमें मध्यप्रदेश के पुनर्विकसित टीकमगढ़, छतरपुर, खजुराहो के प्रवेश द्वार तरिचर, हरपालपुर, सांची, अशोकनगर, बालाघाट, ब्यौहारी, छिंदवाड़ा, जुन्नारदेव, नैनपुर जंक्शन, विदिशा, शिवपुरी एवं भिंड सहित कुल13 अमृत भारत रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन से अमृत भारत स्टेशनों के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश को 13 अमृत भारत स्टेशन के रूप में ऐतिहासिक सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त कर कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि 75 अमृत भारत स्टेशनों का एक साथ शुभारंभ भारतीय रेल के आधुनिकीकरण और विकसित भारत के संकल्प की ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पुनर्विकसित टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र के विकास, पर्यटन और जनसुविधाओं का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि नए अमृत भारत स्टेशन मध्यप्रदेश को नई पहचान, नया सम्मान और विकास की नई दिशा देंगे। हमारे लिए ये स्टेशन समृद्ध और गौरवशाली विरासत का प्रतिबिंब हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

बुंदेलखंड लिखेगा विकास की इबारत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारा देश और प्रदेश बदल रहा है। बुंदेलखंड ने अब तेजी से विकास और बदलाव की नई इबारत लिखी है। बुंदेलखंड की धरती आध्यात्मिकता और बहुमूल्य खनिज संपदा से संपन्न है। यहां रामराजा सरकार और बुंदेली संस्कृति के कई प्रतिमान जुड़े हैं। पहले बुंदेलखंड जल की कमी के लिए जाना जाता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की भूमि अपना विकास करने में सक्षम है लेकिन प्राकृतिक कारणों से इतिहास में यहां से पलायन होता रहा है। उन्होंने कहा कि केन-बेतबा नदी जोड़ो अभियान के तहत बुन्देलखंड में समृद्धि के नवीन द्वार खुलेंगे और यहां विकास की गंगा बहेगी। एक लाख करोड़ रुपए की योजना से बुन्देलखंड पूरा बदल जाएगा।

मध्यप्रदेश नक्सलवाद को खत्म करने वाला और लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा बुन्देलखंड की गौरवशाली विरासत का अपना अलग इतिहास है। यह वीरों और महावीरों की भूमि है। बुन्देलखंड अपने अंदर गौरवशाली इतिहास, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। भारतीय रेलवे का नेटवर्क इतना बड़ा है कि कई देशों की आबादी के बराबर यात्री प्रतिदिन हमारी ट्रेनों में सफर करते हैं। कोयले और भाप के इंजन से शुरू हुई रेल यात्रा अब स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल हाइड्रोजन तकनीक तक पहुंच चुकी है, जिससे भारत अब विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो भविष्य की इस अत्याधुनिक तकनीक पर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित 80 स्टेशनों में से पहले चरण में प्रदेश के 13 स्टेशनों का कायाकल्प कर जनता को समर्पित किया गया है। ये अमृत भारत स्टेशन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को नई गति देंगे।

कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में रेलवे अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

एमपी एग्रो का 504 करोड़ का बजट प्रस्ताव पारित, संचालक मंडल की 203वीं बैठक सम्पन्न

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। द एम.पी. स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज़ डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा वर्ष 2026-27 में निगम की विभिन्न विकास गतिविधियों पर 504 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इस आशय का प्रस्ताव उद्यानिक एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं निगम के अध्यक्ष श्री नारायण सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में एमपी एग्रो कार्यालय के सभागार में संचालक मंडल की 203वीं बैठक में पारित किया गया।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि निगम किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण कृषि यंत्रों तथा सिंचाई सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत विकास योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि को लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए निगम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सभी विकास कार्य किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर प्रभावी ढंग से संचालित किए जाएं।

बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअल माध्यम से किसानों को किया संबोधित

प्राकृतिक खेती और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से बढ़ाएं आय : मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर और कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर अपनी आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर एवं समृद्ध कृषि ही विकसित मध्यप्रदेश की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने किसानों को बलराम कृषि महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने और शासकीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत धार जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में व्यापक जनसंवाद किया गया है। विभिन्न राजनीतिक दलों और विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श के उपरांत आगामी विधानसभा वर्षाकालीन सत्र में आवश्यक विधायी प्रक्रिया पूरी कर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। सभी नागरिकों के लिए समान कानून और समान अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएंगे।

बलराम कृषि महोत्सव का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, मूल्य संवर्धन, कृषि यंत्रीकरण और कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में कृषि आधारित एवं देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत उपस्थित किसानों एवं नागरिकों को नशामुक्त समाज निर्माण का संदेश भी दिया गया। किसानों को प्राकृतिक खेती, कृषि उपज के मूल्य संवर्धन और प्रधानमंत्री कुसुम-बी योजना के अंतर्गत सोलर पंप स्थापित कर आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

महोत्सव में कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, प्राकृतिक खेती, बलराम तालाब, सूक्ष्म सिंचाई, जल संरक्षण, श्रीअन्न (मिलेट), पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, इफको, कृभको सहित विभिन्न कृषि सहयोगी संस्थाओं द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। किसानों ने इन प्रदर्शनों का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

प्रभात चौराहा फ्लाईओवर में देरी पर सख्त हुए मंत्री सारंग, नाराजगी व्यक्त की

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। राजधानी भोपाल के सबसे व्यस्त यातायात मार्गों में शामिल प्रभात चौराहे पर निर्माणाधीन डबल-डेकर फ्लाईओवर परियोजना में हुई देरी और लागत में भारी वृद्धि को लेकर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने लोक निर्माण विभाग अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर परियोजना में बरती गई लापरवाही पर गहरा असंतोष व्यक्त किया और निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए।

करीब 650 मीटर लंबे डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण प्रभात चौराहे (काली मंदिर पुलिया) से लाला लाजपत राय कॉलोनी तक किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को वर्ष 2022 में स्वीकृति मिली थी, जबकि 2023-24 में

निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। निर्माण के दौरान मेट्रो परियोजना और लोक निर्माण विभाग के बीच पेयजल एवं सीवरेज लाइन शिफ्टिंग को लेकर समन्वय की कमी और प्रशासनिक विवाद के कारण कार्य लंबे समय तक बाधित रहा। अधिकारियों की लापरवाही के चलते समय पर समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिससे परियोजना की प्रगति रुक गई। परिणामस्वरूप, परियोजना की 44 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत बढ़कर लगभग 72 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वर्ष 2025 में संशोधित लागत की स्वीकृति के लिए प्रशासनिक स्तर पर फाइल भेजी गई, जो लंबे समय तक लंबित रही। इन परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री विश्वास सारंग ने लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई और स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

फ्लाईओवर बनने से प्रभात चौराहे के जाम से मिलेगी बड़ी राहत

यह डबल-डेकर फ्लाईओवर पूरा होने के बाद प्रभात चौराहे पर वर्षों से लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से भोपाल रेलवे स्टेशन की ओर आने-जाने वाले यात्रियों का सफर अधिक सुगम और तेज होगा। वर्तमान में इस चौराहे पर प्रतिदिन भारी यातायात का दबाव रहता है, जिससे लोगों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है। फ्लाईओवर के शुरू होने के बाद प्रतिदिन लाखों नागरिकों, रेलवे यात्रियों, कार्यालय आने-जाने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इससे यात्रा का समय कम होगा, ईंधन की बचत होगी, प्रदूषण में कमी आएगी और राजधानी की यातायात व्यवस्था भी अधिक सुवारु होगी। मंत्री श्री विश्वास सारंग ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए।

टैलेंट सर्च में उमड़ा बैडमिंटन और टेनिस का जोश, 93 खिलाड़ियों ने आजमाया दम

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश के उभरते बैडमिंटन एवं टेनिस खिलाड़ियों के लिए शुक्रवार का दिन अपनी प्रतिभा साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर बन गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित टैलेंट सर्च 2026-27 के तहत टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित बैडमिंटन एवं टेनिस डे-बोर्डिंग चयन ट्रायल्स में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन ट्रायल्स में कुल 75 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 50 बालक एवं 25 बालिकाएँ शामिल रहीं। वहीं टेनिस चयन ट्रायल्स में 18 खिलाड़ियों ने सहभागिता की, जिनमें 12 बालक एवं 6 बालिकाएँ शामिल थीं। इस प्रकार दोनों खेलों में कुल 93 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सुबह से ही टी.टी. नगर स्टेडियम परिसर खिलाड़ियों की ऊर्जा और उत्साह से सराबोर रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण

विद्यार्थी अब सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति सभी के प्रति मैत्री और कल्याण का भाव रखने का संदेश देती है। कृष्ण-सुदामा का प्रसंग भी हमें मैत्री के भाव को पूर्ण गरिमा और आत्मीयता के साथ निभाने का संदेश देता है।

यह प्रसंग हमें अमीर-गरीब का भेद मिटाकर समरसता का संदेश भी देता है। भगवान कृष्ण का शिक्षा के लिए सांदीपनि आश्रम उज्जैन आगमन और शिक्षा ग्रहण कर उनका 64 कलाओं 14 विद्याओं में पारंगत होना हमें शिक्षा का महत्व बताता है। राज्य सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दे रही हैं। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय सर्वसुविधा युक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माध्यम बन रहे है। इसी का परिणाम है कि विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं। शासकीय शालाओं में बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें और साइकिलें प्रदान की जा रही है। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और अगर कोई विद्यार्थी स्कूल में टॉप करता है तो उसे स्कूटी दी जा रही है। राज्य में गुरुपूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरु हमें अंधकार से

प्रकाश की ओर ले जाते हैं, इसीलिए विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए कुलगुरु संबोधन की परंपरा शुरू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्लीमनाबाद कटनी में सांदीपनि विद्यालयों के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

स्लीमनाबाद टनल किसान कल्याण वर्ष में किसानों के लिए बड़ी सौगात है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में कई असंभव कार्यों को पूरा कर विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विभिन्न विकास परक और कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। इसी क्रम में स्लीमनाबाद टनल परियोजना बघेलखंड और बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है, यह क्षेत्र भविष्य में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ देगा। इस परियोजना से रीवा, सतना, मैहर, पन्ना और कटनी में सिंचाई और पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता रहेगी। किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार की ओर से इस क्षेत्र के किसानों के लिए यह बड़ी सौगात है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने टनल परियोजना के लिए लगभग 1400 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। इसी प्रकार केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड के दमोह, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, विदिशा सहित अन्य जिलों के किसान लाभान्वित होंगे।

झिंझरी में 38 करोड़ 61 लाख और बहोरीबंद में 35 करोड़ 63 लाख रुपए लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज क्षेत्रवासियों को झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दी। झिंझरी का सांदीपनि विद्यालय 38 करोड़ 61 लाख रुपए तथा बहोरीबंद का सांदीपनि विद्यालय 35 करोड़ 63 लाख रुपए से अधिक लागत से बनकर तैयार हुआ। यहां उपलब्ध सुविधाएं गुरुकुल की गरिमा और डिजिटल युग की दक्षता का समन्वय प्रस्तुत करती है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन के लिए हुई जन-प्रतिनिधियों की क्षमता-वर्धन कार्यशाला

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में एक दिवसीय क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन्दौर एवं सागर संभाग के नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों के व्यावहारिक एवं प्रशासनिक कौशल को विस्तार देने के लिए कार्यशालाएं इन्दौर और सागर में आयोजित की गई। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य स्तर से इम्पैनल्ड स्वच्छता नॉलेज पार्टनर्स एआईआई एलएसजी, भोपाल द्वारा होटल दीपाली, सागर में और फीडबैक फाउंडेशन द्वारा सोलारिस होटल एण्ड क्लब, इन्दौर में कुशलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यशाला में उपस्थित जन-प्रतिनिधियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रमुख विधिक प्रावधानों, स्वच्छता प्रबंधन की अत्याधुनिक नवीन व्यवस्थाओं और नगरीय निकायों की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के विषय में विस्तारपूर्वक एवं प्रामाणिक जानकारी प्रदान की गई।

सत्रों में स्रोत स्तर पर अपशिष्ट के पृथक्करण, डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण, वैज्ञानिक रीति से प्रसंस्करण एवं सुरक्षित निपटान, सिंगल यूज प्लास्टिक के पूर्ण उन्मूलन, सार्वजनिक सहभागिता और व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC) जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधियों पर विशेष जोर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा उषा प्रिंटर्स, तिलक मार्ग, अमला लाइन, आलीराजपुर से मुद्रित एवं 13/2, ब्लॉक सी, केशव नगर, आलीराजपुर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - श्रीमती दिव्या गुप्ता, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, 8889766697, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। RNI. Reg. MPHIN/2019/78560